दैनिक

जयपुर टाइम्स

जयपुर, सीकर, झुंझुनूं, चुरू, नागौर एवं अलवर से एक साथ प्रकाशित

नई सोच नई रफ्तार

jaipurtimes.org
twitter.com/JaipurTimes2
dainikjaipurtimes
youtube.com/c/JaipurTimes
instagram.com/jaipurtimesjt

वर्ष : 07 अंक : 237 चूरू, शुक्रवार 7 फरवरी, 2025 ▪ RNI.No.RAJHIN/2018/76199 ▪ मूल्य : 1.5 रुपए ▪ पृष्ठ : 8+2

राजस्थान में सेहत का वरदान बने मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य शिविर

साढ़े ग्यारह लाख लोग लाभान्वित

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर प्रदेश में आमजन को निकटतम चिकित्सा संस्थान पर बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के निर्देशन में गत 15 दिसम्बर से 31 जनवरी तक 3 हजार 219 मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य शिविर आयोजित किए गए। इन शिविरों में 11 लाख 57 हजार से अधिक लोगों को विभिन्न तरह की स्वास्थ्य स्क्रीनिंग, उपचार के साथ आभा ई-केवाईसी, आभा कार्ड वितरण, फूड सेम्पल लेने व फूड लाइसेंस जारी करने सहित अन्य सेवाओं से लाभान्वित किया गया। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री खींवसर ने बताया कि इस अवधि के दौरान प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों व सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर प्रथम स्तर के मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य शिविर आयोजित किए गए। इन शिविरों में 37 प्रकार की स्वास्थ्य जांचें एवं जिला अस्पताल स्तर पर उपलब्ध दवाइयों से रोगियों को उपचारित किया गया है। उन्होंने बताया कि यदि किसी मरीज को सर्जरी या आवश्यक उपचार की आवश्यकता है तो उन्हें रैफर कर इलाज उपलब्ध करवाया जा रहा है। फोलोअप एवं रैफरल शिविरों में विशेषज्ञ चिकित्सकों की भी सुविधा उपलब्ध है एवं दिव्यांगजनों का यूडीआईडी कार्ड बनाया जा रहा है।

81 हजार की टीबी स्क्रीनिंग, 1500 से ज्यादा पॉजिटिवः

निदेशक जनस्वास्थ्य ने बताया कि 81,774 लोगों की टीबी स्क्रीनिंग की गयी, इनमें 1,518 लोग टीबी पॉजिटिव मिले। उन्होंने बताया कि शिविरों में निक्षय पोषण योजना के तहत 8,651 रोगियों को लाभान्वित किया गया।

कुष्ठ रोग के लिए 30,818 लोगों की स्क्रीनिंग की गई। शिविरों में विभिन्न रोगों से ग्रसित पाए गए 6,53,249 मरीजों को एलोपैथी पद्धति व 1,89,761 मरीजों को आयुष पद्धति से उपचारित किया गया। टेलीकन्सल्टेशन के माध्यम से सुपरस्पेशिलिटी चिकित्सकीय परामर्श से 13,749 मरीजों तथा 19,847 मरीजों को स्पेशिलिटी चिकित्सकीय परामर्श प्रदान किया गया है।

5 लाख से ज्यादा की मधुमेह स्क्रीनिंग, 62 हजार पॉजिटिव मिले

प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने बताया कि इन शिविरों के माध्यम से ऐसे रोगियों को चिन्हित किया जाना संभव हुआ है, जो किसी न किसी कारण से स्वास्थ्य जांच नहीं कराने के कारण विभिन्न रोगों से ग्रसित थे। उन्होंने बताया कि डेढ़ माह तक आयोजित किए गए इन शिविरों में कुल 12 लाख 82 हजार से अधिक लोग उपस्थित हुए। इनमें 30 से अधिक उम्र के 5 लाख से अधिक मरीजों की मधुमेह स्क्रीनिंग में 62 हजार से अधिक लोग पॉजिटिव मिले। इसी प्रकार इस आयु वर्ग के 5 लाख 25 हजार से अधिक मरीजों की बीपी स्क्रीनिंग में 68 हजार से अधिक लोग बीपी संबंधी परेशानी से पीड़ित मिले हैं।

4 लाख 50 हजार से ज्यादा की कैंसर स्क्रीनिंग, 8 हजार संभावित रोगी? मिले

राठौड़ ने बताया कि 2 लाख 73 हजार से अधिक लोगों की ओरल कैंसर स्क्रीनिंग में 5299 और 1 लाख 17 हजार 409 महिलाओं की ब्रेस्ट कैंसर स्क्रीनिंग में 1799 एवं लगभाग 60 हजार मरीजों की सर्वाइकल कैंसर स्क्रीनिंग में 912 संभावित सर्वाइकल कैंसर रोगी मिले हैं। उन्होंने बताया कि 1 लाख 39 हजार मरीजों के नाक, कान तथा गला संबंधी रोगों की स्क्रीनिंग में 35 हजार से ज्यादा तथा 1 लाख 36 हजार से ज्यादा दंत व मुंह की बीमारी स्क्रीनिंग में करीब 40 हजार संभावित रोगी पाए गए हैं।

16 हजार गर्भवती का टीकाकरण, 4500 को चश्मे वितरित

निदेशक जनस्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश शर्मा ने बताया कि शिविरों में 44 हजार से ज्यादा गर्भवतियों की प्रसव पूर्व जांच की गई और 16 हजार से ज्यादा गर्भवतियों को टीका लगाया गया। कुल 1 लाख 32 हजार से अधिक योग्य दम्पत्तियों को परिवार कल्याण साधन उपलब्ध करवाए गए। उन्होंने बताया कि 31 से अधिक मोतियाबिंद मरीज व रिफ्रेक्टिव एरर के 38,875 मरीजों को आवश्यक उपचार -परामर्श उपलब्ध कराया गया है। साथ ही लगभग 4,500 लोगों को निःशुल्क चश्मे वितरित किए गए हैं।

1 लाख 68 हजार की आभा आईडी बनाई

शिविर में कुल 82,136 लोगों की आभा ई-केवाईसी की गयी एवं 60,992 लोगों को ई-केवाईसी कार्ड वितरित किए गए। इसी प्रकार कुल 1,68,433 लोगों की आभा आईडी तैयार कर प्रिंट उपलब्ध कराए। साथ ही 1,93,099 महिला-पुरुषों का आभा एप पर रजिस्ट्रेशन करवाया गया। कुल 9,253 स्वास्थ्य कार्मिकों की एचपीआईडी तैयार की गई।मोबाइल फूड टेस्टिंग लैब की ओर से 3,729 खाद्य सेम्पल लेकर मौके पर जांच की गयी। इसी प्रकार 906 खाद्य कारोबारियों या लोगों का रजिस्ट्रेशन तथा 309 को लाइसेंस जारी किए गए। कैंसर वैन से 3,607 लोगों को लाभान्वित किया गया।

बेकाबू रोडवेज बस की टक्कर से इको सवार 8 श्रद्धालुओं की मौत

महाकुम्भ पहुंचने से पहले ही काल का बने शिकार

जयपुर टाइम्स

जयपुर (कासं.)। जयपुर जिले में दूदू के समीप मोखमपुरा में टायर फटने से बेकाबू रोडवेज बस ने इको कार को टक्कर मार दी जिसमें आठ लोगों की मौत हो गई। जबकि कई लोग बुरी तरह से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार यह हादसा जयपुर के पास दूदू में एनएच-48 मोखमपुरा के पास हुआ।

महाकुंभ जा रहे थे भीलवाडा के लोग

जानकारी के अनुसार यह हादसा जयपुर-अजमेर हाईवे पर मौखमपुरा के पास गुरुवार दोपहर करीब 3-45 बजे हुआ। हादसे में मरने वाले सभी लोग भीलवाड़ा के रहने वाले थे। बताया गया कि ये सभी महाकुंभ जा रहे थे। हादसे की सूचना मिलने पर पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे।

टायर फटने से बेकाबू बस ने कार को मारी टक्कर

हादसे के बारे में एसपी आनंद कुमार शर्मा ने बताया कि रोडवेज बस जयपुर से अजमेर जा रही थी। वहीं ईको कार अजमेर से जयपुर की ओर आ रही थी। इसी दौरान मौखमपुरा के पास अचानक रोडवेज बस का टायर फट गया। जिससे बस बेकाबू हो गई। उसने डिवाइडर कूदकर दूसरी तरफ से आ रही कार को टक्कर मार दी। बताया गया कि बस की टक्कर से ईको कार बुरी तरह पिचक गई। उसके अंदर बैठे सभी आठ लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद कुछ देर के लिए जाम की स्थिति भी हुई। हादसे में हताहत हुए लोगों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। हादसे की सूचना भीलवाड़ा पहुंचते ही वस्त्रनगरी में मातम पसर गया है। मृतकों की पहचान रविकांत पुत्र मदनलाल, बाबू रेगर पुत्र मदनलाल, नारायण निवासी बड़लियास, दिनेश कुमार पुत्र मदनलाल रेगर, बबलू मेवाड़ा पुत्र मदन मेवाड़ा, किशन पुत्र श्रीजानकी लाल, (भीलवाड़ा) और प्रमोद सुथार पुत्र मूलचंद निवासी मुकुंदपुरिया (भीलवाड़ा) के रूप में हुई। एक शव की पहचान अभी नहीं हुई है। जानकारी के अनुसार भीलवाड़ा जिले के कोटड़ी इलाके के रहने वाले सभी लोग भीलवाड़ा से महाकुंभ में प्रयागराज (उत्तर प्रदेश) जा रहे थे। इस बीच जयपुर में हुए भीषण हादसे में इन सभी की मौत हो गई हादसे की सूचना मिलते ही मृतकों के घरों में कोहराम मच गया।

शिवपुरी में सेना का फाइटर विमान क्रैश

जयपुर टाइम्स

शिवपुरी(एजेंसी)। मध्यप्रदेश के शिवपुरी जिले में सेना का फाइटर प्लेन क्रैश हो गया। हादसे में दोनों पायलटों के घायल

होने की सूचना सामने आई है। प्लेन एक खेत में मिराज-2000 क्रैश हुआ, जिसके बाद उसमें आग लग गई। घटना के बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण घटना स्थल के पास पहुंच गए थे। मौके पर एयरफोर्स का हेलीकॉप्टर पहुंचा और दोनों पायलटों को लेकर ग्वालियर रवाना हुआ है। जानकारी के मुताबिक, नरवर तहसील के दबरासानी गांव में गुरुवार दोपहर सेना का एक फाइटर प्लेन क्रैश होकर किसानों के खेतों में जा गिरा। हालांकि, प्लेन में सवार दोनों पायलट पूरी तरह से सुरक्षित हैं। पुलिस और प्रशासन के अधिकारी घटना स्थल पर पहुंचने की बात कह रहे हैं।

प्लेन क्रैश होने के कारणों का फिलहाल कोई खुलासा नहीं हो सका है। घटना के बाद घायल पायलट की तस्वीर भी सामने आई है, जिसमें वो मोबाइल पर किसी से बात करते दिख रहे हैं। मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने उन्हें संभाला। सूत्रों के अनुसार यह विमान ग्वालियर से नियमित प्रशिक्षण उड़ान पर था, तभी यह हादसा हुआ। एयरफोर्स ने हादसे की शुरुआती वजह सिस्टम में खराबी बताते हुए जांच के आदेश दिए हैं।

मोदी है आज के समय के सबसे बड़े नेता : देवगौड़ा

जयपुर टाइम्स

नई दिल्ली(एजेंसी)। राज्यसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान

पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवेगौड़ा ने पीएम मोदी की जमकर तारीफ की। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना करते हुए उन्हें सबसे बड़ा नेता बताया, जो अपने विशाल अनुभव के साथ देश का नेतृत्व कर सकते हैं। साथ ही देवेगौड़ा ने पीएम मोदी को एक पिछड़ी महिला को राष्ट्रपति चुनने के लिए धन्यवाद भी कहा। पूर्व पीएम ने मोदी सरकार पर विपक्ष की ओर से लगाए गए सांप्रदायिक और संघीय ढांचे के दुश्मन होने के आरोपों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि जब मोदी को तीसरे कार्यकाल में पूर्ण बहुमत नहीं मिला, तब क्षेत्रीय दल उनका समर्थन करने के लिए एकजुट हो गए।

देवेगौड़ा ने कहा कि मोदी के पास प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के रूप में प्रशासन चलाने का अच्छा अनुभव है, और वह इस देश के सबसे बड़े नेता हैं, जो देश को चला सकते हैं। देवेगौड़ा ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के भाषण में मध्यम वर्ग, युवा और महिलाओं को प्राथमिकता दिए जाने की सराहना की। उन्होंने कहा कि इन लक्ष्यों को हासिल करने के लिए एक स्थिर सरकार की जरूरत है, जो पांच साल तक चले। उन्होंने यह भी कहा कि क्षेत्रीय दलों के समर्थन से मोदी की सरकार पांच साल तक चलेगी। देवेगौड़ा ने किसानों और अन्य योजनाओं के लिए घोषित वित्तीय सहायता पर भी बात की। उन्होंने विपक्ष की आलोचना को बहुत मुश्किल बताया। उन्होंने अपने जीवन के शुरुआती वर्षों में आई चुनौतियों और राजनीति में संघर्षों के बारे में भी बताया। देवेगौड़ा ने कहा कि प्रधानमंत्री के रूप में उनका कार्यकाल भले ही छोटा था, लेकिन इस दौरान उन्होंने राजस्थान के जाट समुदाय को आरक्षण दिया।

विधानसभा सत्र

लिखित उत्तर पढ़ने पर रारः स्पीकर देवनानी और मंत्री गोदारा के बीच तकरार

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। विधानसभा में प्रश्न का लिखित उत्तर पढ़ा जाए या नहीं इस पर गुरुवार को सरकार के मंत्री सुमित गोदारा बहस में उलझ गए। स्पीकर ने इसी सत्र के पहले दिन यह व्यवस्था दे दी थी कि सदन में पूछे जाने वाले लिखित प्रश्नों के उत्तर पढ़े हुए माने जाएंगे और विधायक सीधे पूरक प्रश्न पूछेंगे। लेकिन बुधवार को संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल ने भी इस व्यवस्था का विरोध किया था। कैबिनेट मंत्री सुमित गोदारा इस मामले में सीधे स्पीकर से ही भिड़ गए। उन्होंने यह कहते हुए स्पीकर की व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए कि ऐसे तो सब लिखा हुआ ही है फिर पढ़ने की क्या जरूरत है। मजे की बात यह है कि प्रतिपक्ष इस मामले में स्पीकर का पक्ष लेता नजर आया। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने गोदारा को बीच में टोकते हुए कहा कि आप स्पीकर की व्यवस्था पर सवाल नहीं उठा सकते। इस पर गोदारा तैश में आ गए और बोले कि हम सदन का हिस्सा नहीं हैं क्या? हमको भी बोलने का अधिकार है। इसके बाद सत्ता पक्ष और प्रतिपक्ष दोनों तरफ से हंगामा होने लगा।

स्पीकर ने दोनों पक्षों को शांत रहने के लिए कहा। उन्होंने गोदारा से कहा कि इस मामले में व्यवस्था दी जा चुकी है। इसलिए इस पर बहस नहीं होनी चाहिए। बुधवार को इसी मुद्दे पर सदन में करीब 8 मिनट तक हंगामा होता रहा। स्पीकर ने कहा कि कल जब मैंने कहा था कि जिसे इस व्यवस्था पर आपत्ति हो वह मेरे चैंबर में आकर मुझसे मिल सकता है। कल कोई भी नहीं आया। इसका मतलब किसी को इस व्यवस्था से आपत्ति नहीं है। फिर आज इस मामले में हंगामा क्यों किया जा रहा है।

प्रश्नकाल में गुरुवार को भाजपा विधायक ललित मीना ने खाद्य नागरिक आपूर्ति विभाग से जुड़ा सवाल पूछा कि पांच सालों में राशन डीलरों के विरुद्ध कितनी शिकायतें मिली हैं?

क्या सरकार 100 क्विंटल गेहूं से ज्यादा गबन के आरोपी राशन डीलर्स को निलंबित कर नए राशन डीलर्स की नियुक्ति करने पर विचार रखती है?

मंत्री सुमित गोदारा इसका जवाब देने के लिए खड़े हुए, लेकिन स्पीकर ने मंत्री को यह कहते हुए बैठा दिया कि इसका जवाब पहले ही प्रश्नकर्ता के पास पहुंच चुका है। उन्होंने ललित मीणा से कहा कि आप पूरक प्रश्न करिए। इस पर गोदारा बोले कि प्रश्न करने वाले जवाब सुनना चाहते हैं इसलिए जवाब पढ़ने देना चाहिए। स्पीकर ने साफ मना कर दिया और कहा कि इस पर पहले ही व्यवस्था दी जा चुकी है। इसके बाद सदन में जोरदार बहस और हंगामा हो गया।

लिखित उत्तर पढ़ा माना जाए या नहीं इस पर बुधवार को भी सदन में पूरे 8 मिनट तक बहस चलती रही। इस पर स्पीकर वासुदेव देवनानी ने कहा कि सोमवार को सदन की स्वीकृति से तय कर चुका है कि प्रश्न का लिखित उत्तर सदस्यों के पास आ गया फिर उस लिखित उत्तर को सदन में पढ़ने की आवश्यकता नहीं है। उस उत्तर को पढ़ा हुआ माना जाना चाहिए। बुधवार को स्पीकर की व्यवस्था का संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल और शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने भी विरोध किया था। पटेल ने कहा था कि जब उत्तर सदन में नहीं पढ़ा जाता तो मंत्री का जवाब रिकॉर्ड पर नहीं आता है। ऐसी स्थिति में लिखित उत्तर पढ़ा जाना चाहिए। इस पर देवनानी जवाब दिया था कि लिखित उत्तर सभी सदस्यों के पास पहुंचता है। साथ में ऐसे में लिखित उत्तर नहीं पढ़ने से समय की बचत भी होती है। स्पीकर वासुदेव जब फिर से यह व्यवस्था दे रहे थे तो शिक्षा मंत्री मदन दिलावर भी बहस में कूद पड़े। उन्होंने कहा कि बहस में लिखित उत्तर पढ़ना जरूरी होना चाहिए। जोगाराम पटेल ने सदन के नियमों की किताब दिखाते हुए कहा कि इसमें भी लिखित उत्तर पढ़ने का उल्लेख है।

खराब सड़कों के लिए गहलोत सरकार जिम्मेदार

कांग्रेस के गड्ढे भर रही भाजपा सरकारः दिया कुमारी

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। राजस्थान में खराब सड़कों का मामला गुरुवार को विधानसभा में उठाया गया। बस्सी क्षेत्र की सड़कों को लेकर हुई चर्चा के दौरान उप मुख्यमंत्री व सार्वजनिक निर्माण मंत्री दिया कुमारी ने विधायक लक्ष्मण मीणा की ओर से पूछे गए सवाल का जवाब दिया है। दिया कुमारी ने कहा कि बस्सी विधानसभा क्षेत्र में कुल 111 सड़कें गारंटी अवधि में आती हैं। इनमें से 63 सड़कों की मरम्मत संवेदकों ने बिना किसी नोटिस के पूरी कर दी, जबकि शेष 48 सड़कों की मरम्मत नोटिस जारी करने के बाद करवाई गई।

गहलोत सरकार पर साधा निशाना

डिप्टी सीएम दिया कुमारी ने कहा कि पहले की कांग्रेस सरकार के समय बनी सड़कों की हालत बेहद खराब थी। लेकिन अब सरकार एक्टिव होकर मरम्मत करवा रही है और सेवा ऐप के जरिए से इनकी निगरानी भी की जा रही है। दिया कुमारी ने आश्वासन दिया कि सरकार सड़कों की स्थिति सुधारने के लिए पूरी तरह से प्रयासरत है और जल्द ही आवश्यक मरम्मत करवाई जाएगी। कांग्रेस शासन के दौरान निर्मित सड़कों में कोई गुणवत्ता नहीं थी। ऐसे में प्रदेश में खराब सड़कों के लिए कांग्रेस जिम्मेदार है। लेकिन हम उन सभी सड़कों को दुरुस्त कर रहें और पूरी तरह से निर्माण कार्यों पर ध्यान रखा जा रहा है। ऐसे में अब जो भी सड़कें बनेंगी, वो पूरी तरह से गुणवत्तापूर्ण होंगी।

प्रश्न काल में पूछे गए सवाल का दिया जवाब

अवैध शराब बिक्री रोकने के लिए होती है नियमित गश्त व जाँचः दिया कुमारी

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। वित्त मंत्री दिया कुमारी ने गुरुवार को विधानसभा में कहा कि प्रदेश में मदिरा के अवैध विक्रय व नियमों के उल्लंघन को रोकने के लिए आबकारी विभाग की ओर से नियमित रेड, गश्त व जांच की कार्यवाही की जाती है। उन्होंने सदन में आश्वासन दिया कि अवैध शराब बिक्री अथवा शराब की दुकानों के नियमों के उल्लंघन की कोई भी शिकायत मिलने पर नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। वित्त मंत्री प्रश्नकाल के दौरान सदस्य की ओर से इस सम्बन्ध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का आबकारी मंत्री की तरफ से जवाब दे रहीं थीं। उन्होंने कहा कि विधानसभा क्षेत्र सूरतगढ़ में गत एक वर्ष में 373 गश्त की कार्यवाही की गई व 869 बार शराब की दुकानों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। नियमों में उल्लंघन के 20 मामलों में अभियोग दर्ज कर 2 लाख 10 हजार की राशि का जुर्माना भी आरोपित किया गया।

अलवर सांसद खेल उत्सव के क्रिकेट फाइनल में मुख्य अतिथि होंगी केंद्रीय युवा मामले एवं खेल राज्य मंत्री रक्षा खडसे और राजस्थान मंत्री संजय शर्मा

जयपुर टाइम्स

अलवर(निस)। वी-शक्ति के बैनर के अंतर्गत अलवर सांसद एवं केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव के द्वारा आयोजित अलवर सांसद खेल उत्सव के चौथे चरण में महिला क्रिकेट प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला 7 फरवरी को दोपहर 1:30 बजे अलवर शहर और किशनगढ़ बास टीम के बीच होगा। वहीं पुरुष क्रिकेट प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला अलवर ग्रामीण और मुंडावर टीम के बीच साय 3:00 बजे छठी मिल के पास सिरमौली रोड स्थित माउंट लिट्रा जी स्कूल खेल मैदान में खेला जाएगा। मुकाबले में विजेता टीमों को माउंट लिट्रा ज़ी स्कूल के खेल मैदान में मैच समाप्त होने के बाद पुरस्कृत किया जाएगा। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केंद्रीय युवा मामले एवं खेल राज्य मंत्री रक्षा खडसे तथा अलवर शहर विधायक और वन एवं पर्यावरण मंत्री राजस्थान संजय शर्मा होंगे। विजेता महिला क्रिकेट टीम को रक्षा खडसे सम्मानित करेंगी, वहीं पुरुष विजेता को संजय शर्मा के द्वारा सम्मानित किया जाएगा।

मोबाइल रिपेयरिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन पर प्रशिक्षणार्थीयो को प्रमाण पत्र एवं टूलकिट वितरित

जयपुर टाइम्स

अलवर(निस)। पंजाब नेशनल बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान की ओर से तीस दिवसीय मोबाइल रिपेयरिंग आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन आरसेटी अलवर में किया गया था। और आज 6

फरवरी गुरुवार को समापन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पीएनबी मंडल प्रमुख गिरवर कुमार अग्रवाल और संस्था निदेशक जे पी मीणा उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता आरसेटी निदेशक जे पी मीणा ने की। कार्यक्रम में पीएनबी मंडल प्रमुख गिरवर कुमार अग्रवाल ने प्रशिक्षणार्थीयो को संबोधित करते हुए कहा कि प्रशिक्षण लेने के बाद अपना व्यवसाय शुरू कर सफलता के शिखर को छूने का प्रयास करें और उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण से प्रशिक्षणार्थीयो की जीवन शैली को नई दिशा मिलेगी एवं उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। संस्था निदेशक जे पी मीणा ने बैंकिंग सम्बन्धी जानकारी दी और प्रशिक्षणार्थीयो को जीवन में कड़ी मेहनत और आत्मनिर्भरता का महत्व समझाया। संकाय सदस्य जय प्रकाश सिंघल ने बताया कि अपना स्वयं का रोजगार स्थापित करने के लिए हमारी संस्था विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन करती है। सभी प्रशिक्षुओ का मूल्यांकन नैसर की और से शशि यादव और शरद आर्य ने किया। समापन अवसर पर सभी प्रशिक्षणार्थीयो को संस्था की तरफ से सभी प्रशिक्षणार्थीयो को प्रमाण पत्र और मोबाइल रिपेयरिंग सम्बंधित टूलकिट वितरित किए गए। इस अवसर पर समस्त आरसेटी स्टाफ मौजूद रहे।

जिला कलक्टर ने ली डीएचएस की बैठक

जयपुर टाइम्स

खैरथल तिजारा(निस)। जिला कलक्टर किशोर कुमार की अध्यक्षता में गुरुवार को जिला सचिवालय खैरथल तिजारा में डीएचएस की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान जिला कलेक्टर ने सीएससी/पीएससी हेतु भूमि आवंटन सहित विभाग द्वारा चलाई जा रही विभिन्न

योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने आयुष्मान आरोग्य योजना के तहत दी जा रही दवाइयां की अस्पताल पर उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए तथा उन्होंने कहा कि अस्पताल स्तर के अनुसार सभी दवाइयां उपलब्ध हो एवं एक्सपायरी दवाइयां का नियमित निस्तारण किया जाए। उन्होंने सभी अस्पतालों में कार्यरत कर्मचारियों की संख्या की जानकारी लेकर जिन अस्पतालों में चिकित्सक की कमी है उन अस्पतालों में दूसरे अस्पताल से चिकित्सकों के दिन सुनिश्चित कर आमजन को इलाज की सुविधा मुहैया कराने के निर्देश दिए। बैठक में समीक्षा के दौरान संबंधित जिन संस्थाओं में संस्थागत प्रस्ताव कम है उनमें संस्थागत प्रसव संख्या बढ़ाने के निर्देश दिये। उन्होंने अस्पतालों को समयबद्ध तरीके से संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिले में मौसमी बीमारियों सहित अन्य बीमारीयों की संख्या की जानकारी प्राप्त कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने जिले को टीबी मुक्त करने की दिशा में कार्य करने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान सीएमएचओ डॉ. अरविंद गेट, जिले के समस्त ब्लॉक सीएमएचओ सहित अस्पतालों के पीएमओ उपस्थित रहे।

अतिरिक्त जिला कलक्टर ने किया इस्माइलपुर शिविर का निरीक्षण

जयपुर टाइम्स

खैरथल-तिजारा(निस)। अतिरिक्त जिला कलक्टर शिवपाल जाट ने किशनगढ़ बास कि ग्राम पंचायत इस्माइलपुर में आयोजित फार्मर रजिस्ट्री शिविर का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने वहां मौजूद किसानों से संवाद कर उन्हें सरकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। अतिरिक्त जिला कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिविर में समुचित व्यवस्थाएं बनाए रखें ताकि इसका प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने किसानों से अपने परिचित किसानों को शिविर के बारे में जानकारी देने की अपील करते हुए बताया कि किसान रजिस्ट्री, एग्रीस्टैक परियोजना के तहत कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय भारत सरकार की एक पहल है। कृषक विवरण, उसके द्वारा धारित कृषि भूमि का विवरण, प्रत्येक कृषि भूखण्ड के जीपीएस निर्देशांक, उस पर बोई गई फसलों का विवरण आदि को डिजिटल रूप में संकलित किया जाकर, प्रदेश के प्रत्येक किसान को 'आधार' आधारित एक 11 अंकों की एक यूनिक आईडी (विशिष्ट किसान आईडी) आवंटित की जाएगी, जिससे किसान डिजिटल रूप से अपनी पहचान प्रमाणित कर सकेंगे।

पूर्व सांसद स्व. युवरानी महेंद्रा कुमारी की 83वीं जयंती

सच्ची श्रद्धांजलि उनके जीवन दर्शन को आत्मसात करने से होगी- पूर्व केन्द्रीय मंत्री सिंह

जयपुर टाइम्स

अलवर(निस)। जिला कांग्रेस कमेटी अलवर की ओर से पूर्व सांसद स्व. युवरानी महेंद्रा कुमारी की 83वीं जयंती पर सागर जलाशय के पास स्मृति वन स्थित समाधि स्थल पर श्रद्धाजंलि कार्यक्रम आयोजित किया गया।

प्रवक्ता रिपुदमन गुप्ता ने बताया कि पूर्व केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह, उनकी पत्नी अंबिका सिंह, पुत्र एवं पुत्रियों सहित कांग्रेस जिलाध्यक्ष योगेश मिश्रा, कांग्रेस के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने समाधि स्थल पर पुष्पांजलि अर्पित की। पूर्व केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि मुझे जो संस्कार मिले हैं, वे मेरी मां पूर्व सांसद स्व. युवरानी महेन्द्र कुमारी से मिले हैं। उन्हीं के बताए आदर्शों पर चलकर मैं यहां तक पहुंचा हूं। उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि उनके जीवन दर्शन को आत्मसात करने से होगी। उन्होंने कहा कि मां की अलवर जिले के लिए विकास की सकारात्मक सोच को उन्होंने आगे बढ़ाने का प्रयास किया है।

उनका यह सपना था कि अलवर अपने नाम के अनुरूप आदर्श जिला बने। अलवर की जनता युवरानी को नेता के रूप में नहीं बल्कि एक मां के रूप में उनको देखती थी। युवरानी को पशु पक्षियों से विशेष प्रेम था।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष योगेश मिश्रा ने कहा कि युवरानी का अलवर की जनता के प्रति वात्सल्य, प्रेम, प्राणी मात्र के प्रति दयाभाव और मानवीय दृष्टिकोण उनके व्यक्तित्व की पहचान बना। अलवर के विकास के लिए काफी कार्य करवाये थे। युवरानी का राजनीति से ऊपर हटकर एक कद था, उन्हें अलवर की राजमाता कहा जाए तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी।

इस दौरान जितेन्द्र सिंह, कांग्रेस जिलाध्यक्ष योगेश मिश्रा, विधायक मांगेलाल मीणा, पूर्व विधायक जोहरीलाल लाल मीणा, बलजीत यादव, शकुंतला रावत, ललिता मीणा, विनोद कुमारी सांगवान, जीत कौर सांगवान, लीली यादव, कमलेश सैनी, बीना नरूका, संजय यादव, गफूर खान, बिजेंद्र सिंह महलावत, नरेन्द्र सिंह राठौड़, रामबहादुर तंवर, हरिशंकर रावत, रिपु दमन गुप्ता, जे डी आर्यन, प्रकाश गंगावत, पुष्पेन्द्र धाबाई, जोगेंद्र सिंह कोचर, अंकित गोयल, जगदीश अवस्थी, पंकज शर्मा, रमन सैनी, राजेश कृष्ण सिद्ध, दीपेन्द्र सैनी, राजेश विरमानी, के के खंडेलवाल, बिजेंद्र सैन, अनिल चुग, एस आर यादव, हुक्म सिंह निर्भय, अरविन्द गुप्ता, सुरेश शर्मा, अशोक कुमार नंदा मौजूद रहे।

कार्यक्रम के पश्चात जितेंद्र सिंह एवं कांग्रेस जिलाध्यक्ष योगेश मिश्रा ने प्रभु सिंह एडवोकेट, सर्वजीत सिंह कैप्टन एवं फूलचंद शर्मा के घर जाकर शोक संतृप्त परिवार को सांत्वना दी।

जयंती मनाने का उद्देश्य है महिलाओं के साथ हो रहे अत्याचार पर रोक लगाना- जानकी कुमारी और मानविका

जयपुर टाइम्स

अलवर(निस)। पूर्व सांसद युवरानी महेंद्रा कुमारी की जयंती पर गुरुवार को उनकी पौत्री जानकी कुमारी और मानविका ने महिला सशक्तिकरण को मजबूत करने के उद्देश्य से शहर के निजी होटल में स्कूली बच्चियों व कॉलेज की छात्राओं और महिलाओं के साथ हो रहे शोषण व अपराधों को लेकर जागरूक करने का काम किया। युवरानी की जयंती पर महिलाओं के साथ हो रहे अत्याचार पर रोक लगाने के उद्देश्य से आयोजित किए गए इस कार्यक्रम की थीम %शिक्षा और शिक्षा के साथ किस तरह महिलाओं को सशक्त बनाया जा सके' रही।युवरानी की पौत्री जानकी कुमारी ने बताया कि उनकी दादी की जयंती पर पहली बार महिलाओं को सुरक्षित एवं निःशुल्क कानूनी जानकारी के बारे में बताया गया। उन्होंने बताया कि महिलाओं के साथ हो रहे अत्याचार एवं आपसी मनमुटावों को मध्यस्थता से भी हल किया जा सकता है। मानविका ने कहा कि बालिकाओं व महिलाओं को लीगल एक्ट को लेकर यह कार्यक्रम रखा गया है जिसमें बालिकाओं और महिलाओं को अलग-अलग कानूनी जानकारियां दी गई है वहीं उनको उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया है। उन्होंने कहा कि अगर महिलाओं को सही और सटीक जानकारी और शिक्षा हो तो वह अपनी लड़ाई स्वयं लड़ सकती हैं। इस दौरान छात्राओं को रैगिंग, उत्पीड़न, साइबर अपराध, सेक्स टॉर्सन सहित पोक्सो के मामले में सुरक्षित व सतर्क रहने के बारे में जागरूक किया गया। इस दौरान जोधपुर ट्रस्ट से आए वकील और काउंसलर ने महिलाओं को लीगल एक्ट के बारे में जानकारी दी।

कंपनी का मैन उद्देश्य लोगो के फायर सेफ्टी के बारे में जागरूक करना है'

द फ्लेम सिक्योर कंपनी ने किया स्टाफ का सम्मान

जयपुर टाइम्स

अलवर(निस)। द फ्लेम सिक्योर कंपनी की ओर से गुरुवार को अलवर में हेड ऑफिस का उद्घाटन के एक वर्ष पूर्ण होने पर वर्षभर में अच्छा प्रदर्शन करने वाले स्टाफ का सम्मान किया गया। जिसमें अवॉर्ड दिया गया। इस मौके पर कंपनी के सीईओ सलोनी मिश्रा, कार्यकारी अधिकारी मिस्टर नंदलाल

मीना और डायरेक्टर राजेश सैन उपस्थित रहे।

कार्यकारी अधिकारी नंदलाल मीना ओर राजेश सैन ने मीडिया को बताया कि अब यहां से पूरे राजस्थान में और दिल्ली एवं यूपी में फायर सेफ्टी प्रोडक्ट्स एवं सरलता से लोन प्रोडक्ट बैंक के द्वारा उपलब्ध कराए जाएंगे। कंपनी और भी कई राज्यों में अपनी शाखा खोलने पर विचार कर रही है ताकि रोजगार को अधिक से अधिक बढ़ावा मिल सके। सलोनी ने बताया कि कंपनी का मैन उद्देश्य लोगो के फायर सेफ्टी के बारे में जागरूक करना और अच्छे फायर सेफ्टी प्रोडक्ट्स उपलब्ध कराना है ताकि कोई भी जानकारी के अभाव में अपनो को आग की वजह से न खोए। ओर बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के लोगों को जरूरत के समय लोन उपलब्ध करवाना है। अभी कंपनी राजस्थान, यूपी, एमपी, गुजरात, महाराष्ट्र और दिल्ली में कार्यरत है और आने वाले समय में छत्तीसगढ़ और पंजाब में भी बहुत जल्द अपने ऑफिस खोलने पर विचार कर रही है। कंपनी तीन विजन को लेकर आगे बढ़ रही है ट्रेनिंग, सभी को सेफ्टी प्रॉडक्ट ओर समय पर लोन और बढिया सर्विस देना है। वहीं कंपनी रोजगार को बढ़ावा देने और लोगो को जागरूक करने की दिशा में तेजी से बढ़ रही है। गुरुवार को कंपनी ने अपने अच्छे प्रदर्शन करने वाले स्टाफ को अवॉर्ड देकर सम्मानित किया। जिसमें कमलेंद्र को बेस्ट सम्मानित किया गया।

जिला बाल पीडित प्रतिकर सहायता समिति' की बैठक में दिया निर्देशों को गंभीरता से लेने पर जोर

जयपुर टाइम्स

अलवर(निस)। किशोर न्याय समिति, राजस्थान उच्च न्यायालय के आदेशों की पालना में राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर एवं हरेन्द्र सिंह जिला जज व, अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अलवर के निर्देशानुसार दिनांक 06.02.2025 को ''जिला बाल पीडित प्रतिकर सहायता समिति'' की बैठक का आयोजन मोहनलाल सोनी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की अध्यक्षता में किया गया।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अलवर सचिव मोहन लाल सोनी व अपर जिला न्यायाधीश के द्वारा बैठक में प्रशासन तथा पुलिस विभाग से उपस्थित सदस्य नोडल अधिकारीगण को वर्ष 2019 से मार्च 2023 तक एवं उसके पश्चात पुलिस थानों में दर्ज पोक्सो अधिनियम के मामलों में पीडितो एवं उनके परिजन से सम्पर्क कर अविलंब प्रतिकर राशि हेतु आवेदन तैयार करवाये जाकर भिजवाने के संबंध में किशोर न्याय समिति के द्वारा दिये गये निर्देशों को गंभीरता से लेने पर जोर दिया गया। बैठक में स्थानीय जिला प्रशासन की ओर से उपस्थित नोडल अधिकारी बीना महावर, अति. जिला मजि0 (शहर) अलवर के द्वारा वर्ष 2019 से अभी तक पुलिस जिला अलवर तथा भिवाडी में दर्ज कुल 1600 पोक्सो मामलों में से केवल 371 प्रकरणों में आवेदन प्राप्त होने के संबंध में अवगत करवाया जिस पर समिति के अध्यक्ष मोहनलाल सोनी, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण व अपर जिला न्यायाधीश के द्वारा नाराजगी जताते हुये पोक्सो के मामलों में शीघ्रातीघ्र पीड़ितो के आवेदन तैयार कर भिजवाने के दिशा-निर्देश प्रदान किये गये। बैठक में अध्यक्ष बाल कल्याण समिति अलवर के द्वारा अवगत करवाया गया कि पुलिस थानों से अभी तक प्राप्त सभी आवेदन नोडल अधिकारी, अति. जिला मजि. शहर, अलवर को भिजवाये जा चुके है तथा शेष प्रकरणों में संबंधित पुलिस थानो से ही आवेदन अभी प्राप्त नहीं हुये है, जिसके संबंध में सोनी के द्वारा अति. जिला पुलिस अधीक्षक, एस.आई.यू.सी.ए.डब्ल्यू अलवर तथा भिवाडी को पीडित प्रतिकर के आवेदन अविलंब तैयार कर बाल कल्याण समिति को भिजवाने हेतु संबंधित पुलिस थानो को निर्देशित करने के दिशा-निर्देश प्रदान किये गये। बैठक में उपस्थित अध्यक्ष, बाल कल्याण समिति, अलवर राजेश शर्मा को ऐसे पोक्सो के प्रकरण जिनमें आवेदन अभी तक प्राप्त नहीं हो सके है, की सूची तैयार करवाई जाकर उपलब्ध करवाने के दिशा-निर्देश दिये गये तथा। सोनी के द्वारा विशिष्ट पोक्सो न्यायालयों के द्वारा निर्णय कर प्रतिकर राशि का निर्धारण कर भिजवाये गये प्रकरण, जिनमें प्रतिकर राशि के भुगतान हेतु पीडिताओं के बैंक खाते के विवरण व आधार कार्ड आदि दस्तावेजात संबंधित पुलिस थानों से अभी तक प्राधिकरण को उपलब्ध नहीं करवाये गये है, ऐसे प्रकरणों की सूची अति. पुलिस अधीक्षक, एस.आई.यू.सी.ए.डब्ल्यू अलवर तथा भिवाडी को भिजवाई जाकर निर्धारित समय में इस कार्यालय को भिजवाने हेतु दिशा-निर्देश प्रदान किये गये।

जिला कलक्टर ने 'स्वच्छ खैरथल, हरित खैरथल' बनाने की दिशा में उठाया महत्वपूर्ण कदम

जिला कलक्टर ने फीता काटकर सद्भावना केंद्र की करी शुरुआत

जयपुर टाइम्स

खैरथल तिजारा(निस)। जिला कलेक्टर किशोर कुमार ने गुरुवार को नगर परिषद क्षेत्र में सफाई व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाने के लिए एक माह का विशेष सफाई अभियान शुरू किया गया है। इस अभियान का शुभारंभ जिला कलक्टर किशोर कुमार द्वारा खातीवाड़ा पार्क खैरथल में किया गया।

जिला कलेक्टर स्वयं ने सड़क पर झाड़ू लगाकर आमजन को दिया सफाई का संदेश तथा इस अभियान को सफल बनाने में आमजन की भागीदारी की अपील भी की। इस दौरान नगर परिषद सभापति हरीश रोघा, उपसभापति वरुण डाटा, नगर परिषद आयुक्त मुकेश शर्मा, जनप्रतिनिधीगण एवं पार्षद मौजूद रहे। इस अवसर पर जिला कलेक्टर ने कहा कि यह अभियान स्वच्छ भारत मिशन के तहत एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने खैरथल को स्वच्छ खैरथल, हरित खैरथल, भव्य खैरथल बनाने की प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने कहा कि सफाई केवल एक दिन या एक माह का अभियान नहीं है, बल्कि यह एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है, जो हमारे जीवन और समाज की गुणवत्ता को प्रभावित करती है। स्वच्छता केवल एक आदत नहीं, बल्कि जिम्मेदारी है। हमें यह समझना होगा कि स्वच्छता केवल नगर परिषद या सफाई कर्मचारियों की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि हम सभी नागरिकों की समान जिम्मेदारी है।उन्होंने नागरिकों से अपील कि वे सफाई को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं। सड़क पर कचरा न फेंकें,

पॉलिथीन का प्रयोग बंद करें और कचरे का सही प्रबंधन करें। हमें बच्चों और युवाओं को इस दिशा में प्रेरित करना चाहिए, क्योंकि वे हमारे समाज के भविष्य हैं। यह अभियान तभी सफल होगा जब हम सभी मिलकर इसे एक आंदोलन का रूप देंगे।

इस विशेष अभियान के तहत नगर परिषद क्षेत्र के सभी वार्डों में सफाई कार्य को प्राथमिकता दी जाएगी। जिला कलेक्टर ने इस अभियान का प्रभारी अधिकारी आयुक्त नगर परिषद मुकेश शर्मा को बनाया। जिला कलेक्टर ने नागरिकों से भी अपील की है कि वे इस अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाएं और अपने क्षेत्र को साफ-सुथरा रखने में सहयोग करें।

कार्यकम के पश्चात् मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार द्वारा की गई बजट घोषणा अनुसार नगर परिषद खैरथल कार्यालय में स्थापित मुख्यमंत्री सद्भावना केन्द्र का उद्घाटन जिला कलक्टर द्वारा फीता काटकर किया गया। उक्त सद्भावना केन्द्र में आमजन के पास जो अनुपयोगी सामान उपलब्ध है उसे जमा कर उपयोग हेतू निर्धन एवं जरूरतमंद व्यक्तितयों को उपलब्ध कराये जावेंगें। नगर परिषद खैरथल के आमजन से अपील है कि उनके पास यदि को अनुपयोगी सामान हो तो वह नगर परिषद खैरथल कार्यालय में उपलब्ध करावें जिससे उक्त सामान जरूरतमंदों को उपलब्ध कराया जाकर मदद की जा सके।

राजधानी जयपुर टाइम्स

चूरू, शुक्रवार
7 फरवरी, 2025

अवैध खनन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई,डेढ़ करोड़ का लगाया जुर्माना

जयपुर टाइम्स

बिजौलिया(निस) नयानगर में अवैध खनन के खिलाफ खनिज विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध खननकर्ताओं के खिलाफ डेढ़ करोड़ का जुर्माना लगाते हुए 13 ट्रैक्टर, कम्प्रेशर,क्रेन व डंपर जब्त किए।जानकारी के मुताबिक नयानगर में आराजी नम्बर 186 में बड़े पैमाने पर अवैध खनन किया जा रहा था। खान निदेशालय के निर्देश पर भीलवाडा खनिज विभाग (सतर्कता) व बिजौलियां खनिज विभाग की टीम ने कार्रवाई करते हुए 1 करोड़ 50 लाख का जुर्माना लगाया गया।वहीं 13 ट्रैक्टर, कम्प्रेशर,क्रेन व डंपर जब्त किए। जिन्हें बिजौलियां थाने लाया गया।

साइबर थानों द्वारा रिपोर्ट दर्ज नहीं करने पर होगी कार्रवाईः स्वास्थ्य मंत्री

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास)। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह ने विधानसभा में आश्वस्त किया कि यदि साइबर थानों द्वारा शिकायत दर्ज करने में लापरवाही या आनाकानी की जाती है, तो दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई होगी।

विधानसभा में साइबर अपराधों पर चर्चा

गुरुवार को प्रश्नकाल के दौरान मंत्री ने गृह विभाग की ओर से जवाब देते हुए बताया कि 1 जनवरी 2022 से 31 दिसंबर 2024 तक चित्तौड़गढ़ में 36 साइबर अपराध के मामले दर्ज हुए। इनमें से 10 मामलों में चालान पेश किए गए, 17 मामलों में एफआर फाइल हुई, जबकि 9 मामलों की जांच जारी है। उन्होंने बताया कि इन मामलों में 2.70 करोड़ रुपये की ठगी हुई, जिसमें से 1.82 करोड़ रुपये की रिकवरी की जा चुकी है।

साइबर पुलिस थाना और प्रशिक्षित टीम

मंत्री ने विधायक चंद्रभान सिंह चौहान के मूल प्रश्न के लिखित उत्तर में बताया कि 27 अप्रैल 2022 को जारी आदेश के तहत चित्तौड़गढ़ में साइबर पुलिस थाना स्थापित किया गया। इस थाने में प्रशिक्षित साइबर पुलिसकर्मी और निजी साइबर विशेषज्ञों की सहायता से अभियान चलाकर ठगी गई राशि की रिकवरी करवाई जा रही है। साथ ही, आमजन को साइबर अपराधों के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

राज्य सरकार की सख्ती

स्वास्थ्य मंत्री ने स्पष्ट किया कि साइबर अपराधों को रोकने और पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। यदि किसी साइबर थाने द्वारा रिपोर्ट दर्ज करने में कोताही बरती जाती है, तो संबंधित अधिकारियों पर कार्रवाई की जाएगी।

राशन वितरण में अनियमितताओं पर सख्त कार्रवाईः मंत्री सुमित गोदारा

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास)। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने गुरुवार को विधानसभा में बताया कि राज्य सरकार राशन वितरण में

अनियमितताओं पर सख्त कार्रवाई कर रही है।उन्होंने बताया कि किशनगंज विधानसभा क्षेत्र में पिछले पांच वर्षों में 63 राशन डीलरों के खिलाफ 93 शिकायतें दर्ज हुई हैं। इनमें से 25 राशन डीलरों पर 100 क्विंटल से अधिक गेहूं के गबन का आरोप है। इन सभी के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है।मंत्री ने जानकारी दी कि इन 25 डीलरों को नोटिस जारी किए गए, जिनमें 7 मामलों में कार्रवाई प्रक्रियाधीन है, 9 को निलंबित किया गया था, जिनमें से 7 बहाल हुए हैं और 2 अभी भी निलंबित हैं। शेष 9 डीलरों के प्राधिकार पत्र निरस्त कर दिए गए हैं, और उनकी जगह नए राशन डीलर नियुक्त किए जा रहे हैं। गोदारा ने सदन में बताया कि राजस्थान खाद्यान्न एवं आवश्यक पदार्थ (वितरण का विनियमन) आदेश, 1976 के तहत जिला रसद अधिकारी राशन डीलरों के प्राधिकार पत्र निलंबित या रद्द कर सकते हैं। उनके आदेश के खिलाफ जिला कलेक्टर व आयुक्त (खाद्य) के समक्ष अपील की जा सकती है। मंत्री ने स्पष्ट किया कि अनियमितताओं को रोकने और राशन वितरण में पारदर्शिता लाने के लिए सख्त कदम उठाए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने स्व. कर्नल लक्ष्मण सिंह राठौड़ को श्रद्धासुमन अर्पित किए

उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ को ढांढस बंधाया

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरूवार को उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ के निजी आवास पर पहुंचकर उनके पिता स्व. कर्नल लक्ष्मण सिंह राठौड़ की पार्थिव देह पर पुष्पचक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

शर्मा ने कर्नल लक्ष्मण सिंह राठौड़ के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए शोक संतप्त परिजनों को सांत्वना दी। मुख्यमंत्री ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए और परिजनों को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। इस दौरान उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, वन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा, सैनिक कल्याण राज्य मंत्री विजय सिंह, गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

रजिस्ट्री शिविरों में किसानों को मिली 11 अंकों की विशिष्ट पहचान

जयपुर टाइम्स

सवाई माधोपुर(निस)। जिले में किसान रजिस्ट्री अभियान के तहत ग्राम पंचायत स्तर पर शिविरों का आयोजन किया जा रहा है।

जिला कलक्टर शुभम चौधरी के निर्देश पर इन शिविरों में किसानों की 11 अंकों की विशिष्ट किसान आईडी बनाई जा रही है, जिससे उन्हें सरकारी योजनाओं का सीधा लाभ मिलेगा।

डिजिटल क्रॉप सर्वे और फार्मर रजिस्ट्री का कार्य

एग्रीस्टैक योजना के अंतर्गत इन शिविरों में किसानों की फसलों का डिजिटल क्रॉप सर्वे, भू-संदर्भित नक्शों का डेटा संग्रह और फार्मर रजिस्ट्री का कार्य किया जा रहा है। अब तक 648 किसानों का पंजीकरण हो चुका है,

जिनमें से 387 किसानों को यूनिक आईडी कार्ड वितरित किए जा चुके हैं। जिला कलक्टर ने किसानों से आधार कार्ड, भूमि रिकॉर्ड और मोबाइल नंबर के साथ पंजीकरण कराने की अपील की है।

शिविरों में मिल रही अतिरिक्त सुविधाएं

किसानों को डिजिटल क्रॉप सर्वे, भू-संदर्भित नक्शे और फार्मर रजिस्ट्री के अलावा प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना, मुख्यमंत्री आरोग्य आयुष्मान योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, मंगला पशु बीमा योजना, पशु टीकाकरण एवं चिकित्सा जैसी सुविधाएं भी दी जा रही हैं। साथ ही पेंशन, छात्रवृत्ति, खाद्य सुरक्षा योजना और जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र जैसी सेवाएं भी उपलब्ध कराई जा रही हैं।

7 फरवरी को इन जगहों पर लगेंगे शिविर

7 फरवरी को गंगापुर सिटी, चौथ का बरवाड़ा, बरनाला, बामनवास, सवाई माधोपुर, बौंली, मित्रपुरा, वजीरपुर, तलावड़ा और मलारना डूंगर की ग्राम पंचायतों में भारत निर्माण राजीव गांधी सेवा केंद्रों पर किसान रजिस्ट्री शिविर आयोजित किए जाएंगे।

गांव-ढाणी तक पहुंच रही पशु चिकित्सा सेवाएं, मोबाइल वेटरनरी यूनिट से मिल रही राहत

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास)। पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने विधानसभा में कहा कि मुख्यमंत्री भजल लाल शर्मा की मंशा है कि प्रदेश में पंचायत स्तर तक पशु चिकित्सा सुविधाएं सुलभ कराई जाएं। इसी दिशा में राज्य सरकार ने 500 नए पशु चिकित्सा उपकेंद्र खोले हैं और मोबाइल वेटरनरी यूनिट शुरू की है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में पशुपालकों को बेहतर सेवाएं मिल रही हैं।

हेल्पलाइन 1962 पर कॉल कर मिल रही सुविधा

मंत्री ने बताया कि मोबाइल वेटरनरी यूनिट के जरिये पशु चिकित्सक, कम्पाउंडर एवं अन्य आवश्यक सेवाएं पशुपालकों को गांव-ढाणी तक उपलब्ध कराई जा रही हैं। हेल्पलाइन नंबर 1962 पर कॉल कर पशुपालक घर बैठे ही अपने पशुओं का इलाज करवा सकते हैं। इस सुविधा से दुर्गम इलाकों में पशु चिकित्सा सेवाएं आसानी से पहुंच रही हैं।

पीलीबंगा में पशु चिकित्सा उपकेंद्रों की स्थिति

प्रश्नकाल के दौरान विधायक विनोद कुमार के सवाल पर मंत्री ने बताया कि विधानसभा क्षेत्र पीलीबंगा में 13 ग्राम पंचायतों में अभी पशु चिकित्सा उपकेंद्र नहीं हैं। उन्होंने कहा कि नए उपकेंद्र खोलने के प्रस्तावों पर निर्णय वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता के आधार पर लिया जाएगा।

सरकार की प्रतिबद्धता

पशुपालन मंत्री ने सदन में जानकारी दी कि पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल में स्वीकृत पशु चिकित्सा संस्थाओं का पूरा विवरण उपलब्ध कराया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार पशुपालकों को हरसंभव सहायता देने के लिए प्रतिबद्ध है और आवश्यकता के अनुसार नए केंद्रों की स्वीकृति दी जाएगी।

राजू सपेरा को अब मिलेगा सरकार की सभी योजनाओं का लाभ

किसान रजिस्ट्री शिविर में बने मूल निवास एवं जाति प्रमाण पत्र

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास)। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के निर्देश पर आयोजित हो रहे किसान रजिस्ट्री शिविर में आमजन के बुनियादी प्रमाण पत्र बनाने का कार्य भी किया जा रहा है। संबंधित विभागों के कार्मिक शिविर में आ रहे लोगों की परिवेदनाओं को सुनकर उनके बुनियादी दस्तावेज तैयार करने में उनकी सहायता कर रहे हैं।

जयपुर कलक्टर के निर्देशानुसार व उपखण्ड अधिकारी के नेतृत्व में गुरुवार को सांगानेर पंचायत समिति की ग्राम पंचायत गोनेर के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय प्रांगण में किसान रजिस्ट्री शिविर का आयोजन हुआ। शिविर न सिर्फ किसान हितैषी बल्कि जनकल्याणकारी शिविर है, इसका जीता जागता उदाहरण है श्री राजू सपेरा। राजू सपेरा के घुमंतू जाति का होने के कारण आज तक उसके परिवार के सदस्य का न तो मूल निवास प्रमाण पत्र बना था न ही जाति प्रमाण पत्र। इस कारण उसका परिवार अभी तक

केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभ से वंचित रहा परन्तु इस शिविर में उसने उपखण्ड अधिकारी सांगानेर हिम्मत सिंह के समक्ष अपनी पीड़ा वक्त की तो तत्काल उपखण्ड अधिकारी ने उसका आवेदन भरवाकर उसका व उसके परिजनों के मूल निवास व जाति प्रमाण पत्र बनवाये। उसे जब इन 2 महत्वपूर्ण प्रमाण पत्रों के लाभों के बारे में बताया गया तो उसकी आंखों में खुशी के आंसू छलक आये। उसने मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए बताया कि अब उसे राज्य सरकार की मंशानुसार आवासीय भू-खण्ड का पट्टा मिल सकेगा, साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मकान बनाने के लिए अनुदान राशि सहित उसके बच्चे को छात्रवृत्ति व सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ भी मिल सकेगा।

नगरीय विकास कर एवं विज्ञापन शुल्क की शत-प्रतिशत वसूली हेतु लगाये जा रहे है कैम्प

कैम्प के तीसरे दिन में 56 लाख 55 हजार से अधिक का राजस्व किया प्राप्त

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास)। नगरीय विकास कर एवं विज्ञापन शुल्क की शत-प्रतिशत वसूली के लिये फरवरी माह में जोनवार वार्डवाईज कैम्प आयोजित किये जा रहे है जिसकी शुरूआत 3 फरवरी से की गई। पहले दिन वार्डवार शिविर से 41 लाख 11 हजार से अधिक का राजस्व वसूल किया तथा दूसरे दिन 46 लाख 27 से अधिक का राजस्व वूसल किया गया एवं तीसरे दिन शिविर से 56 लाख 55 हजार से अधिक का राजस्व वसूल किया गया। उपायुक्त राजस्व प्रथम अशोक कुमार शर्मा ने बताया कि प्रतिदिन एक या दो वार्डो के संयुक्त कैम्प रखे जा रहे है। कैम्प का समय प्रातः 10 बजे से

सायं 5 बजे तक अथवा कार्य समाप्ति तक रहेगा। कैम्प स्थल पर सम्पूर्ण राजस्व टीम व स्पैरो टीम उपस्थित रहेगे। गुरूवार को जगतपुरा जोन के वार्ड नं. 106, 107 गोल्डसुख मॉल नन्दपुरी बाईपास के पास जगतपुरा, झोटवाड़ा जोन के वार्ड नं. 45, 48 अंलकार कॉलेज के बाहर कनकपुरा, मालवीय नगर जोन के वार्ड नं. 125, 129 एस 05 आदिनाथ नगर गेट नं. 2 जेडीए पार्क, मानसरोवर जोन वार्ड नं. 84, 85 द्वारका दास पुरोहित पार्क अग्रवाल फार्म, मुरलीपुरा जोन वार्ड नं. 18 सरस डेयरी प्रताप नगर चौराहा, सांगानेर जोन के वार्ड नं. 93 घनश्याम बगरेट स्टेडियम सांगानेर एवं विद्याधर नगर जोन में वार्ड नं. 23, 24 में 16 नं. बस स्टेण्ड पंजाब नेशनल बैंक पर कैम्प आयोजित किये गये। उन्होंने बताया कि जगतपुरा जोन में 3 लाख 11 हजार 329 रूपये, झोटवाड़ा जोन में 5 लाख 46 हजार 204 रूपये, मालवीय नगर जोन में 23 लाख 04 हजार 57 रूपये, मानसरोवर जोन में 10 लाख 26 हजार 340 रूपये, मुरलीपुरा जोन में 7 लाख 52 हजार 750 रूपये, सांगानेर जोन में 3 लाख 38 हजार 234 रूपये एवं विद्याधर नगर जोन में 3 लाख 76 हजार 704 रूपये का राजस्व प्राप्त किया।

कोटा में बढ़ते छात्र आत्महत्याओं पर हरीश चौधरी चिंतित, सरकार से ठोस कदम उठाने की मांग

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास)। राजस्थान विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान बायतु विधायक हरीश चौधरी ने कोटा में कोचिंग छात्रों द्वारा की जा रही आत्महत्याओं

पर गहरी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि शिक्षा छात्रों के लिए बोझ बन गई है, और उन्हें अपने भविष्य को लेकर भारी मानसिक दबाव झेलना पड़ रहा है।

नौकरी की कमी से बढ़ रहा तनाव

हरीश चौधरी ने सदन में कहा कि सरकारी नौकरियों की संख्या बेहद सीमित है, जबकि हर साल लाखों छात्र शिक्षा पूरी कर रहे हैं। नौकरी की कड़ी प्रतिस्पर्धा के कारण युवा मानसिक तनाव में आ रहे हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि हम बच्चों के लिए कैसा समाज तैयार कर रहे हैं, जहां वे निरंतर दबाव में जीने को मजबूर हैं।

कोटा में बढ़ते सुसाइड, शिक्षा बनी बोझ

कोटा देश का सबसे बड़ा कोचिंग हब है, जहां हर साल हजारों छात्र मेडिकल और इंजीनियरिंग की प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी करते हैं। लेकिन पढ़ाई का अत्यधिक दबाव कई छात्रों को आत्महत्या की ओर धकेल रहा है। हरीश चौधरी ने कहा कि यह समस्या केवल कोटा तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे देश में छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव डाल रही है।

विशेष चर्चा और ठोस उपायों की मांग

हरीश चौधरी ने सरकार से कोटा में आत्महत्याओं पर विशेष चर्चा की मांग की। उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यवस्था को केवल प्रतिस्पर्धा तक सीमित रखने के बजाय छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य और समग्र विकास पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने सरकार से इस समस्या के समाधान के लिए कड़े और प्रभावी कदम उठाने की अपील की।

राहत का दूसरा नाम...किसान रजिस्ट्री शिविरः बाबूलाल सैनी की पहचान हुई दुरुस्त, नाम परिवर्तन होकर हुआ जगदीश सैनी

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास)। राजस्थान सरकार के माननीय मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की मंशा अनुरूप किसान रजिस्ट्री शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

जिला कलक्टर जयपुर के निर्देशानुसार व उपखण्ड अधिकारी के नेतृत्व में गुरुवार को सांगानेर पंचायत समिति की ग्राम पंचायत गोनेर के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय प्रांगण में इसी प्रकार किसान रजिस्ट्री शिविर का आयोजन हुआ। शिविर में जगदीश सैनी ने उपखण्ड अधिकारी के सामने अपनी कृषि भूमि की जमाबंदी में गत 50 सालो से नाम बाबूलाल सैनी दर्ज होने के कारण केंद्र और राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही किसान हितैषी योजनाओं से वंचित रहने की बात कही तो उपखण्ड अधिकारी सांगानेर हिम्मत सिंह ने तत्काल आवेदक कृषक जगदीश सैनी का तत्काल नाम शुद्धिकरण का फॉर्म भरवाकर उसके सभी महत्वपूर्ण दस्तावेजों के अनुसार उसका नाम राजस्व रिकॉर्ड में बाबूलाल सैनी से जगदीश सैनी दर्ज किया तो उसकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा।

ज्वलनशील पदार्थों के परिवहन एवं भंडारण के निर्धारित मानदंडों की पालना हर हाल में हो सुनिश्चित

- ❒ जिला कलक्टर ने अधिकारियों एवं पेट्रोलियम कंपनी के प्रतिनिधियों को दिये निर्देश
- ❒ आमजन की सुरक्षा में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं की जाएगी बर्दाश्त
- ❒ गैस, रसायन के परिवहन वाहन एवं वाहन चालकों के सुरक्षा उपायों पर हुई चर्चा

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास)। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने जयपुर में ज्वलनशील पदार्थों, रसायन और गैस के परिवहन एवं भंडारण के लिए निर्धारित मानदंडों की पालना हर हाल में सुनिश्चित करने के निर्देश दिये हैं। जिला कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में गैसीय एवं रसायन परिवहन सम्बंधी वाहन एवं

वाहन चालकों के लिए सुरक्षात्मक उपायों के संबंध में चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिला कलक्टर ने संबंधित विभागों के अधिकारियों एवं पेट्रोलियम कंपनियों को प्रतिनिधियों को आमजन की सुरक्षा के लिए अत्यधिक सतर्कता बरतने के लिए निर्देशित किया। बैठक में भांकरोटा हादसे की पुनरावृत्ति रोकने के लिए विषय विशेषज्ञों, पेट्रोलियम कंपनियों के प्रतिनिधियों एवं अधिकारियों से प्राप्त सुझावों पर चर्चा की गई। इस दौरान जिला कलक्टर ने गैसीय एवं रसायन परिवहन संबंधी वाहन चालकों को प्रशिक्षण हेतु एक सामूहिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन करने, जयपुर में स्थित सभी पेट्रोलियम एवं गैस पाइप लाइन संबंधित प्लान जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण को उपलब्ध कराने के निर्देश दिये।

साथ ही उन्होंने 50 नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवकों को भी गैसीय एवं रसायन संबंधी आपदाओं से निपटने हेतु राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर पर प्रशिक्षण शिविर आयोजित करने, आपदा प्रबंधन के तहत समय-समय पर गैसीय एवं रसायन संबंधी आपदाओं से निपटने हेतु आमजन को जागरूक करने जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने के साथ-साथ सभी संबंधित विभागों को समय-समय पर मॉक ड्रिल कर अपनी तैयारी परखने के लिए भी निर्देशित किया।

बैठक में सभी वाहनों के पंजीयन प्रमाण पत्र, फिटनेस प्रमाण पत्र, बीमा प्रमाण पत्र एवं आवश्यक दस्तावेज नियमित रूप से अपडेट रखने की व्यवस्था सुनिश्चित करने, वाहनों में अनिवार्य रूप से जीपीएस सिस्टम का उपयोग करने, वाहन चालकों से यातायात नियमों की अवहेलना ना करने संबंधित शपथ-पत्र लेकर पाबंद करवाने के निर्देश दिये गए। साथ ही, बैठक में जिला कलक्टर ने संबंधित विभागों के अधिकारियों एवं पेट्रोलियम कंपनियों के प्रतिनिधियों को आपसी सहयोग एवं समन्वय स्थापित कर आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ-साथ नियमित बैठक आयोजित कर निर्धारित मानदंडों की पालना सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया।

संपादकीय .....

सरकार की इच्छा शक्ति का ही परिणाम है राजस्थान की माइनिंग सेक्टर में लंबी छलांग

माइनिंग सेक्टर के महत्व को रुस यूक्रेन युद्ध के संदर्भ में अमेरिका की हालिया नीति के चलते आसानी से समझा जा सकता है। अमेरिका की यूक्रेन की खनिज संपदा पर नजर है और वह चाहता है कि यूक्रेन को सहयोग करने के बदले में यूक्रेन की खनिज संपदा के दोहन का प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रुप से अधिकार अमेरिका को मिल जाए। यही हालात दुनिया के दूसरे देशों की है। आज चीन की मोनोपोली से सभी देश गले तक भर आये हैं वहीं दुनिया के देश खनिज संपदा के भण्डारों की खोज व खनन के विकल्प ढूंढने लगे हैं। यही कारण है कि पिछले एक दशक में मिनरल एक्सप्लोरेशन के कार्य में तेजी आई है। हमारे देश में सतत खनन विकास पर जोर दिया जाने लगा है और 2016-17 से मेजर हो या माइनर मिनरल सभी माइंस नीलाम करना अनिवार्य कर दिया गया है। बदली परिस्थितियों में यह भी साफ हो जाना चाहिए कि सरकारों की ईच्छा शक्ति पर बहुत कुछ निर्भर करता है। इसका ताजातरीन उदाहरण राजस्थान सरकार और राजस्थान का खान एवं भूविज्ञान मंत्रालय है। देश-दुनिया में अवैध खनन गतिविधियों के लिए कुख्यात माइनिंग सेक्टर को नई पहचान देने के कारगर प्रयास राजस्थान में भजन लाल शर्मा सरकार ने कर के दिखाया है। केवल एक साल की समयावधी में ही माइनिंग सेक्टर में राजस्थान समूचे देश में लंबी छलांग लगाने लगा है। दिसंबर, 24 में सरकार ने कार्यभार संभालते ही माइनिंग सेक्टर में दो दिशाओं में तेजी से कदम बढ़ाये। पहला अवैध खनन गतिविधियों पर कारगार अंकुश लगाने के लिए विशेष अभियान चलाया गया तो दूसरी और सरकार ने साफ संदेश दे दिया कि खनिज बहुल क्षेत्रों की एक्सप्लोरेशन रिपोर्ट का अध्ययन करते हुए डेलिनियेशन और प्लॉट व ब्लॉक तैयार करने के कार्य को प्राथमिकता दी जाए और विभाग इन तैयार प्लॉटों व ब्लॉकों की नीलामी का रोडमेप बनाकर पारदर्शी ऑक्शन प्रक्रिया को अमली जामा पहुंचायें। सरकार की मंशा के अनुसार विभागीय अमला भी जुट गया और नई सरकार बनने के तीन माह में ही 15 मेजर मिनरल ब्लॉकों का भारत सरकार के पोर्टल पर ई-नीलामी की गई तो एक साल से कुछ ही अधिक समय में नई सरकार बनने के बाद के जनवरी, 25 तक 15 ब्लॉकों सहित 15 जोड़ 33 ब्लॉक कुल 48 मेजर मिनरल ब्लॉकों की सफल नीलामी कर नया इतिहास रच दिया गया। राज्य सरकार की उपलब्धि को केन्द्र सरकार द्वारा भी सराहा गया और इसी 20 जनवरी, 25 को ओडिशा के कोणार्क में आयोजित नेशनल मांइस मिनिस्टर्स कॉन्फ्रेंस में वर्ष 2023-24 में देश में सर्वाधिक मेजर मिनरल ब्लॉक के ऑक्शन करने पर राजस्थान को प्रथम पुरस्कार देकर राजस्थान के प्रमुख सचिव माइंस टी. रविकान्त को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया है। जिस तरह के आंकड़ें भारत सरकार के पोर्टल पर प्रदर्शित हो रहे हैं उससे साफ हो जाता है कि वर्ष 2024-25 में भी राजस्थान मेजर मिनरल ब्लॉकों की ई-नीलामी में समूचे देश में शीर्ष पर रहेगा। देश दुनिया में माइनिंग सेक्टर की जो इमेज रही है उसे देखते हुए राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने खान मंत्रालय की जिम्मेदारी अपने पास रखी और कुशल नेतृत्व और मार्गदर्शन में पिछले एक साल में माइनिंग सेक्टर ने खनिज खोज से लेकर माइनर एवं मेजर मिनरल ब्लॉकों के ऑक्शन, एमनेस्टी योजना, ड्रोन सर्वे, एकबारीय समाधान योजना, नई और प्रगतिशील खनिज नीति, एम-सेण्ड नीति, माइनिंग सेक्टर में औद्योगिक निवेश और रोजगार के विपुल अवसर सृजित करने के अवसर विकसित कर दिए हैं।

कैसे रुकें सिवरेज की सफाई में होने वाली मौत?

कोलकाता शहर में सिवरेज की सफाई के दौरान तीन श्रमिकों की मौत हो गई। घटना कोलकता लेदर कंप्लेक्स में सीवरेज लाइन के साफ के दौरान हुई। सुप्रीम कोर्ट काफी पहले कह चुका है कि मरने वालों के परिवार को तीस-तीस लाख रूपया मुआवजा दिया जाए, किंतु ऐसा नहीं हो रहा। प्रदेश सरकार ने बीस-बीस लाख रूपये मुआवजा देकर ही मामला निपटा दिया। यह घटना सर्वोच्च न्यायालय के उस आदेश के चार दिन बाद हुई है, जिस आदेश में सुप्रीम कार्ट ने कहा कि कि दिल्ली, मुंबई, कलकत्ता, चिन्नई, बंगलूरू और हैदराबाद जैसे मैट्रोपालिटिन शहरों में मैनुअल सफाई और सीवर सफाई पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाया गया था। दरअसल न्यायालय आदेश करता है किंतु उन आदेश के पालन के लिए जिम्मेदार अधिकारियों को या तो ये आदेश पंहुच नहीं पाता। आदेश पंहुच पाता है तो फाइलों के दबाव में वे उसे पढ़ नहीं पाते। इसीलिए बार-बार आदेशों के पालन में अनदेखी होती है। इन आदेशों को संबधित अधिकारियों तक पंहुचाने की प्रदेश स्तर पर त्वरित और प्रभावी व्यवस्था होनी चाहिए। जुलाई 2022 में लोकसभा में प्रस्तुत सरकारी आंकड़ों के अनुसार पांच साल में सीवर सफाई के दौरान 347 लोगों की मौत हुई। पांच सालों में भारत में सीवर और सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान कम से कम 347 लोगों की मौत हुई, जिनमें से 40 प्रतिशत मौतें उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु और दिल्ली में हुईं। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुसार, 1993 के बाद से सीवर और सेप्टिक टैंक से होने वाली मौतों के 1,248 मामलों में से इस साल मार्च तक 1,116 मामलों में मुआवजे का भुगतान किया गया है, हालांकि, 81 मामलों में मुआवजे का भुगतान अभी भी लंबित है। आंकड़ों से यह भी पता चलता है कि राज्यों द्वारा 51 मामले बंद कर दिए गए हैं क्योंकि मृत व्यक्तियों के कानूनी उत्तराधिकारी नहीं मिल सके। 1993 के बाद के आंकडा से पता चलता है कि कि सीवर और सेप्टिक टैंक में होने वाली मौतों के सबसे अधिक 256 मामले तमिलनाडु में सामने आए। इसके बाद गुजरात (204), उत्तर प्रदेश (131), हरियाणा (115) और दिल्ली (112) का नंबर आता है। सीवर से होने वाली मौतों के सबसे कम मामले छत्तीसगढ़ (1) में दर्ज किए गए हैं, इसके बाद त्रिपुरा और ओडिशा में 2-2 मामले, दादर और नगर हवेली (3) और झारखंड (4) आते हैं। अप्रैल 2023 से मार्च 2024 तक के 58 मामलों में से सबसे ज्यादा मामले तमिलनाडु (11) से हैं, इसके बाद महाराष्ट्र और राजस्थान (11-11 मामले), और गुजरात (8) तथा पंजाब (6) का नंबर आता है। आंकड़ों से यह भी पता चलता है कि 1993 के बाद से हुई 1,247 मौतों में से 456 मामले 2018 के बाद दर्ज किए गए हैं।

नौ अक्तूबर 2024 को दिल्ली के सरोजिनी नगर इलाके में एक कंस्ट्रक्शन साइट पर तीन मजदूरों की मौत का मामला सामने आया है। ये मजदूर सीवर लाइन साफ करने के लिए सीवर के अंदर उतरे थे। सीवर लाइन से निकल रही जहरीली गैस की वजह से तीनों मजदूरों का दम घुट गया था। स्थानीय लोगों का कहना है कि सीवर में उतरे मजदूरों के लिए सुरक्षा के कोई इंतजाम नहीं थे। 23 अक्तूबर 2024 को राजस्थान के सीकर जिले में सफाई के दौरान तीन कर्मचारियों की मौत हो गई। ये मौत लगातार होती रहती है। रूक नही पातीं।

देश में सीवर सफाई के दौरान होने वाली मौत की घटनाओं पर सुप्रीम कोर्ट ने 20 अक्टूबर 2023 को कहा था कि सरकारी अधिकारियों को मरने वालों के परिजन को 30 लाख रुपए मुआवजा देना होगा।सीवर की सफाई के दौरान कोई सफाईकर्मी स्थायी दिव्यांगता का शिकार होता है तो न्यूनतम मुआवजे के रूप में उसे 20 लाख रुपए दिया जाएगा। वहीं, अन्य दिव्यांगता पर अफसर उसे 10 लाख रुपए तक का भुगतान करेंगे। जस्टिस एस रवींद्र भट और जस्टिस अरविंद कुमार की बेंच ने सीवर सफाई के दौरान होने वाली मौतों को लेकर दायर एक जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान यह फैसला सुनाया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकारों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हाथ से मैला ढोने की प्रथा पूरी तरह खत्म हो। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट्स को सीवर से होने वाली मौतों से संबंधित मामलों की निगरानी करने से ना रोके जाने का निर्देश दिया।

सरकारे और अधिकारी प्रायः मानते हैं कि न्यायालय आदेश करता रहता है। वह करें। उन्हें काम अपनी मर्जी से करना है। इसी कारण सिवरेज की सफाई में लगे कर्मचारियों को कार्य के दौरान न सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराएं जाते हैं, न मौत होने पर मुआवजा दिया जाता है। पीड़ित के परिवार वाले न ज्यादा शिक्षित होते हैं, न संपन्न। उन्हें न्यायालय के आदेश की जानकारी ही नही होती। इतना धन भी नहीं होता कि वह न्यायालय की शरण में जाएं। इसका फायदा विभागीय अधिकारी उठाते हैं। वह अपनी मनमर्जी करते हैं। ऐसा प्रायः सभी जगह होता है। सिवरेज की सफाई में लगे कर्मचारियों की मौत की घटनाएं रोकने के लिए, उन्हें मैनुअल सिवरेज की सफाई के आदेश देने वालों पर हत्या का मुकदमा दर्ज कराने से ही मौत रूकेंगी, अन्यथा नहीं।

प्रदेश सरकारों को चाहिए कि वह एक ऐसा सेल बनाए, जो इस तरह की मौत की मोनिटरिंग करें। उनकी मौत के लिए अप्रत्यक्ष रूप से जिम्मेदार अधिकारियों के विरूद्ध कार्रवाई भी अमल में लाए। एक बात और राज्य स्तर पर बनाये सैल न्यायालयों के आदेश नगर पालिका, नगर निगम आदि में भेजने की भी तुंरत व्यवस्था हो। बताए कि यह आदेश हुआ है। सिवरेज की सफाई कराते इन नियमों का पालन करें। ये सैल ये भी मोनिटरिंग करें कि नगर निगम या नगर पालिका के पास सिवरेज की सफाई के समय प्रयोग होने वाले उपकरण हैं या नही। क्या उनके कर्मचारी सफाई करते सुरक्षा उपकरणों का प्रयोग करते हैं या नही। जहां प्रयोग नही करते वहां कर्मचारियों को जागरूक किया जाए। उनके इन सुरक्षा उपकरणों के प्रयोग के लाभ बताए जाएं।उन्हें कहा जाए कि सिवरेज में उतरने से पहले सुरक्षा उपकरण पहनने से उनकी जान बच सकती है। देखने में आया है कि प्रायः स्थानीय निकाय के के पास सुरक्षा उपकरण ही नही हैं। उन्हें दबाव देकर ये उपकरण खरीदवाएं जाएं। कर्मचारियों को सुरक्षा उपकरण पहनने की प्रशिक्षण दिया जाए।

स्थानीय निकायों को कहा जाए कि वह मैनुअल सिवरेज की सफाई न कराएं। इसके लिए उपकरण खरीदें। जिन स्थानीय निकायों के पास इन उपकरण खरीदने के लिए धन नही है, उन्हें धन उपलब्ध कराया जाए। सरकारों के इस मामले में गंभीर होने से ही सिवरेज की सफाई के दौरान सफाई कर्मचारियों की मौत की घटनांए रूक सकेंगी। सिवरेज की सफाई में मरने वाले कर्मचारियों के परिवार अनाथ होने से बच जाएगें।

- अशोक मधूप

-ये लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं

समसामयिक

वोट बैंक के कारण भारी पड़ रहे हैं तुगलकी पंचायती

देश को अंग्रेजों से आजाद हुए 77 साल हो गए लेकिन कानून का राज अभी तक पूरी तरह कायम नहीं हो सका। राजनीतिक दलों के वोट बैंक के कारण जातिगत पंचायतें अभी भी कानून से इतर तुगलकी फरमान दे रही हैं। इन फरमानों के आगे शासन-प्रशासन बौने साबित हो रहे हैं। राजस्थान के करौली जिले में मीणा महासभा की महापंचायत ने लड़की पक्ष द्वारा विवाह से इंकार किए जाने पर ऐसा ही एक फरमान जारी कर दिया और प्रशासन मूक-बधिर बने खड़ा रहा। महापंचायत द्वारा गठित कमेटी ने रौंसी गांव के लड़की पक्ष के लोगों पर 11 लाख रुपए, रिश्ता तय करने में मध्यस्थ रहे दो जनों पर एक-एक लाख रुपए का दंड लगाया गया। साथ ही रौंसी गांव में लड़के पक्ष पर लगाए 11 लाख के दंड को महापंचायत ने खारिज दिया।

साथ ही फैसला देने वाले रोंसी क्षेत्र के 5 लोगों को 1100 -1100 रुपए से दंडित कर 5 साल के लिए समाज की जाजम से बाहर करने की बात कही। जिन जनप्रतिनिधियों का काम कानून का शासन स्थापित कराना होता, वही कानून की धज्जियों उड़ाने वाले ऐसे आदिम फैसलों के समर्थन में खड़े नजर आए। इस महापंचायत में टोडाभीम विधायक घनश्याम महर भी पहुंचे। आश्चर्य की बात यह है कि शांति व्यवस्था व महापंचायत पर नजर बनाए रखने के नाम पर 50-60 पुलिसकर्मी भी मौजूद थे, किन्तु कोई कार्रवाई नहीं कर सके। महापंचायत की मनमाने निर्णय पर सत्तारुढ़ भाजपा और विपक्षी कांग्रेस ने कोई एतराज नहीं जताया। मानवाधिकार आयोग को भी अधिकारों के हनन करने वाले ऐसे निर्णय नजर नहीं आते। राजस्थान ही नहीं देश के दूसरे हिस्सों में भी जातिगत पंचायतें ऐसे फैसले सुनाती रही हैं। खाप पंचायतें अपने परंपरावादी फैसलों के लिए मशहूर रही हैं। मुजफ्फरनगर के सोरम गांव में खाप महापंचायत ने साल 2014 में फरमान जारी कर लड़कियों के जींस पहनने, उनके फोन और इंटरनेट यूज करने पर बैन लगाया गया था। कुछ लड़कियों के घर से भागने के बाद समाधान के रूप में यह ऐलान किया गया था। ऐसा केवल यूपी में ही नहीं हरियाणा जैसे राज्यों में भी बैन लगाया गया था। साल 2015 में बागपत में एक खाप पंचायत ने दो बहनों के साथ रेप करने और उन्हें निर्वस्त्र करके गांव में घुमाने का आदेश जारी किया था। उन्हें उनके भाई के अपराध की सजा दी गई। उनका भाई एक ऊंची जाति की महिला के साथ भाग गया था।

जुलाई 2010 में हरियाणा की सर्व खाप जाट पंचायत ने फरमान जारी किया कि लड़कियों की शादी के लिए उनके बालिग होने का इंतजार नहीं करना है। उनकी शादी अब 15 साल में ही कर देनी है। रेप की घटनाओं में हो रही बढ़ोतरी पर अंकुश लगाने के लिए यह आदेश जारी किया गया था। ऑनर किलिंग, समगोत्रिय विवाह और प्रेम विवाह को लेकर खाप पंचायत बेतुका बयान जारी करते रही हैं। खाप पंचायत को सुप्रीम कोर्ट की फटकार का ख्याल है और ना ही आलोचनाओं का, तभी तो उसके बेतुके फैसले तालिबानी और तुगलकी फरमान की तरह लोगों के सिर पर पहाड़ बन कर टूटते हैं। झज्जर की खाप पंचायत का मानना था कि आर्य समाजी ढंग से होने वाली शादियों पर तत्काल से प्रतिबंध लगा देना चाहिए। खाप ने यह बेतुका फरमान लव मैरज को रोकने के लिए सुनाया था। खाप पंचायत प्रेम विवाह के खिलाफ है। खाप ने आर्य समाज में होने वाली शादियों को दुकानदारी करार दिया था।

खाप और जातिगत पंचायतों के इस तरह के बेबुनियाद तर्क बदस्तूर जारी हैं। एक खाप ने कहा था कि बलात्कार और यौन शोषण जैसी घटनाओं को रोकने के लिए लड़कियों का बाल विवाह कर देना चाहिए ताकि वो जवान होने से पहले ही किसी की पत्नी बन जाये और पुरूष उनकी और आकर्षित ना हो। महाराष्ट्र के बीड में एक महिला और उसके परिवार के सामाजिक बहिष्कार का आदेश देने पर जाति पंचायत के 9 सदस्यों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। महिला का सामाजिक बहिष्कार इसलिए किया गया था क्योंकि उसके ससुर ने उस महिला से शादी की थी, जिससे वह प्यार करता था।

राजस्थान के चाकसू कस्बे में आपसी सहमति से 2022 में तलाक लेने की जानकारी समाज के अन्य लोगों को लगी तो उन्होंने जातीय पंचायत बैठाकर तलाक लेने के लिए प्रताड़ित किया और 1,51,000 रुपए आर्थिक दंड के रूप में देने का फैसला सुनाया। झारखंड ऐसी पंचायतों के फैसलों के लिए बदनाम रहा है। पलामू गढवा और लातेहार में 65 से अधिक पंचायतों पर एफआईआर दर्ज हुई। कई ऐसे भी मामले हैं जिन पर एफआईआर दर्ज नहीं हुई, शिकायतकर्ता सामने नहीं आए हैं। झारखंड में पंचायत के फैसले के बाद 36 से अधिक लोगों की मौतें हुई। 40 से अधिक दुष्कर्म के मामले में पंचायत बैठी है, जिनमें आरोपियों को बचाया गया। सुप्रीम कोर्ट ने ऑनर किलिंग मामले की सुनवाई करते हुए खाप पंचायत पर बड़ा फैसला सुनाया था। शीर्ष अदालत ने कहा कि खाप पंचायत का किसी भी शादी पर रोक लगाना अवैध है। अदालत ने कहा था कि अगर कोई भी संगठन शादी को रोकने की कोशिश करता है, तो वह पूरी तरह से गैर कानूनी होगा। सुप्रीम कोर्ट ने ऐसे मामलों की रोकथाम और सजा के लिए गाइडलाइन जारी की। इसके बावजूद देश के किसी न किसी कोने से पंचायतों के मनमाने निर्णय सामने आते रहते हैं। राजनीतिक दल जातिगत पंचायतों के ऐसे फैसले रोकने के बजाए इनमें वोट बैंक के हित ढूंढती नजर आती हैं। यह निश्चित है जब तक राजनीतिक दल वोट बैंक की राजनीति से ऊपर उठकर कानून का शासन करने पर एकराय नहीं होंगे, तब तक ऐसे गैरकानूनी पंचायती फैसले आते रहेंगे।

-योगेन्द्र योगी

-ये लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं

देश को अंग्रेजों से आजाद हुए 77 साल हो गए लेकिन कानून का राज अभी तक पूरी तरह कायम नहीं हो सका। राजनीतिक दलों के वोट बैंक के कारण जातिगत पंचायतें अभी भी कानून से इतर तुगलकी फरमान दे रही हैं। इन फरमानों के आगे शासन-प्रशासन बौने साबित हो रहे हैं। राजस्थान के करौली जिले में मीणा महासभा की महापंचायत ने लड़की पक्ष द्वारा विवाह से इंकार किए जाने पर ऐसा ही एक फरमान जारी कर दिया और प्रशासन मूक-बधिर बने खड़ा रहा। महापंचायत द्वारा गठित कमेटी ने रौंसी गांव के लड़की पक्ष के लोगों पर 11 लाख रुपए, रिश्ता तय करने में मध्यस्थ रहे दो जनों पर एक-एक लाख रुपए का दंड लगाया गया। साथ ही रौंसी गांव में लड़के पक्ष पर लगाए 11 लाख के दंड को महापंचायत ने खारिज दिया।

शख्सियत

देश की आजादी में पंडित मोतीलाल नेहरू का था अहम योगदान, दो बार बने थे कांग्रेस अध्यक्ष

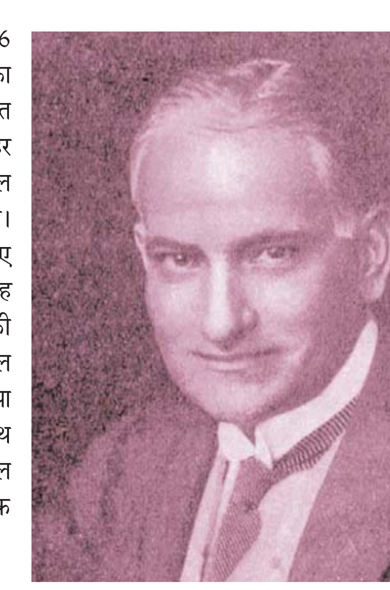

आज ही के दिन यानी की 06 फरवरी को पंडित मोतीलाल नेहरु का निधन हो गया था। वह आजाद भारत के पहले प्रधानमंत्री रहे पंडित जवाहर लाल नेहरू के पिता था। मोतीलाल नेहरू अपने समय से बड़े वकील थे। उस दौर में वह उच्च शिक्षा के लिए कैंब्रिज यूनिवर्सिटी गए थे। वह कश्मीरी पंडित थे और देश की स्वतंत्रता की लड़ाई में पंडित मोतीलाल नेहरु ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया था। तो आइए जानते हैं उनकी डेथ एनिवर्सरी के मौके पर पंडित मोतीलाल नेहरू के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में...

जन्म और परिवार

उत्तर प्रदेश के आगरा में 06 मई 1861 एक कश्मीरी ब्राह्मण परिवार में पंडित मोती लाल नेहरू का जन्म हुआ था। बचपन में ही मोतीलाल नेहरु के सिर से माता-पिता का साया उठ गया था। जिसके बाद मोतीलाल की परवरिश उनके बड़े भाई नंदलाल नेहरू ने की थी। नंदलाल हाईकोर्ट के एक बड़े वकील थे। उन्होंने अपने छोटे भाई मोतीलाल नेहरू को बड़ी शान-ओ-शौकत से पाला था। उन्होंने मोतीलाल नेहरू का एडमिशन ब्रिटिश सरकार के स्कूल में कराया। बाद में पंडित मोतीलाल नेहरू ने इलाहाबाद के म्योर सेंट्रल कॉलेज से कानून की पढ़ाई की थी।

करियर

मोतीलाल नेहरू अपने कॉलेज में लॉ में टॉप किया था। फिर साल 1883 में उन्होंने पंडित पृथ्वीनाथ के सानिध्य में लॉ की प्रैक्टिस करना शुरूकर दिया। इसके 3 साल बाद उन्होंने अपने भाई नंदलाल नेहरू के साथ प्रैक्टिस करने लगे।

पांच रुपए थी पहली कमाई

बता दें कि ब्रिटिश राज में अंग्रेज जज भारतीय जजों को अधिक तवज्जो नहीं दिया करते थे। लेकिन जब पंडित मोतीलाल नेहरु बोलते थे, तो अंग्रेज भी उनके व्यक्तित्व से प्रभावित होते थे। मोतीलाल नेहरू उस दौर के भारत के सबसे बड़े वकीलों में शुमार थे।

स्वतंत्रता संग्राम में हुए शामिल

साल 1920 में महात्मा गांधी की बातों और विचारों से मोतीलाल नेहरू इतना प्रभावित हुए कि स्वतंत्रता संग्राम में शामिल हो गए। यह वह दौर था, जब मोतीलाल नेहरु अपने पेशे में शीर्ष स्थान पर थे। लेकिन इस समय उनके लिए भारत की स्वतंत्रता पहले थी और वकालत का पेशा बाद में था। खराब स्वास्थ्य होने के बाद भी मोतीलाल नेहरू गांधी जी के साथ नमक सत्याग्रह का समर्थन करने के लिए गुजरात गए। बता दें कि उनको दो बार कांग्रेस का अध्यक्ष चुना गया। वहीं कुछ महीने वह जेल में भी रहे, लेकिन खराब स्वास्थ्य के चलते रिहा कर दिए गए।

मृत्यु

वहीं 06 फरवरी 1931 को खराब स्वास्थ्य के चलते पंडित मोती लाल नेहरू का निधन हो गया था।

मेरे काम में मदद करती है शोभिता

नागा चैतन्य और शोभिता धूलिपाला ने अपना रिलेशनशिप दो साल तक सीक्रेट रखा। हालांकि, अब भी शादी के बंधन में बंधने के बाद दोनों साथ में बहुत कम तस्वीरें शेयर करते हैं। नागा अपनी फिल्म थंडेल में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म के प्रमोशन के द चैतन्य ने अपने रिश्ते को लेकर कुछ बातें की हैं।

तनाव से निकलने में करती हैं मदद

नागा चैतन्य ने अपनी आगामी फिल्म थंडेल के प्रमोशन के दौरान अपने रिश्ते को लेकर भी बात की है। उन्होंने कहा कि उनकी पत्नी काम में भी उनकी बहुत मदद करती हैं। चैतन्य ने कहा कि उनकी पत्नी बहुत समझदार हैं, जो हर तनावपूर्ण परिस्थिति से बाहर आने में उनकी मदद करती हैं। उनके चुने प्रोजेक्ट्स के बारे में उन्हें सलाह देती हैं। हर जरूरी राय उनके काम के बारे में वे हमेशा देती रहती हैं।

पत्नी शोभिता देती हैं सही सलाह

नागा चैतन्य ने कहा, मैं अपने सभी विचार उनके पास लेकर जाता हूं। जब भी किसी तरह की उलझन होती है, तो मैं उनके पास जाता हूँ। जब मैं तनाव में होता हू, तो वह उसे समझ लेती हैं। वह तुरंत मुझसे पूछती हैं, क्या गड़बड़ है? क्या है? वह निश्चित रूप से मेरी बाउंसिंग बोर्ड हैं। वह मुझे बेहतरीन सलाह देती हैं। उनकी राय बहुत ही तटस्थ होती है और वह सही जगह से सोचती हैं। मैं उनकी राय को बहुत महत्व देता हूं। हर चीज उनके जरिए फिल्टर होती है। वह बहुत समझदार हैं।

इस दिन रिलीज होगी फिल्म

नागा चैतन्य की फिल्म 7 फरवरी 2025 को रिलीज होने वाली है। फिल्म का निर्देशन चंदू मोंडेती ने किया। नागा के साथ इस फिल्म में साई पल्लवी भी नजर आने वाली हैं। इससे पहले नागा चैतन्य को अपनी फिल्म 'लव स्टोरी' के लिए काफी सराहनाएं मिली थीं। इस फिल्म में उनके साथ साई पल्लवी नजर आई थीं। दोनों की केमिस्ट्री को काफी पसंद किया गया था।

एटली की ए6 में हुई रश्मिका की एंट्री

सलमान खान और रश्मिका मंदाना पहली बार सिकंदर में साथ नजर आएंगे। वे इस समय फिल्म की शूटिंग भी कर रहे हैं। इसी बीच एक रिपोर्ट आ रही है कि दोनों डायरेक्टर एटली के अगले प्रोजेक्ट के लिए फिर से साथ आने वाले हैं। बताया जा रहा है कि मेकर्स पुष्पा 2 में रश्मिका की एक्टिंग से बहुत प्रभावित हैं।

सूत्रों के हवाले से बताया है, सलमान खान और रश्मिका मंदाना दोनों ने सिकंदर के सेट पर शानदार काम किया। पुष्पा 2 में रश्मिका की एक्टिंग ने सलमान और एटली दोनों को प्रभावित किया। यही वजह है कि निर्माताओं ने सलमान और एटली की आने वाली फिल्म में भी उन्हें साइन करने का फैसला किया है।

रजनीकांत या कमल हासन की कास्टिंग

दिसंबर 2024 में एटली ने कंफर्म किया था कि उनकी फिल्म में सलमान लीड रोल में नजर आएंगे। इसका नाम अभी तय नहीं हुआ है और इसे ए6 टाइटल दिया गया है। कथित तौर पर एटली भारतीय सिनेमा की सबसे बड़ी फिल्मों में से एक बनाने के लिए रजनीकांत या कमल हासन को लेकर कास्टिंग में बदलाव करने की कोशिश कर रहे हैं।

जल्द होगा धमाकेदार ऐलान

एटली ने बताया ए6 ऐसी फिल्म है, जिसमें बहुत समय और एनर्जी लगती है। हमने स्क्रिप्ट लगभग पूरी कर ली है और हम तैयारी के चरण में हैं। भगवान के आशीर्वाद से जल्द ही एक धमाकेदार ऐलान होगा।

सिकंदर में रश्मिका होंगी

सिकंदर की बात करें तो निर्माताओं ने फिल्म का टीजर जारी कर दिया है। 80 सेकंड के धमाकेदार ट्रेलर में सलमान खान पूरी तरह से एक्शन मोड में नजर आए हैं। ईद 2025 पर रिलीज होने वाली इस फिल्म में सलमान खान और रश्मिका मंदाना के साथ सत्यराज, प्रतीक बब्बर, काजल अग्रवाल और शरमन जोशी जैसे कलाकारों की टुकड़ी है।

लवयापा के ट्रेलर रिलीज पर कांप रही थीं खुशी कपूर

खुशी कपूर सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली फिल्म लवयापा के लिए पूरी तरह तैयार हैं। अभिनेत्री जल्द ही जुनैद खान नजर आएंगी। फिल्म 7 फरवरी 2025 को फिल्म की रिलीज से पहले इस फिल्म की रिलीज को लेकर बात की है। उन्होंने बताया कि फिल्म की रिलीज को लेकर वे बहुत नर्वस हो रही हैं। जब उन्होंने ट्रेलर लॉन्च पर सिनेमा में ट्रेलर और कुछ गाने देखे तो वह कांप रही थीं। खुशी कपूर ने स्वीकार किया कि सिनेमाघरों में लवयापा की रिलीज के साथ उनकी ओटीटी फिल्म, द आर्चीज की तुलना से उन्हें तनाव हो रहा है। उस पल को याद करते हुए जब उन्होंने फिल्म के ट्रेलर लॉन्च पर पहली बार खुद को बड़े पर्दे पर देखा तो खुशी कपूर ने स्वीकार किया कि वह वास्तव में कांप रही थीं। इस फिल्म को सिनेमाघरों में रिलीज किए जाने को लेकर जुनैद ने कहा कि ओटीटी बनाम सिनेमा का सवाल वितरकों के लिए है, न कि कलाकारों के लिए। जुनैद के मुताबिक माध्यम के फर्क से कलाकारों के लिए कुछ भी नहीं बदलता है। अद्वैत चंदन के निर्देशन में बनी लवयापा 07 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

एसएसएमबी 29 के लिए प्रियंका चोपड़ा ने ली इतनी मोटी रकम

बॉलीवुड अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा एसएस राजामौली की बहुप्रतीक्षित फिल्म एसएसएमबी 29 में महेश बाबू के साथ लीड रोल में नजर आ सकती हैं। हालांकि, इस खबर की आधिकारिक पुष्टि अभी तक नहीं हुई है, लेकिन रिपोर्ट्स के मुताबिक प्रियंका इस प्रोजेक्ट के लिए तैयारी कर रही हैं।

प्रियंका ने ली मोटी फीस

रिपोर्ट्स के मुताबिक इस फिल्म के लिए प्रियंका चोपड़ा की फीस लगभग 30 करोड़ रुपये बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि शुरुआती बातचीत में प्रियंका ने इससे भी ज्यादा फीस की मांग की थी, लेकिन निर्माता और प्रियंका के बीच सफल बातचीत के बाद इस रकम पर सहमति बनी। प्रियंका का नाम जुड़ने से एसएसएमबी 29 की लोकप्रियता भारत के साथ विदेश में भी बढ़ने की उम्मीद जताई जा रही है।

विदेशी कलाकारों को कास्ट करने पर हो रहा विचार

एसएसएमबी 29 को लेकर जो जानकारी सामने आई है उसके मुताबिक फिल्म एक अफ्रीकी एडवेंचर होगी। यह इंडियाना जोंस जैसी क्लासिक फिल्म की लोगों को याद दिला सकती है। फिल्म की टीम विदेशी कलाकारों को भी कास्ट करने पर विचार कर रही है ताकि फिल्म की वैश्विक अपील को और बढ़ाया जा सके।

बड़े बजट में बन रही फिल्म

एसएस राजामौली की फिल्में हमेशा बड़े बजट की शानदार फिल्में बनाने के लिए जाने जाते हैं। एसएसएमबी 29 भी इससे अलग नहीं होने वाली है। महेश बाबू की मौजूदगी और राजामौली की निर्देशन क्षमता इस फिल्म को एक बड़े हिट के रूप में स्थापित कर सकती है।

दो साल से चल रहा काम

यह फिल्म प्री–प्रोडक्शन में लगभग दो साल से तैयार हो रही है। फिल्म की पटकथा विजयेंद्र प्रसाद ने लिखी है जो राजामौली के पिता हैं। इसकी शूटिंग अप्रैल 2025 में शुरू होने की उम्मीद है। फिल्म की शूटिंग के लिए प्रमुख स्थानों में केन्या और आंध्र प्रदेश के बोर्रा गुफाएं शामिल हैं। महेश बाबू ने अपनी भूमिका के लिए कड़ी ट्रेनिंग ली है और उनकी भूमिका का हनुमान से प्रेरित हो सकता है।

जॉन अब्राहम के हाथ लगी रोहित शेट्टी की एक्शन थ्रिलर फिल्म

बॉलीवुड अभिनेता जॉन अब्राहम की नई फिल्म को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। खबर है कि अभिनेता बॉलीवुड के निर्देशक रोहित शेट्टी के साथ अपनी अगली फिल्म के लिए बातचीत कर रहे हैं। रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि यह एक एक्शन थ्रिलर फिल्म होगी। हालांकि, यह फिल्म रोहित शेट्टी की कॉप यूनिवर्स का हिस्सा नहीं होगी।

अप्रैल में शुरू होगी फिल्म की शूटिंग

रिपोर्ट्स के अनुसार, इस फिल्म की कहानी अभी लिखी जा रही है। बताया गया है कि रोहित शेट्टी और जॉन अब्राहम इस फिल्म की शूटिंग अप्रैल, 2025 तक शुरू करने की योजना बना रहे हैं। रिपोर्ट में दावा किया गया कि रोहित के मन में इस फिल्म का आइडिया काफी समय से था। सिंघम अगेन (2024) रिलीज होने के बाद उन्होंने इस प्रोजेक्ट पर काम करना शुरू कर दिया, जबकि गोलमाल 5 की स्क्रिप्ट लॉक हो गई है।

क्या बायोपिक होगी रोहित शेट्टी की फिल्म?

रोहित शेट्टी पुलिस की कहानियों और कॉमेडी फ्रेंचाइजी से आगे जाना चाहते हैं। जॉन के साथ कुछ प्रारंभिक बैठकें हो चुकी हैं। एक रिपोर्ट में कहा गया था कि यह फिल्म मुंबई पुलिस के पूर्व संयुक्त आयुक्त राकेश मारिया की बायोपिक होगी।

फिल्म का शूटिंग शेड्यूल

फिल्म की शूटिंग मुंबई में 45 दिनों तक चलेगी। बताया गया कि अभिनेता और निर्देशक ने संभावित तारीखों पर चर्चा की है। वे दोनों गर्मियों में इसकी शूटिंग करने करना चाहते हैं, जिसके बाद रोहित खतरों के खिलाड़ी 15 की शूटिंग के लिए चले जाएंगे। यह जॉन अब्राहम की योजना के साथ पूरी तरह मेल खाता है, क्योंकि वह अगस्त में आइल ऑफ मैन पर अपनी मोटरसाइकिल रेसिंग। फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगे।

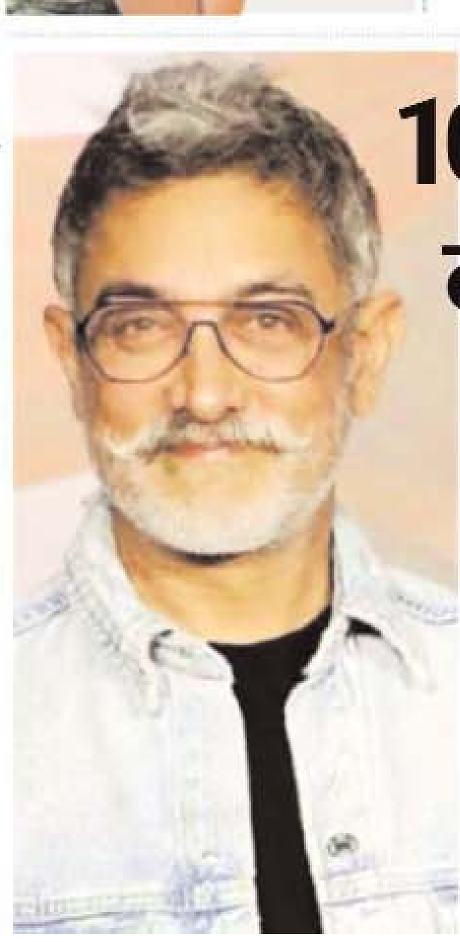

1000 करोड़ रुपये के बजट में बनेगी गजनी 2

सुपरस्टार आमिर खान ने नागा चैतन्य और साई पल्लवी की आने वाली फिल्म थंडेल के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में शिरकत की। इस इवेंट में साउथ के प्रोड्यूसर अल्लू अरविंद भी मौजूद थे। इवेंट के दौरान खान और अरविंद ने बहुचर्चित सीक्वल गजनी 2 के बारे में बड़ा संकेत दिया।

1000 करोड़ी फिल्म बनाएंगे अल्लू अरविंद

मीडिया से बातचीत करते हुए अल्लू अरविंद ने कहा, मुझे आपके साथ 1000 करोड़ की फिल्म बनानी चाहिए। शायद गजनी 2। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए आमिर खान ने कहा, गजनी 2 के बारे में इंटरनेट पर बहुत कुछ कहा जा रहा है। पिछले कुछ समय से ऐसी खबरें आ रही हैं कि अल्लू अरविंद तमिल और हिंदी दोनों में सीक्वल बनाने की योजना बना रहे हैं। अगर रिपोर्ट्स की मानें तो सूर्या गजनी 2 के तमिल वर्जन में मुख्य भूमिका निभाएंगे, जबकि आमिर खान को हिंदी वर्जन के लिए चुना जाएगा।

अल्लू अरविंद ने दिया अपडेट

रिपोर्ट्स के अनुसार, तमिल संस्करण में सूर्या मुख्य भूमिका निभाएंगे, जबकि आमिर हिंदी संस्करण के लिए अपनी भूमिका को दोहराएंगे। एक इंटरव्यू के दौरान सूर्या ने कहा, यह आश्चर्यजनक है कि आपने मुझसे अब गजनी 2 के बारे में पूछा। लंबे समय के बाद अल्लू अरविंद ने सीक्वल के विचार के साथ मुझसे संपर्क किया और पूछा कि क्या यह संभव होगा। मैंने कहा कि निश्चित रूप से सर, हम इस पर विचार कर सकते हैं। हां, बातचीत शुरू हो गई है और चीजें प्रक्रिया में हैं। गजनी 2 हो सकती है।

दोनों संस्करण एक साथ होंगे रिलीज

रिपोर्ट्स के अनुसार, पैन–इंडिया फिल्मों के उदय के साथ लोकप्रिय सितारों के साथ पंथ फिल्मों के रीमेक बनते जा रहे हैं। सूर्या और आमिर खान दोनों गजनी 2 को लेकर उत्साहित हैं, लेकिन वे फिल्म से जुड़ा रीमेक लेबल नहीं चाहते हैं। वे इस बात से भी चिंतित हैं कि एक संस्करण को दूसरे से पहले रिलीज करने से नयापन खत्म हो सकता है और उन्होंने निर्माताओं के सामने अपनी चिंताएं व्यक्त की हैं। दोनों अभिनेताओं की बात सुनने के बाद अलू अरविंद और मधु मंटेना ने एक समाधान निकला कि गजनी 2 के दो संस्करणों को एक साथ शूट करें और उन्हें एक ही दिन रिलीज करें।

स्क्रिप्ट पर काम जारी

निर्माताओं का मानना है कि गजनी जैसी कल्ट क्लासिक का सीक्वल बनाना महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के साथ आता है, क्योंकि पहला भाग दोनों अभिनेताओं के लिए गेम–चेंजर था। उनकी प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि सीक्वल ऑर्गेनिक लगे और इसे केवल पैसों के फायदे के लिए नहीं बनाया गया हो। वे दोनों कॉन्सेप्ट को पसंद करते हैं। वर्तमान में स्क्रिप्ट पर काम किया जा रहा है और फैंस को 2025 के मध्य तक इसके बारे में खास जानकारी मिल सकती है।

एक बार फिर ओटीटी पर धमाल मचाएंगी तृप्ति

बॉलीवुड अभिनेत्री तृप्ति डिमरी के पास कई प्रोजेक्ट्स हैं, जिसकी शूटिंग में अभिनेत्री व्यस्त हैं। इस बीच अब अभिनेत्री के नए प्रोजेक्ट को लेकर दिलचस्प खबर सामने आ रही है। ऐसा लगता है कि तृप्ति के हाथ एक और बड़ा प्रोजेक्ट लगा है। खबर है कि तृप्ति डिमरी को एक बायोपिक ओटीटी सीरीज में दिवंगत परवीन बॉबी की भूमिका निभाने के लिए चुना गया है, जिसकी शूटिंग जल्द ही शुरू होने वाली है। 2024 में लगातार दो फिल्मों के जरिए बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने के बाद प्रशंसक तृप्ति को इस प्रतिष्ठित भूमिका में देखने के लिए बेताब हैं। तृप्ति डिमरी के पास आने वाले समय में कई रोमांचक फिल्में हैं। उन्होंने अपने बहुमुखी अभिनय से खुद को एक स्टार के रूप में साबित किया है और अब वह एक बार फिर ओटीटी स्पेस में अपनी पहचान बनाने के लिए तैयार हैं। इससे पहले बुलबुल और कला जैसी नेटफ्लिक्स फिल्मों में अभिनय कर चुकी तृप्ति डिमरी को इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट में शामिल होना एक बेहतरीन अगला कदम लगता है।

टिकाऊ खेती में खरपतवार नियंत्रण का महत्व

देश की बढ़ती हुई जनसंख्या के साथ खाद्यान्नों की मांग को पूरा करना एक गंभीर चुनौती बनी हुई है। गेहू एवं धान खाद्यान्न की ऐसी फसलें हैं, जिनमें गरीबी और भुखमरी की समस्या से लड़ने की अद्भुत क्षमता है। धान, गेहूं, जौ, मक्का, ज्वार, बाजरा हमारे देश की खरीफ की प्रमुख खाद्यान्न फसल हैं। अधिक पैदावार देने वाली खाद एवं सिंचाई का अधिक उपयोग करने में एवं उन्नत किस्मों के प्रचलन से लगभग पिछले 2 दशकों में अनाज वाली फसलों एवं दलहन एवं तिलहन की पैदावार में व्यापक वृद्धि हुई है। फिर भी इसकी औसत पैदावार इसकी क्षमता से काफी कम है। उत्पादन क्षमता में वृद्धि के लिये सुधरी खेती की सभी प्रायोगिक विधियों को अपनाना आवश्यक है और जब तक हम उन वैज्ञानिक तरीकों को नहीं अपनाते है, उपज में आपेक्षित वृद्धि संभव नही है।

देश की तेज गति से बढ़ती हुई जनसंख्या के भरण-पोषण के लिये प्रति इकाई क्षेत्र समय एवं साधन से अधिक से अधिक उत्पादन करना नितांत आवश्यक है। इसके लिये सघन कृषि प्रणाली अपनाने के साथ-साथ उत्तम किस्म का चुनाव, सही समय पर बुवाई, संतुलित मात्रा में पोषक तत्व देना, उचित समय पर सिंचाई करना, फसल को कीड़ों, बीमारियों एवं खरपतवारों से बचा कर रखना बहुत जरूरी है जिससे न केवल फसल की पैदावार बढ़ेगी, वरन उत्पादन कारकों की क्षमता भी बढ़ेगी तथा किसान की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

खरपतवारों से हानियां

- खरपतवार जो उपलब्ध पोषक तत्वों, नमी, प्रकाश एवं स्थान के लिए प्रतिस्पर्धा करते हैं तथा फलस्वरूप फसल की पैदावार एवं गुणवत्ता में भारी कमी ला देते हैं।
- खरपतवार फसल में लगने वाले रोगों के जीवाणुओं एवं कीट-व्याधियों को भी आश्रय देते हैं।
- एक अनुमान के अनुसार खरपतवार विभिन्न फसलों की पैदावार में 33 प्रतिशत तक की कमी करने की क्षमता का ध्यान में रखकर कहा जा सकता है कि वर्तमान की संभावित उत्पादन स्तर में ही खाद्यान्न की 103 मिलियन टन, दलहन की 15 मिलियन टन एवं तिलहन की 10 मिलियन टन की कमी हो रही हैं।

प्रमुख खरपतवार

इन फसलों में प्रभावी खरपतवार नियंत्रण के लिये उसमें उगने वाले खरपतवारों की जानकारी होना अति आवश्यक है। खरीफ एवं रबी फसलों में उगने वाले खरपतवारों को मुख्यत: तीन श्रेणियों में बांटा जा सकता है।

खरपतवारों की रोकथाम कैसे करें

फसलों में खरपतवारों की रोकथाम निम्न तरीकों से की जा सकती है।

- स्टेल सीड बेड (बुवाई के पहले खरपतवारों को नष्ट करना) फसलों की बुवाई से पहले खाली खेत की हल्की सिंचाई करने से अधिकांश खरपतवार ऊग आते है। जब ये 2-3 पत्ती के हो जाएं तो उन्हें शाकनाशी (ग्लायफोसेट अथवा पैराक्वाट का 0.50 प्रतिशत घोल) द्वारा अथवा यांत्रिक विधि से जुताई करके नष्ट किया जा सकता है जिसे मुख्य फसल में खरपतवारों की संख्या में काफी कमी आ जाती है।

शुद्ध एवं साफ बीज का प्रयोग - बुवाई के समय खरपतवार रहित एवं प्रमाणित बीज का प्रयोग करके खरपतवारों की संख्या पर काबू पाया जा सकता है। कुछ फसल के बीजों को बुवाई के पहले छन्ने से साफ करने पर खरपतवारों के बीज आकार में छोटे होने के कारण नीचे गिर जाते हैं। जैसे गेहू में गेहू के मामा का बीज।

किस्मों का चुनाव एवं बुवाई विधि

जहां पर खरपतवार की रोकथाम के साधनों में कमी हो वहां पर फसल की ऐसी प्रजातियों का चुनाव करना चाहिए जिनकी प्रारंभिक बढ़वार खरपतवार की तुलना में अधिक हो। ऐसी प्रजातियों खरपतवारों से प्रतिस्पर्धा करके उन्हें नीचे दबा देती हैं। छिटकवां विधि के बजाय कतारों में बुवाई करने से खरपतवारों की संख्या में कमी पायी जाती है। तथा साथ ही साथ उनके नियंत्रण में भी आसानी रहती है।

जीरोटिलेज एवं फर्ब्स - धान-गेहूं फसल चक्र में धान की कटाई के तुरन्त बाद (बिना खेत की जुताई के) जीरो टिल मशीन से गेहू की बुवाई करने पर 'फेलरिस माइनर' खरपतवार की संख्या में काफी कमी पाई गई है। इसके अतिरिक्त फर्ब्स मशीन द्वारा बनाई गई मेढ़ों पर गेहू की बुवाई करने से भी फेलरिस माइनर की संख्या में काफी कमी आती है। ये विधियां हमारे देश के पंजाब, हरियाणा एवं पश्चिमी उत्तर प्रदेश में काफी लोकप्रिय है।

उचित फसल चक्र अपनाकर - एक ही फसल को लगातार एक ही खेत में बोने से खरपतवारों की संख्या काफी अधिक हो जाती है। तथा उसके नियंत्रण में काफी परेशानी उठानी पड़ती है। अत: आवश्यक है कि एक फसल को बार-बार एक ही खेत में न बोया जाय तथा उचित फसल-चक्र अपनाया जाये। धान-गेहूं फसल चक्र में फेलरिस माइनर की संख्या में काफी बढ़ोत्तरी पाई गई है। अत: इस फसल चक्र में गन्ना, बरसीम या आलू की खेती से इस खरपतवार में काफी कमी पाई गई है।

अन्तरवर्तीय फसलें उगाकर - कुछ फसलें जैसे मक्का जिनके कतारों के बीच की दूरी 60-90 सेंमी. तक होती है, खरपतवार आसानी से इन कतारों के बीच उगाकर फसल की पैदावार को कम कर देते हैं। इन कतारों के बीच यदि किसान भाई जल्दी बढ़ने वाली तथा कम समय की फसलें जैसे लोबिया, मूंग आदि को उगायें तो खरपतवारों पर प्रभावी नियंत्रण किया जा सकता है तथा साथ ही साथ अतिरिक्त पैदावार भी मिल सकती है।

यान्त्रिक विधि - खरपतवारों पर काबू पाने की यह सरल एवं प्रभावी विधि है। दलहनी एवं तिलहनी फसलों में खरपतवार नियंत्रण के लिये खरपतवारनाशक दवाईयों के बजाय निकाई-गुड़ाई की सिफारिश की जाती है। इन फसलों में 30-35 दिन बाद एक बार निराई-गुड़ाई करके खरपतवारों पर प्रभावी ढंग से नियंत्रण पाया जा सकता है। कतारों में बोई गई फसलों में हो चलाकर भी खरपतवारों का नियंत्रण किया जा सकता है। परंतु यांत्रिक विधि से खरपतवार नियंत्रण में समय और मजदूर अधिक लगते हैं जिससे प्रति इकाई क्षेत्रफल में लागत अधिक आती है।

खरपतवारनाशी रसायनों का प्रयोग - समय को देखते हुए खरपतवारों का नियंत्रण शाकनाशी रसायनों द्वारा करने से जहां एक ओर खरपतवारों का उचित समय पर नियंत्रण हो जाता है वहीं दूसरी ओर लागत एवं समय की भी बचत होती है। लेकिन खरपतवारनाशकों का उपयोग करते समय यह ध्यान रखना होगा कि उसकी उचित सान्द्रता को उचित विधि द्वारा उपयुक्त समय पर प्रयोग करें ताकि इनसे समुचित लाभ प्राप्त हो सके।

ज्वार के प्रमुख रोग एवं प्रबंधन

अर्गट या गूंदिया रोग

रोग के लक्षण - दानों के बाहरी भाग पर गाढ़ा, रंगहीन अथवा हल्का गुलाबी चिपचिपा स्राव बूंदों के रूप में जमा होता है। बाजरा व इस्केमस घास इस रोगकारक के अन्य परपोषी हैं।

रोकथाम - खेत के आसपास अन्य परपोषी पौधों को हटा दें। रोग के प्रारंभिक लक्षण दिखाई देते ही कार्बेन्डाजिम 2 ग्राम दवा 1 लीटर पानी घोलकर (0.2 प्रतिशत) छिड़काव करें।

कंडवा रोग

रोग के लक्षण - ज्वार की फसल में चार विभिन्न प्रकार के कंडवा रोग लगते हैं। इनका पता भुट्टा आने पर ही चलता है। आवृत कंडवा में भुट्टा के सारे बीज प्रभावित होते हैं जो काले रंग के चूर्ण में बदल जाते हैं। अनावृत कंडवा में भी सारे बीज प्रभावित होकर गांठे बनती है- जिस पर हल्की सफेद रंग की परत होती है। दीर्घ कंडवा में भुट्टा के कुछ दाने संक्रमित होकर लम्बी बेलनाकार संरचनाएं बनती हैं। शीर्ष कंडवा में पूरा भुट्टा ही एक गांठ के रूप में बदल जाता है।

शीर्ष कंडवा

रोकथाम - खेत में रोगग्रस्त सिट्टे दिखाई देते ही कागज या कपड़े की थैली से इन्हें ढककर काट लें व जलाकर नष्ट कर दें। बीजों की बुवाई पूर्व थाइरम 4 ग्राम या कार्बोक्सिन 2 ग्राम/किलो बीज दर से उपचारित करें।

पत्ती धब्बा रोग

रोग के लक्षण - ज्वार पर ग्यारह प्रकार के विभिन्न पत्ती धब्बा रोगों का आक्रमण होता है। ये रोग देशी किस्मों पर व्यापकता से फैलते हैं। ये पर्ण अंगमारी, लाल धब्बा, जोनेट धब्बा, टारगेट धब्बा, कज्जलीधारी, भूरा धब्बा, खुरदरा धब्बा, डेऊक्सेलेरा पत्ती झुलसा प्रमुखता से है।

रोकथाम - ये रोग बीजोढ़ होते हैं साथ ही फसल अवशेषों में जीवित रहते हैं अत: रोगग्रस्त अवशेषों को इकट्ठा कर जला दें। रोगग्रस्त फसल के बीज बुआई के काम में न लें। रोगरोधी किस्में जैसे सीएसवी 10,15,17, सीएचएच 5,6,9,14 की बुवाई करें। चारे के लिए देशी किस्में बोयें। कार्बेन्डाजिम 2 ग्राम/ किलो बीज की दर से उपचारित करें। रोग के प्रारंभिक लक्षण दिखाई देने पर मैंकोजेब 0.2 प्रतिषत का छिड़काव करें।

चारकोल तना सड़न रोग

रोग के लक्षण - इस रोग से तने के निचले भाग अथवा जड़ों पर पहले हल्के रंग के बाद में काले रंग के धब्बे बनते हैं तथा उसमें सड़न प्रारंभ हो जाती है। बहुधा इस प्रकार के पौधे झुण्डों में होते है तथा सूखकर गिर जाते हैं, इससे उपज में बहुत अधिक हानि होती है।

रोकथाम - यह रबी की ज्वार में नमी कम होने पर अधिक होता है, अत: नमी का मृदा में संरक्षण करें। संतुलित मात्रा में उर्वरकों का प्रयोग करें। प्रति हैक्टेयर पौधों की संख्या अधिक या बहुत कम नही होनी चाहिए। ऐसी किस्में जो दाना पकते समय हरी रहती हों बोनी चाहिए क्योंकि इनमें चारकोल तना सड़न नही आता है।

सरसों में व्याधि प्रबंध

रोग एवं कीट व्याधियों का प्रबंधन वैसे तो सरसों की फसल पर एक दर्जन से अधिक रोग व कीट हानि पहुंचाते हैं परंतु प्रमुख रोग एवं कीट के नियंत्रण से भरपूर पैदावार की जा सकती है।

पत्ती झुलसन रोग - यह सरसों के झुलसा रोग के नाम से भी जाना जाता है इस रोग के लक्षण पत्ती पर गहरे भूरे गोल-गोल धब्बों के रूप में आते हैं तथा उपज में कमी के साथ तेल की मात्रा भी कम करते हैं। बचाव हेतु मेन्कोजेब 45 नामक दवा 2.5 ग्राम /लीटर पानी के हिसाब से छिड़काव करें 2-3 छिड़काव 15 दिन के अंतराल से करें।

श्वेत किट्ट या सफेद फफोला (व्हाइट रस्ट) रोग- शीत ऋतु में जब तापमान कम एवं कोहरा होने पर यह रोग बहुत तेजी से फैलता है इसके लक्षण पत्ती की निचली सतह पर सफेद दही जैसे संरचनाओं जैसे आकार के होते हैं बाद में पुष्प वृन्त एवं फलियों पर भी लक्षण दिखाई देते हैं फली अनियमित आकार की टेढ़ी-मेढ़ी केंकड़ा जैसी आकृति की हो जाती है नियंत्रण हेतु रिडोमिल एम जेड 72 नामक दवा 2 ग्राम/लीटर पानी के हिसाब से घोल बनाकर छिड़काव करें या 2.5 ग्राम मेन्कोजेब/लीटर पानी का छिड़काव 10-15 दिन के अंतराल पर दो बार करें।

चूर्णिल आसिता (पाउड्री मिल्ड्यू) - यह रोग तापमान बढ़ने पर अधिक तेजी से फैलता है रोग पत्तियों, तने व फलियों पर सफेद चूर्ण (पाउडर) जैसे संरचनाओं के रूप में फैलता है। नियंत्रण हेतु घुलनशील गंधक या सल्फैक्स 2 किलोग्राम दवा 800 लीटर पानी में घोल बनाकर/हे. के हिसाब से छिड़काव करें।

तना सड़न या पोलियो रोग - एक ही खेत में बार-बार सरसों की फसल बोने से यह रोग बढ़ता है। इसके धब्बे सबसे पहले तने के निचले हिस्से में गोल-गोल आकृति के रूप में आते हैं, बाद में ऊपर तक फैल जाते हैं पौधा कमजोर होकर एवं तना पोला होकर रोगग्रस्त स्थान से टूट जाता है।

नियंत्रण हेतु - फसल चक्र अपनाएं एवं रोगग्रस्त पौधों को एकत्रित कर नष्ट करें गहरी जुताई करें, सरसों घनी न बोएं। बीजोपचार कार्बेन्डाजिम 3 ग्राम दवा/किलो बीज के हिसाब से करें, तथा 1 ग्राम /लीटर पानी के हिसाब से घोल बनाकर बुवाई के 50 दिन, 65 दिन एवं 80 दिन की फसल पर छिड़काव करें, 2 प्रतिशत लहसुन का अर्क बीजोपचार एवं छिड़काव दोनों के लिए उपयुक्त एवं रोग को कम करता है।

कीट नियंत्रण

दगीला बग/बगराड़ा कीट (पेन्टेड वग)- राई सरसों की फसल को यह कीट दो बार नुकसान पहुंचाता है जब पौधे छोटे होते हैं तब और जब फली बनती है तब, कीट के शिशु एवं प्रौढ़ दोनों ही इसे चूसते हैं जिसकी पत्तियों और पौधों पर सफेद धब्बे स्पष्ट दिखाई देते हैं नियंत्रण हेतु पौधों के अवशेषों को नष्ट कर दें। मेड़ों को साफ रखें, फसल काटने के तुरन्त बाद गहरी जुताई करें जिससे प्रकोप कम होगा। डायमिथियेट या मेटासिस्टाक्स 25 ई.सी. 500 मि.मी. दवा 500 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।

माहू या चैंपा (एफिड) - इस कीट को लसा के नाम से भी जाना जाता है यह छोटे पंख एवं पंख रहित दोनों तरह के हरे, पीले रंग के होते हैं। कीट के शिशु एवं प्रौढ दोनों ही बढ़ने वाले भागों फूलों कलियों, फलियों आदि का झुण्डों में चिपककर रस चूसते हैं, पौधों की बढ़वार रुक जाती है। पैदावार एवं तेल की मात्रा पर बहुत अधिक प्रभाव पड़ता है नियंत्रण हेतु समय पर बोनी करें, प्रकोप की प्रारंभिक अवस्था में कीट प्रभावित टहनियों को तोड़कर नष्ट कर दें डायमिथियेट या मेटासिस्टाक्स 25 ई.सी. 1 लीटर मात्रा 500 लीटर पानी में घोल बनाकर 15 दिन के अंतर से दो छिड़काव करें। मधु-मक्खियों की सुरक्षा के लिये कीटनाशकों का प्रयोग दोपहर के बाद करें।

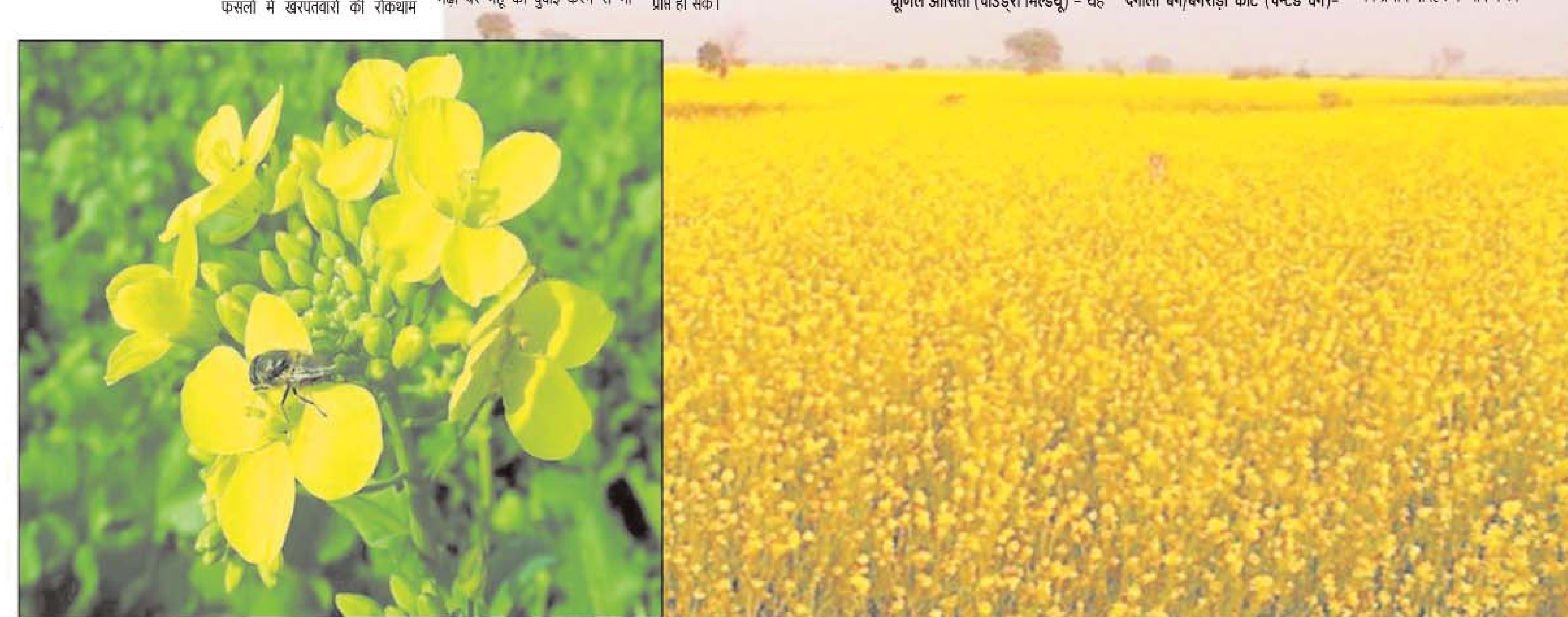

भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा में चयनित छात्र जिला स्तर पर होंगे सम्मानित गायत्री परिवार

जयपुर टाइम्स

चौमू(निसं.) शांतिकुंज हरिद्वार के मार्गदर्शन में आजोजित भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा में चौमू तहसील के छात्र -छात्राओं ने परीक्षा में भाग लिया था । जिसमें छात्र -छात्राओं का वरीयता के आधार पर जिला स्तर पर चयन किया गया। जिनमें कक्षा 11 में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मोरीजा से टीना जांगिड़ ने तृतीय स्थान , कक्षा 6 में शिवाजी पब्लिक स्कूल चौमू से शिक्षा मोरजवाल ने द्वितीय स्थान, कक्षा 7 में रवींद्र विद्या मंदिर सी. सै.स्कूल कालाडेरा से देवांश खंडेलवाल ने तृतीय स्थान, कक्षा 10 में आकाश कॉन्वेंट स्कूल चौमू से रक्षिता सैनी ने प्रथम स्थान, कक्षा 5 में महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय से भावना सैनी ने द्वितीय स्थान,कक्षा 8 में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय भोपावास उदयपुरिया से अक्षिता चौधरी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इन सभी चयनित छात्र - छात्राओं का गायत्री शक्ति पीठ ब्रह्मपुरी जयपुर पर सम्मान समारोह कार्यक्रम में सम्मानित किये जायेंगे।

राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता में राष्ट्रीय स्तर पर द्वितीय पुरस्कार मेडल पदक प्राप्त किया

जयपुर टाईम्स

चाकसू(निस.) चाकसू उपखंड क्षेत्र में ओम शिक्षण संस्थान में पढ़ने वाली बीएसटीसी की प्रथम वर्ष की छात्रा गुड्डी मीणा पुत्री कजोड़मल मीणा निवासी भिडक्यावास ने महाराष्ट्र के नागपुर में आयोजित राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता में महिलाओं वर्ग में मर्दानी खेल में राष्ट्रीय स्तर पर द द्वितीय पुरस्कार मेडल पदक प्राप्त कर गांव व शिक्षण संस्थान का नाम रोशन किया गया। गुड्डी की सफलता पर कुछ प्रकट करते हुए चाकसू पूर्व विधायक वेदप्रकाश सोलंकी एवं कांग्रेस पूर्व सचिव अनीता सोलंकी ने गुड्डी को माला व मिठाई खिलाकर सम्मान किया। वहीं शिक्षण संस्थान के निदेशक बी. आर चौधरी ने भी प्रतिभाशाली गुड्डी का सम्मान करते हुए उसके संस्थान का गौरव बताते हुए खुशी जाहिर की गई। वहीं ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाली इस गुड्डी का ग्रामीण क्षेत्र के लोगों में खुशी का माहौल बना रहा। गांव का क्षेत्रवासियों ने गुड्डी को बधाई संदेश देने के लिए घर सहित सोशल मीडिया का उपयोग लिया।

रेलवे इंस्टिट्यूट परिसर बना असामाजिक तत्वों का अखाडा,

जयपुर टाइम्स

फुलेरा(निसं.) रेलवे विभाग की लापरवाही कही जाए या अनदेखी जिसके चलते रेलवे इंस्टिट्यूट परिसर इन दिनों असामाजिक तत्वों का अखाड़ा बना हुआ है । जहां शाम ढलते ही नशेड़ियों व असामाजिक तत्वों की महफिल जम जाती है । इनके हौसले इतने बुलंद है कि यहां पर बैठ कर रात्रि में शराब पीने के बाद खाली बोतलें,शीशीयां यहीं छोड़ जाते हैं । तथा बिना धणी धोरी के सुना पडा रेलवे इंस्टीट्यूट आमजन के लिए बड़ी परेशानी व समस्या बन गया है । जब प्रातः लोग इस परिसर में लगी जिम मशीनों पर व्यायाम करने आते हैं तब सुबह-सुबह खाली बोतलों के दीदार करने पड़ते हैं। तथा रेल प्रशासन की अनदेखी के चलते रेलवे इंस्टिट्यूट जैसी संस्थानों को असामाजिक तत्वों ने अपनी कारगुजारी का अड्डा बना रखा है। व्यायाम करने आने वाले लोगों का कहना है कि यदि ऐसा ही चलता रहा तो आने वाले समय में रेलवे परिसर की अन्य सुनी पड़ी स्थलों पर भी असामाजिक तत्वों का जमावड़ा बढ़ता जाएगा।

रामलीला मंडल के पदाधिकारियो ने किया कथावाचक का सम्मान

जयपुर टाइम्स

चौमू(निसं.)। शहर की चौपड़ के समीप सब्जी मंडी के पास स्थित अग्रवाल धर्मशाला में स्थापित श्रीसत्यनारायण मंदिर परिसर में चल रही श्रीमद् भागवत कथा सप्ताह के पांचवें दिन गुरुवार को श्रीआदर्श रामलीला मंडल के पदाधिकारियो के द्वारा कथा वाचक पंडित रामबाबू शास्त्री व कथा आयोजक सत्यनारायण सर्राफ व यज्ञदत्त सर्राफ का माल्यार्पण कर चुनरी का साफा एवं दुपट्टा पहनाकर सम्मान किया द्य इस मौके पर आयोजक परिवार की ओर से भी रामलीला मंडल के पदाधिकारियो का स्वागत किया गया द्य इस अवसर पर रामलीला मंडल के अध्यक्ष कालूराम जाट, महामंत्री गोपाल लाल रेवड़का, वेशभूषा डायरेक्टर प्रभु दयाल गैसका, चंद्रप्रकाश शर्मा, अरविंद भातरा मौजूद थे ।

मंगलेश्वर महादेव व हठीले हनुमान मंदिर में मनाया पाटोत्सव

जयपुर टाइम्स

चौमू(निसं.)। शहर के बस स्टैंड कुम्हारो के मोहल्ले शिव कॉलोनी में स्थित श्री श्री 1008 श्री मंगलेश्वर महादेव एवं हठीले हनुमान मंदिर में गुरुवार को पाटोत्सव मनाया गया द्य मंदिर समिति के आयोजक गोपाल लाल सैन ने बताया कि यह मंदिर काफी वर्षों पुराना है द्य जिसका प्रतिवर्ष पाटोत्सव कार्यक्रम मनाया जाता है द्य गुरुवार को पाटोत्सव कार्यक्रम के तहत मंदिर परिसर में सत्संग कार्यक्रम का आयोजन किया गया द्य जिसमें काफी संख्या में महिलाओं, पुरुषों ने भाग लिया द्य सायंकाल के समय मंदिर परिसर में भगवान की आरती की गई एवं भोग लगाया गया द्य इस अवसर पर मंदिर को रंगबिरंगी रोशनी से सजाया गया द्य भोग आरती के पश्चात श्रद्धालुओं को पंगत प्रसादी खिलाई गई द्य जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने पंगत प्रसादी ग्रहण की द्य कार्यक्रम में पूर्व विधायक रामलाल शर्मा, पूर्व नगरपालिका उपाध्यक्ष व श्रीवीर तेजाजी विकास समिति के अध्यक्ष कालूराम जाट, सेन समाज के पूर्व अध्यक्ष कन्हैयालाल सेन,अरविंद भातरा ने शिरकत की ।

सैनिक सुरक्षा जवान एवं सुरक्षा सुपरवाईजर के पदों पर भर्ती चयन परीक्षा 8 फरवरी से

जयपुर टाईम्स

सवाई माधोपुर(निसं.)। भारतीय सुरक्षा दस्ता परिषद नई दिल्ली एवं ग्लोबल इंडिया स्किल प्लेसमेंट के संयुक्त तत्वाधान मे सवाई माधोपुर जिले के ग्रामीण और शहरी शिक्षित बेरोजगार अभ्यर्थियों को सैनिक सुरक्षा जवान और सैनिक सुरक्षा सुपरवाईजर के पदों पर भर्ती चयन परीक्षा का आयोजन 8 फरवरी से किया जाएगा। कमांडेड कार्यालय कपिल शर्मा ने बताया कि ग्रामीण और शहरी शिक्षित बेरोजगार अभ्यर्थियों को रोजगार प्रदान करने के लिए सिक्योरिटी स्किल काउंसियल ऑफ इंडिया द्वारा 8 फरवरी, 2025 को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय खंडार, 10 एवं 11 फरवरी को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मलारना डूंगर, 12 फरवरी को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बौंली, 13 फरवरी को राजकीय उच्च माध्यमिक चौथ का बरवाड़ा, 14 एवं 15 फरवरी को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सवाई माधोपुर, 17 फरवरी को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बरनाला, 18 फरवरी को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बामनवास पट्टी खुर्द, 19 एवं 20 फरवरी को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय गंगापुर सिटी में प्रातः 10 बजे से अपरान्ह 3 बजे तक भर्ती केम्प का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इच्छुक बेरोजगार अभ्यर्थियों जिनकी योग्यता सैनिक सुरक्षा जवान में 10 वी पास, आयु 19 से 40 वर्ष, लंबाई 168 सेमी एवं सुपरवाईजर 12वीं पास आयु 21 से 37 वर्ष, लंबाई 170 सेमी होने के साथ ही शारिरिक फिजिकल फीट होना आवश्यक है इच्छुक बेरोजगार अभ्यर्थियों उक्त तिथियों में अपनी 10 वीं एवं 12 वीं की अंक तालिका, दो पासपोर्ट साइज फोटो एवं आधार कार्ड के साथ कैंप में उपस्थित होकर इस अवसर का लाभ उठा सकते हैं। उन्होंने बताया प्रशिक्षण में चयनित अभ्यर्थियों को सफलता पूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त करने के पश्चात 65 वर्ष तक स्थाई रोजगार प्रदान किया जाएगा। इसके साथ ही उन्होंने बताया सुरक्षा जवान को 14 हजार से 18 हजार मासिक वेतन सुपरवाईजर को 16 हजार से 20 हजार रुपये मासिक वेतन पर भारत सरकार राज्य सरकार के अधीन राष्ट्रीय बैंकों औद्योगिक प्रतिष्ठानों जैसे एसबीआई बैंक, येस बैंक, चित्तौड़गढ़ का किला, कुंभलगढ़ का किला, दिल्ली का लाल किला, चाँद बावड़ी आभानेरी, भानगढ़ का किला, कुतुब मीनार,,गुड़गांव हीरो होंडा कंपनी में मानदेय दिया जाएगा। अधिक जानकारी के लिए भर्ती अधिकारी के मोबाइल नंबर 9528537814, 8057562760 पर संपर्क कर सकते हैं।

सड़को के नवीनीकरण कार्यो के लिए 1.80 करोड़ की मिली स्वीकृति

पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने जताया मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री का आभार

जयपुर टाइम्स

चौमूँ(निसं.)। विधानसभा क्षेत्र चौमूँ में सड़को के नवीनीकरण कार्य के लिए सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा 1.80 करोड़ की स्वीकृति जारी की गई है। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता एवम् पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी का आभार जताया। सड़क कार्यो के लिए धोबलाई रोड से पिपली स्टैंड तक 2 किमी. (36 लाख) ,चीथवाड़ी से चोप रोड तक 3 किमी. (54 लाख), किशनपुरा से किरत सिंह का बास तक 1.50 किमी. (27 लाख), सिंगोदखुर्द से बागड़ा ब्रिज तक 1.50 किमी. (27 लाख), कालाडेरा से प्रागपुरा तक 2 किमी. निर्माण के लिया लाख रुपयों की स्वीकृति मिली है, पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने बताया कि विधानसभा क्षेत्र में सड़को के नवीनीकरण कार्य के लिए 1.80 करोड़ रुपयों की स्वीकृति मिली हैं, उक्त सड़के बारिश में काफ़ी क्षतिग्रस्त हो चुकी थी। सड़को के नवीनीकरण का कार्य शीघ्र ही प्रारंभ कर दिया जाएगा, जिससे आने वाले समय में आमजन को राहत मिल सकेगी।

घरेलू गैस सिलेंडर के दुरुपयोग और अवैध रिफिलिंग के विरुद्ध कार्यवाही

जयपुर टाइम्स

बीकानेर(निस)। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री के निर्देशानुसार घरेलू एलपीजी सिलेंडर के दुरूपयोग व अवैध रिफिलिंग की रोकथाम के अभियान के तहत गुरुवार को प्रवर्तन अधिकारी कृष्ण कुमार तथा प्रवर्तन निरीक्षक प्रखर भार्गव ने चौखूंटी पुलिया के नीचे रामदेव मंदिर के पास एक दुकान पर धर्मपाल पुत्र नैनपाल को घरेलू गैस सिलेंडर से अवैध रिफिलिंग और भंडारण करते पाया। इस दौरान एक घरेलू एलपीजी सिलेंडर के साथ एक इलेक्ट्रोनिक कांटा तथा एक गैस रिफिलिंग मशीन जब्त की गई। एक अन्य कार्रवाई में प्रवर्तन निरीक्षक जय सिंह तथा राहुल गुलानी ने जयपुर रोड पर सांगलपुरा में एक दुकान पर जेठू सिंह पुत्र रामसिंह निवासी फड़बाजार को घरेलू गैस सिलेंडर से अवैध रिफिलिंग और भंडारण करते पाया गया। उससे दो घरेलू एलपीजी सिलेंडर के साथ एक इलेक्ट्रोनिक कांटा और एक गैस रिफिलिंग मशीन जब्त किए। इन दोनों प्रकरणों में आरोपियों के विरूद्ध एलपीजी अधिनियम, 2000 के खंड सं. 3, 4, 5 व 7 के अंतर्गत कार्रवाई की जाकर सक्षम न्यायालय में वाद पेश किया जाएगा। जिला रसद अधिकारी ने बताया कि राज्य सरकार घरेलू गैस सिलेंडरों के दुरूपयोग रोकने के लिए कटिबद्ध है। इसके मद्देनजर उन्होंने आमजन से अपील है कि घरेलू गैस सिलेंडरों का दुरूपयोग होता दिखाई दे, तो जिला रसद कार्यालय के दूरभाष नंबर 0151-2226010 पर सूचित करें। शिकायतकर्त्ता का नाम गुप्त रखा जाएगा।

हस्तेडा पंचायत के अधीन आंगनबाड़ी केदो का किया औचक

जयपुर टाइम्स

चौमूं(निसं.)। हस्तेडा ग्राम पंचायत के स्थित आंगनबाड़ी केंद्रों पर गोविंदगढ़ महिला बाल विकास परियोजना के अधिकारी मनोरमा शर्मा वह उनकी टीम के साथ आंगनबाड़ी केंद्रों पर पहुंचकर किया औचक निरीक्षण । अधिकारी शर्मा ने जो भी खामियां है उसकी पूर्ति करने का दिया निर्देश । इसी प्रकार निरीक्षण के दौरान ग्राम पंचायत नृसिंहपुरा में जनसुनवाई का कार्यक्रम रखा गया । दोनों पंचायत में पहुंचकर आंगनबाड़ी केंद्रपर निरीक्ष्3ाण निरीक्षण के दौरान दुध के पैकेट चैक किए गए चालान चैक किए गए कितने बच्चों को दिया जा रहा है कब दिया जाता है बच्चों के अभिभावक से बात की गई । साथ में ही उपस्थित रजिस्टर में पंजीकृत बच्चों की जानकारी ली गई है । स्थानीय ए एन एमके द्वारा समय-समय पर टीकाकरण किया जा रहा है या नहीं यह भी जानकारी ली और समय पर एएनएम को टीकाकरण करने को निर्देश दिए । ओर केंद्र पर बच्चों से गतिविधियां कराई गई है । इस अवसर पर महिला बाल विकास परियोजना के पर्यवेक्षक शांत सोनी सहित आंगनबाड़ी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

केंद्रीय विधि व न्याय मंत्री मेघवाल आज आएंगे

बीकानेर(निस)। केंद्रीय विधि व न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल शुक्रवार प्रात 8.25 बजे दिल्ली एयरपोर्ट से रवाना होकर प्रातः 9.45 बजे नाल एयरपोर्ट पहुंचेंगे और इंडिगो फर्स्ट फ्लाइट सेरेमनी में शिरकत करने के बाद प्रातः 10.05 बजे वायुयान से दिल्ली के लिए प्रस्थान करेंगे।

माना देवी निर्विरोध वार्ड पंच घोषित

जयपुर टाइम्स

सांभरलेक(निस)। ग्राम पंचायत हबसपुरा के वार्ड नंबर 2 में माना देवी गुर्जर को निर्विरोध वार्ड पंच घोषित किया गया है। रिटर्निंग अधिकारी श्याम बिहारी शर्मा ने बताया कि ग्राम रिणगी वार्ड नंबर 2 में मनोहरी देवी का 4 अप्रैल 2024 को निधन हो जाने से यहां वार्ड पंच का पद रिक्त हो गया था। यहां माना देवी गुर्जर पत्नी बहादुर गुर्जर ने नामांकन भरा। एक ही नामांकन दाखिल होने के चलते गुरुवार को माना देवी को निर्विरोध वार्ड पंच घोषित किया गया और निर्वाचन पत्र सौंपा गया। माना देवी के निर्विरोध वार्ड पंच घोषित होने पर धीरू भाई रिणगी, विष्णु रिणगी, लक्ष्मण सिंह, सूरज चाड सहित कई लोगों ने बधाई दी और खुशी का इजहार किया है।

अध्यक्ष देवनानी ने मंत्री श्री राठौड़ के पिता के निधन पर जताया शोक

दिवगंत आत्मा की शांति और परिजनों को हिम्मत के लिये की प्रार्थना

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष श्री वासुदेव देवनानी ने गुरूवार को मंत्री राज्यवर्धन राठौड के पिता कर्नल लक्ष्मण सिंह राठौड़ के निधन पर गहरा शोक जताया है। श्री देवनानी ने कहा कि स्व. लक्ष्मण सिंह का जीवन अनुकरणीय और प्रेरणा का स्त्रोत है। उन्होंने अपने कर्तव्यों का निर्वहन सच्ची निष्ठा व समर्पण के साथ किया। उनका स्नेह, मार्गदर्शन और जीवन के प्रति उनकी गहरी समझ सभी को सदैव स्मरणीय रहेगी। देवनानी ने दिवगंत आत्मा की शांति और शोक संतप्त परिजनों को इस दुख को सहन करने शक्ति प्रदान करने के लिये परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना की है।

अपंजीकृत चिकित्सकों के खिलाफ हो रही प्रभावी कार्रवाई -चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री

जयपुर टाइम्स

जयपुर(निसं.)। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह ने गुरुवार को विधानसभा में कहा कि अवैध रूप से अपंजीकृत चिकित्सकों (नीम हकीम) क्लिनिक संचालकों की सूचना विभाग के संज्ञान में आने पर राज्य सरकार द्वारा गठित कमेटी के माध्यम से वांछित कार्रवाई की जाती है। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री ने प्रश्नकाल में विधायक बालमुकुन्दाचार्य के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में बताया कि विगत एक वर्ष में जयपुर जिले में अपंजीकृत चिकित्सकों को नोटिस जारी करते हुये उनके द्वारा संचालित क्लिनिकों को बन्द करवाया गया। उन्होंने इसका विवरण सदन की मेज पर रखा।

विभिन्न मामलों में पांच आरोपी गिरफ्तार

जयपुर टाइम्स

सांभरलेक(निस)। पुलिस ने विभिन्न मामलों में कार्रवाई करते हुए गुरुवार को पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। थाना अधिकारी राजेंद्र कुमार यादव ने बताया कि ताश पत्ती पर जुआ खेलते साबुदीन पुत्र गफूर खान, राजेश कुमार पुत्र ताराचंद गवारिया, घनश्याम परेवा पुत्र ईश्वरलाल खटीक, चिरंजीलाल पुत्र भीलचंद खटीक निवासी नकाशा मोहल्ला सांभरलेक को गिरफ्तार किया है। इसी प्रकार गणेश नारायण पुत्र रामजीलाल बंजारा को आबकारी अधिनियम में गिरफ़्तार किया है।

जयपुर में महिला के पेट में 15 किलो की गांठ

जयपुर (कास)जयपुर में एक महिला के पेट का ऑपरेशन कर 15 किलो की गांठ निकाली गई। सवाई मान सिंह हॉस्पिटल में 4 घंटे चले ऑपरेशन में गांठ के 6-7 टुकड़े कर निकाला गया। हॉस्पिटल में जनरल सर्जरी डिपार्टमेंट के एसोसिएट प्रोफेसर डॉक्टर राजेंद्र बुगलिया ने बताया- गांठ इतनी बड़ी थी कि इससे पेट की आंत और बायीं तरफ की किडनी दोनों दब रहे थे।

जिले बनाने या समाप्त करने का राज्य सरकार को पूर्ण अधिकार -संसदीय कार्य मंत्री

जयपुर(कास) संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने गुरुवार को विधान सभा में कहा कि प्रदेश के जिलों, क्षेत्रों, डिवीजन आदि के निर्माण, समाप्ति अथवा परिवर्तन करने की शक्ति राज्य सरकार के पास है। राज्य सरकार प्रदेश में नए जिले, उपखंड, तहसील, उप तहसील और गांवों का गठन/पुनर्गठन कर सकती है। पटेल ने शून्यकाल में विधान सभा सदस्य द्वारा पूछे गए प्रश्न का जवाब देते हुए कहा कि राजस्थान भू–राजस्व अधिनियम 1956 के सेक्शन 15 और 16 के अनुसार जिले बनाने या समाप्त करने का राज्य सरकार को पूर्ण अधिकार है। उन्होंने कहा कि पूर्व में बनी परमेश चंद्र कमेटी के आधार पर व इसके अनुरूप ही वर्तमान कमेटी का निर्धारण किया गया है। इसमें किसी प्रकार का कोई राजनैतिक प्रभाव नहीं रहा। वर्तमान में जिलों को समाप्त करने का निर्णय पूर्ण बारीकी व गहन अध्ययन के बाद ही किया गया है। इसमें भौगोलिक स्थिति, जनसंख्या, प्रशासनिक व्यवस्था, पिछड़ापन तथा बुनियादी सुविधाओं जैसे आधारभूत मापदंडों के आधार पर ही नवीन जिलों में से 9 जिलों को समाप्त किया गया है। पटेल ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के आमजन के हितार्थ सदैव आवश्यक कदम उठा रही है। राज्य सरकार ने पूर्ण पारदर्शिता, निष्पक्षता और दूरगामी सोच के साथ ही जिलों को समाप्त करने का निर्णय लिया गया है।आकाश/ दयाशंकर

कार्यालय नगरपालिका तारानगर (चूरू) राज.

क्रमांक :- न.पा.ता./2024-25/7156 दिनांक :- 31/01/2025

निविदा सूचना

नगरपालिका तारानगर द्वारा फर्म/पंजीकृत संवेदको के माध्यम से पालिका में कम्प्यूटर कार्य हेतु ऑपरेटर उपलब्ध करवाये जाने हेतु निविदा दिनांक 15.02.2025 को 11:00 बजे तक निविदा कॉपी विक्रय की जाकर दोपहर 02:00 बजे तक आमंत्रित जायेगी। जिसकी निविदा से सम्बन्धित विवरण व शर्तें वेबसाईट sppp.raj.nic.in पर देखी जा सकती है।

Amount :- 4.80 Lakh & UBN No -DLB2425SSOE16391

अधिशाषी अधिकारी
नगरपालिका तारानगर

राज.संवाद/सी/24/11271

RAJASTHAN POLICE INFRASTRUCTURE DEVELOPMENT CORPORATION LTD, JAIPUR

(Government of Rajasthan Undertaking) CIN NO. U45201RJ2013SGC083014, Regd. Office : 756, Police Head Quarter, Lal Kothi, Jaipur (Raj.), Phone: 0141-2740784, Fax: 0141-2744294, e-mail: rpidcl@rajasthan.gov.in

क्रमांक :- RPIDCL/469/NIT/2024-25/D-3840 दिनांक :- 28/01/2025

ई-निविदा सूचना सं. 21/2024-25

निम्नलिखित कार्यों के लिए राज्य/केन्द्र सरकार के अभियांत्रिकी विभागों/उपक्रमों में समकक्ष श्रेणी में पंजीकृत योग्य एवं अनुभवी संवेदकों से नियमानुसार पाँच वर्षो की डीएलपी के अन्तर्गत निर्धारित प्रपत्र में 60 कार्यों की एकल बिड के तहत आमंत्रित की जाती है।

निविदा की कुल लागत	रूपये 2585.88 लाख
ऑनलाईन निविदा फॉर्म मिलने की तारीख	05 फरवरी 2025 प्रातः 9.30 बजे से 25 फरवरी, 2025 सायं 04.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा फॉर्म जमा कराने की तारीख	25 फरवरी, 2025 सायं 6.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा खोलने की तारीख	25 फरवरी, 2025 सायं 4.00 बजे

निविदा सम्बन्धित जानकारी राजस्थान पुलिस की बेबसाइट www.police.rajasthan.gov.in, www.sppp.raj.nic.in एवं http://eproc.rajasthan.gov.in पर भी उपलब्ध रहेगी। इच्छुक संवेदको को निविदा संबंधित जानकारी प्रबन्ध निदेशक कार्यालय से कार्यालय समय में प्राप्त की जा सकती है। भविष्य में निविदाओं में संशोधन होने पर उपरोक्त वेबसाइटों पर ही प्रेषित किया जावेगा।

UBN No. : RID2425WSOB00339 To RID2425WSOB00398

राज.संवाद/सी/24/11270 महाप्रबन्धक

कार्यालय उप वन संरक्षक, चूरू

क्रमांक- 96772 दिनांक-29.01.2025

इस कार्यालय के अधिन निम्नानुसार विकास कार्य करवाये जाने है

क्र.सं.	ई-बिड संख्या	कार्य का नाम	अनुमानित लागत राशि	UBN नम्बर
1	50/2024 25	सुविधायुक्त गार्ड चौकी निर्माण कार्य नगर वन चूरू 'बी'।	7.25 लाख	FOR2425WSOB04102

ई बोली एवं खुली बोली से संबंधित समस्त विवरण / नियम एवं शर्तें वेबसाईट www. sppp.raj.nic.in & www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

उप वन संरक्षक, चूरू

कार्यालय नगर पालिका मण्डल, फुलेरा जिला जयपुर

क्रमांक-न.पा.फु/2024-25/3243 दिनांक- 03-02-25

आपत्ति सूचना

एतद्द्वारा हितबद्ध, व्यक्ति विशेष आम खास को सूचित किया जाता है कि पालिका क्षेत्र मे अधोलिखित व्यक्तियों द्वारा नामान्तरण / फोति नामान्तरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है।

क्र.स	प्रार्थी का नाम	स्थान	मूल पटटाधारक	क्षेत्रफल वर्गगज	प्रयोजनार्थ
1	श्री जितेन्द्र कुमार सैनी पुत्र श्री ग्यारसी लाल सैनी	प्लाट नं. 35-सी वाके ढाणी कारीगरान फुलेरा	श्री लादूराम पुत्र रुधा माली	266.66	नामान्तरण

किसी भी व्यक्ति को निम्नांकिंत ईजाजत बाबत आपत्ति हो तो आपत्ति आमंत्रण सूचना जारी होने की तिथि से 7 दिवस के अन्दर मयाद विधिमान्य दस्तावेजों सहित लिखित में आपत्ति कार्य दिवस के दौरान कार्यालय समय में अधोहस्ताक्षकर्त्ता को प्रस्तुत करावे बाद मयाद गुजरने आपत्ति मान्य नही होगी।

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका मण्डल, फुलेरा

कार्यालय नगरपालिका मण्डल तारानगर (चूरू) राजस्थान

क्रमांक- न.पा.ता / 2024-25 / 7223 दिनांक- 06/01/25

आपत्ति सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि नगरपालिका क्षेत्र तारानगर के निम्नांकित भूखण्ड धारियो ने 69ए नियमन हेतु पत्रावलियां जमा करवायी गयी है अतः जिस किसी को कोई आपत्ति हो तो इस आपत्ति सूचना के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस मे सप्रमाण आपति इस कार्यालय मे प्रस्तुत करे। बाद अवधि प्राप्त आपत्ति पर विचार नही किया जायेगा ।

क्र.स.	आवेदक का नाम पिता का नाम	वार्ड नं.	ऑनलाईन आवेदन	आवेदन सं.	कुल तादादी	प्रयोजनार्थ
1.	कुलदीप कुमार सुराणा पुत्र कन्हैयालाल सुराणा	11	210092	4489	149.01 वर्गमीटर	69ए नियमन
2.	नसरत बानो पत्नी मंगतू खां	15	210100	4490	219.23 वर्गमीटर	69ए नियमन

अधिशाषी अधिकारी
नगरपालिका तारानगर

कार्यालय नगरपालिका मण्डल तारानगर (चूरू) राजस्थान

क्रमांक- न.पा.ता/2024-25/7217 दिनांक- 06-02-25

आपत्ति सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि नगरपालिका क्षेत्र तारानगर के निम्नांकित भूखण्ड धारियो ने 69ए सरेण्डर नियमन हेतु पत्रावलियां जमा करवायी गयी है अतः जिस किसी को कोई आपत्ति हो तो, इस आपत्ति सूचना के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस मे सप्रमाण आपति इस कार्यालय मे प्रस्तुत करे। बाद अवधि प्राप्त आपत्ति पर विचार नही किया जायेगा।

क्र.स.	आवेदक का नाम पिता का नाम	वार्ड नं.	ऑनलाईन आवेदन	आवेदन सं.	कुल तादादी	प्रयोजनार्थ
1	पवन कुमार सैनी पुत्र रतनलाल सैनी	22	210339	4491	90.25 वर्गमीटर	69ए नियमन
2	प्रेमचन्द पुत्र हनुमानाराम	16	209191	2159	130.98 वर्गमीटर	कृषि भूमि नियमन
3	विकास कुमार अग्रवाल पुत्र महेश कुमार अग्रवाल	11	210688		26.01 वर्गमीटर	69ए सरेण्डर

अधिशाषी अधिकारी
नगरपालिका तारानगर

महिला कांग्रेस की पूर्व जिलाध्यक्ष तेजस्वनी ने की गहलोत से मुलाकात

जयपुर टाइम्स

झुंझुनू(निस)। झुंझुनूं महिला कांग्रेस की पूर्व जिलाध्यक्ष तेजस्वनी शर्मा ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से उनके निवास पर मुलाकात की। उन्हें बुके भेंट कर स्वास्थ्य के बारे में जाना। इस दौरान उन्होंने जिले की राजनीति को लेकर चर्चा करते हुए फीड बैक दिया। आगामी नगर निकायों चुनाव को लेकर भी चर्चा की। शर्मा ने नगर निकायों में परमिशन को लेकर किए जा रहे भेदभाव मुद्दा भी उनके सामने रखा। वहीं संगठन से लंबे से जुड़े कार्यकर्ताओं को उचित जगह दिए जाने के मुद्दे पर भी चर्चा हुई। इस दौरान कांग्रेस नेता आबिद खान भी साथ रहे। पूर्व जिलाध्यक्ष तेजस्वनी शर्मा ने बताया कि पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से उनके निवास पर मुलाकात की है। जिले की राजनीति से जुड़े कई मुद्दे उनके सामने रखे हैं। उन्होंने उनके समाधान का आश्वासन दिया है। इस मुलाकात के बाद झुंझुनूं जिले की राजनीति को लेकर कई तरह के मायने निकाले जा रहे हैं।

वसुंधरा राजे ने लगाई शाकम्बरी माता के दरबार में धोक

जयपुर टाइम्स

झुंझुनू(निस)। वसुंधरा राजे समर्थक मंच के वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष व भाजपा नेता महेश बसावतिया के नेतृत्व में राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वसुंधरा राजे का भवानी के दरबार में दुपट्टा व विप्र सेना का प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर भाजपा नेता शंकर लाल शर्मा ने माला व धार्मिक पटके से महारानी का सम्मान किया। विदित हो राजे मां शाकंभरी के दरबार में प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य केदार शर्मा के सानिध्य में धार्मिक आयोजन हवन में भाग लेने आई थी। इस अवसर पर वसुन्धरा राजे ने परिवर्तन यात्रा की यादें ताजा करते हुए महेश बसावतिया की प्रशंसा की व भाजपा के प्रति उनकी निष्ठा व समर्पण की सराहना की। इस अवसर पर भाजपा के नेता शंकरलाल शर्मा डूडलोद की परिवर्तन यात्रा की चर्चा चली व विप्र समाज के शंकर लाल शुक्ला साथ रहें। हवन के पश्चात मां के दरबार में धोक लगाकर प्रदेश के लोगो के खुशहाली की कामना की।

भैंरू जी महाराज की मूर्ति स्थापना समारोह आज

जयपुर टाइम्स

झुंझुनू/गुढ़ागौड़जी(निसं.)। बासडी बड़वा की ढाणी में शुक्रवार को भेरुजी महाराज की प्रतिमा का अनावरण किया जाएगा। नवनिर्मित मंदिर का पूजा अर्चना के बाद में उद्घाटन किया जाएगा। पूजा अर्चना में पुष्कर से महंत वह महाराज होंगे शामिल देवसेना के प्रदेश सचिव धर्मपाल गुर्जर ने बताया कि पुष्कर से लाई गई गई इस भेरुजी प्रतिमा अनावरण 51 हीरामल देव महाराज के गुरु की ओर से किया जाएगा। उसके साथ ही 31 हीरामल देव महाराज के भक्तों ने गुरुवार को 151 महिलाओं के साथ विशाल कलश यात्रा निकाली। इस मौके पर भेरुजी महाराज के भगत धामा राम गुर्जर ने अधिक से अधिक लोगों को पहुंचने के अपील की गई। शुक्रवार रात्रि को भव्य जागरण का आयोजन किया जाएगा। शनिवार को दिन में विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। शुक्रवार को दूर-दराज से भेरुजी महाराज के कई भक्त शामिल होगें।

पेयजल आपूर्ति के संबंध में संभाग स्तरीय बैठक 12 को

जयपुर टाइम्स

बीकानेर(निस)। संभागीय आयुक्त नम्रता वृष्णि की अध्यक्षता में 12 फरवरी प्रात 11.30 बजे संभागीय आयुक्त सभागार में बैठक आयोजित की जाएगी। इस दौरान आगामी ग्रीष्मऋतु में प्रस्तावित नहरबंदी के दौरान पेयजल की सुचारू आपूर्ति बनाए रखने की कार्ययोजना व तैयारियों की समीक्षा की जाएगी। बैठक में संभाग के चारों जिलों के जिला कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, आईजीएनपी और जलदाय विभाग के अधिकारी मौजूद रहेंगे।

आठवीं बोर्ड परीक्षा के नियमों में महत्वपूर्ण बदलाव

प्रमोट होने के लिए 33 अंक जरूरी, कम आए तो देनी होगी पूरक परीक्षा

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(निस)। प्रारंभिक शिक्षा निदेशालय ने इस बार आठवीं बोर्ड परीक्षा को लेकर कई नियमों में बदलाव किए हैं। इस बार आठवीं के विद्यार्थी को 100 में से 33 अंक लाने होंगे। अगर इससे कम अंक आए तो उसे पूरक परीक्षा से देनी पड़ेगी। इसमें पास होने पर ही उसे 9 वीं कक्षा में प्रमोट किया जाएगा। अगर पूरक परीक्षा में भी पासिंग मार्क हासिल नहीं किए तो फेल भी किया जा सकता है। विद्यार्थियों के प्रदर्शन का आकलन 100 अंकों के आधार पर किया जाएगा। इसमें से 80 अंक लिखित परीक्षा के होंगे, जबकि 20 अंक सत्रांक के लिए निर्धारित किए गए हैं। विद्यार्थियों को सत्रांक के 20 अंकों में से 5 अंक उपस्थिति और 15 अंक शैक्षिक गतिविधियों के लिए मिलेंगे। परीक्षा परिणाम ग्रेडिंग प्रणाली के आधार पर घोषित किया जाएगा। खास बात यह है कि 8वीं परीक्षा में

विद्यार्थियों से कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। परीक्षा में दक्षता आधारित प्रश्नों को शामिल किया है, जिससे विद्यार्थियों के व्यावहारिक और अवधारणात्मक ज्ञान का मूल्यांकन किया जाएगा। मूल 6 विषयों हिन्दी, गणित, अंग्रेजी, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान व तृतीय भाषा का दक्षता आधारित परीक्षा के जरिए मूल्यांकन किया जाएगा तथा कला शिक्षा, कार्यानुभव, स्वास्थ्य और शारीरिक शिक्षा के मूल्यांकन के लिए 5 प्वाइंट ग्रेडिंग स्केल अपनाया जाएगा। इन विषयों के लिए कोई लिखित परीक्षा नहीं होगी, बल्कि विद्यालय स्तर पर की गई गतिविधियों के आधार पर अंक दिए जाएंगे।

30 हजार 880 विद्यार्थी होंगे परीक्षा में शामिल

झुंझुनूं जिले में सरकारी और प्राइवेट स्कूलों के लगभग 30 हजार 880 विद्यार्थी इस परीक्षा में शामिल होंगे। परीक्षा के आयोजन, संचालन और मूल्यांकन की पूरी जिम्मेदारी डाइट प्राचार्य को दी गई है। विद्यार्थियों को मुख्य परीक्षा में ही सानुग्रह अंक देने की व्यवस्था की गई है। यदि किसी एक विषय में विद्यार्थी पासिंग मार्क्स से चूकता है तो उसे अधिकतम 5 प्रतिशत अतिरिक्त अंक मिल सकते हैं। यदि दो विषयों में विद्यार्थी पासिंग मार्क्स से कम अंक प्राप्त करता है तो हर विषय में 2-2 प्रतिशत अतिरिक्त अंक दिए जाएंगे। यह अनुग्रह अंक केवल मुख्य परीक्षा में ही लागू होंगे, पूरक परीक्षा में नहीं।

पुनर्गणना के देना होगा 100 रुपए चार्ज

आठवीं कक्षा परीक्षा में पुनर्मूल्यांकन नहीं होगा। केवल पुनर्गणना होगी, वो भी डाइट स्तर का विकल्प उपलब्ध होगा। विद्यार्थी सीबीईओ के माध्यम से पुनर्गणना का आवेदन कर सकते हैं। प्रत्येक विषय के लिए 100 रुपए पुनर्गणना शुल्क निर्धारित किया।

जिओ के इलेक्ट्रोनिक मार्ट में 60 लाख रुपए की चोरी, तीसरी नजर में कैद

शटर तोड़कर घुसे, कीमती मोबाइल-कैश ले गए

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(निस)। झुंझुनूं में जिओ के इलेक्ट्रॉनिक मार्ट से 60 लाख रुपए की चोरी हुई है। चोर शटर तोड़कर अंदर घुसे। मार्ट में रखे मोबाइल व नगदी चोरी कर ले गए। घटना गुरुवार सुबह करीब 5 बजे की है। सुबह मालिक मार्ट पहुंचा तो घटना का पता चला। सूचना के बाद कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। मौके से सबूत जुटाए। पुलिस ने बताया कि झुंझुनूं निवासी संजीव कुमार पुत्र हरलाल सिंह ढ़ाका के मार्ट पर चोरी हुई है। संजीव कुमार का पीरू सिंह सर्किल पर एसबीआई बैंक के पास जीओ डिजिटल का इलेक्ट्रॉनिक सामान व मोबाइल का स्टोर है। गुरुवार सुबह 5 बजे के करीब 5 से 6 लोग शटर तोड़कर अंदर घुसे है। स्टोर ने मालिक 50 से 60 लाख रूपए के मोबाइल और 65 हजार 800 रूपए नकद चोरी होने की रिपोर्ट दी है। मौका मुआयना किया है, चोरां की तलाश कर रहे हैं।

मार्ट खोलने पहुंचा तो पता चला

पीड़ित संजीव कुमार ने बताया कि उसका झुंझुनूं शहर में पीरू सिंह सर्किल पर एसबीआई बैंक के पास जीओ को इलेक्ट्रॉनिक मार्ट है। गुरुवार सुबह मार्ट पहुंचा तो शटर टूटा हुआ था। अंदर जाकर देखा तो सामान बिखरा हुआ था। करीब 50 से लाख रुपए के मोबाइल और गल्ले में रखे 65 हजार 800 रूपए गायब थे। मोबाइल में आईफोन जैसे कीमती मोबाइल थे। उसके बाद पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौका-मुआयना कर सबूत जुटाए। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोरों की तलाश में जुटी है।

सीसीटीवी में कैद हुई घटना

चोरी की ये पूरी स्टोर में लगे सीसीटीवी में कैद हो गई। गुरुवार सुबह 5: 13 बजे 5 से 6 युवक स्टोर के बाहर शटर से छेड़छाड़ करते हुए दिख रही है। सभी युवकों ने चेहरे पर शॉल डाली हुई थी। वही दूसरे फुटेज में एक युवक स्टोर के अंदर सामान चोरी करते हुए नजर आ रहा है।

रूपए उधार मांगे, मना किया तो कर डाली मारपीट और तोड़फोड़

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(निस)। एक मिष्ठान भंडार संचालक से कुछ आरोपियों ने रुपए उधार नहीं देने पर मारपीट करने और दुकान में तोड़फोड़ करने का मामला सामने आया है। उप महानिरीक्षक पुलिस, जिला झुन्?झुनू ने बताया कि गुरुवार को श्री नारायण सिंह जोधपुर मिष्ठान भण्डार ग्राम बडाऊ ने थाना खेतड़ी नगर पर सूचना दी कि सुरेन्द्र सिंह पुत्र तेजुसिंह शेखावत के साथ 2-3 आदमी मेरी दुकान पर आए व दुकान पर आकर दुकान में तोड़फोड़ की गई। इत्यादि सूचना पर थानाधिकारी पुलिस थाना खेतड़ी नगर मय जाप्ता के तत्काल मौके पर पहुंचे और घटनास्थल निरीक्षण किया गया व मिष्ठान भण्डार के संचालक नारायण सिंह से घटना के संबंध में जानकारी प्राप्त की गई। संचालक ने बताया कि मैंने ग्राम बडाऊ में करीबन 10 वर्षों से जोधपुर मिष्ठान भण्डार के नाम से मिठाई की दुकान खोल रखी है। गुरुवार सुबह सुरेन्द्र सिंह पुत्र तेजु सिंह दुकान पर आया जिसने मेरे से 50 हजार रूपये उधार मांगे जो मैंने रूपये नहीं दिए। उसके कुछ समय बाद सुरेन्द्र सिंह पुत्र तेजुसिंह, सोनुसिंह पुत्र मुन्नी सिंह राजपूत निवासी बडाऊ व सोनु सिंह पुत्र मांगुसिंह निवासी बडाऊ दुकान पर आए जिन्होने दुकान में तोड़फोड़ कर मौके से फरार हो गये। घटना के दौरान किसी को चोटें नहीं आई। घटना के संबंध में परिवादी की ओर से पेश रिपोर्ट पर प्रकरण दर्ज किया जाकर अनुसंधान प्रारंभ किया गया तथा घटना में शामिल आरोपियों की तलाश के लिए टीम गठित कर रवाना किया गया। गठित टीम की ओर से आरोपियों की गहनता से तलाश की जा रही है। प्रथम दृष्टया आरोपियो ने मिष्ठान भंडार संचालक से उधार रूपए मांगे, जब संचालक ने उधार रूपये देने से मना किया तो आरोपियों को नागवार गुजरा और उन्होंने दुकान में तोड़फोड़ कर डाली।

मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना के आवेदन करने की अन्तिम तिथि 10 फरवरी

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(निस)। सामाजिक न्याय व अधिकारिता विभाग की ओर से संचालित मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना में योजनान्तर्गत विभिन्न प्रोफेशनल कोर्स में प्रवेश परीक्षाओं व सरकारी नौकरियों के लिए होने वाली प्रतियोगिता परीक्षाओं के लिए कोचिंग संस्थानों में निःशुल्क कोचिंग के लिए ऑनलाईन आवेदन करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है और आवेदन करने की अन्तिम 10 फरवरी 2025 है, जिसमें पात्र विद्यार्थी अपने नजदीकी ईमित्र के माध्यम से अपनी एसएसओ आईडी में विभाग के पोर्टल पर सूचीबद्ध कोचिंग संस्थानों में वर्ष 2024-25 के लिए ऑनलाईन आवेदन कर सकतें है। विभाग के उपनिदेशक डॉ पवन पूनिया ने बताया कि मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना के अन्तर्गत आवेदन करने वाला अभ्यर्थी राजस्थान राज्य का मूल निवासी हो व जिसके माता-पिता की वार्षिक आय 8 लाख से कम हो और पूर्व में संचालित अनुप्रति योजना का लाभ नहीं लिया हो वह ई-मित्र की ओर से अपनी एसएसओ आईडी के माध्यम से पोर्टल पर जन आधार कार्ड के माध्यम से आवेदन कर सकता है जिसके लिए आवश्यक दस्तावेज सक्षम अधिकारी की ओर से जारी मूल निवास, जाति प्रमाण-पत्र, स्वघोषित आय प्रमाण-पत्र, आधार कार्ड, जन आधार कार्ड तथा बैक का नाम, खाता संख्या, आईएएफसी कोर्ड, ब्रॉच का नाम अभ्यर्थी की ओर से स्वयं ऑनलाईन आवेदन पत्र भरा जाएगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अभिनव पहलः पंच गौरव कार्यक्रम

बीकानेर से करणी माता मंदिर, मोठ, रोहिड़ा, तीरंदाजी और बीकानेरी नमकीन पंच गौरव के रूप में चिह्नित

जयपुर टाइम्स

बीकानेर(निस)। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की अभिनव पहल के तहत प्रत्येक जिले में 'पंच गौरव' कार्यक्रम शुरू किया गया है। इसके तहत प्रत्येक जिले में उसकी विरासत व पारिस्थितिकी को ध्यान रखते हुए पंच गौरव के रूप में एक जिला-एक उत्पाद, एक जिला- एक उपज, एक जिला-एक वनस्पति प्रजाति, एक जिला-एक खेल और एक जिला-एक पर्यटन स्थल चिन्हित किया गया है। बीकानेर जिले में मोठ को एक उपज, रोहिड़ा को एक प्रजाति, बीकानेरी नमकीन को एक उत्पाद, करणी माता मंदिर को एक पर्यटन स्थल और तीरंदाजी को एक खेल के रूप में चिन्हित किया गया है। इसका उद्देश्य जिले की आर्थिक, पारिस्थितिकी व ऐतिहासिक धरोहरों का संरक्षण व संवर्धन, स्थानीय शिल्प, उत्पाद, कला को संरक्षण प्रदान करना और उत्पादों की गुणवत्ता, विपण क्षमता में सुधार व निर्यात में वृद्धि, स्थानीय रोजगार बढ़ाकर जिलों से प्रवास रोकना, जिलों में स्वस्थ प्रतिस्वर्धा विकसित करना, वनस्पति प्रजातियों का संरक्षण व इनके वैज्ञानिक व व्यावसायिक प्रयोगों को बढ़ावा और ऐतिहासिक, धार्मिक व पर्यटन दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थलों का संरक्षण व इनमें वैश्विक स्तर की सुविधाएं विकसित करना है। कार्यक्रम के प्रभावी

क्रियान्वयन के लिए राज्य पर मुख्य सचिव व जिला स्तर पर संबंधित जिला कलक्टर की अध्यक्षता में समितियों का गठन किया गया है। जिला स्तरीय समिति में उद्योग, कृषि एवं उद्यानिकी, खेल वंद्व युवा मामलात, पर्यटन, सूचना प्रौद्योगिकी व संचार तथा सूचना जनसंपर्क विभाग के जिला स्तरीय अधिकारी को सम्मिलित किया गया है। वहीं जिला कलक्टर की ओर से नामित राजस्थान लेखा सेवा का अधिकारी इसका सदस्य और उप निदेशक आर्थिकी व सांख्यिकी को सदस्य सचिव बनाया गया है। जिला स्तरीय समिति की ओर से जिले में चिन्हित पंच गौरव के संबंध में विवरणिका तैयार की जाएगी। पंच गौरव प्रोत्साहन के लिए विभागीय समन्वय से जिला स्तरीय कार्य योजना के आधार पर कार्य होगा। इसमें उपज एवं वनस्पति प्रजाति के विकास के लिए संग्रहण, भंडारण, ग्रेडिंग, छंटाई, पैकेजिंग, ड्राइंग, प्रसंस्करण सुविधाओं और कोल्ड चेन सप्लाई का उन्नयन किया जाएगा। नई प्रौद्योगिकियों, उन्नत कृषि तकनीक और नवीनतम प्रतिक्रियाएं उत्पादों के जीआई टैगिंग, ब्रांड बिल्डिंग के लिए मददगार साबित होंगी। इन प्रक्रियाओं में स्थानीय स्वयं सहायता समूह की महिलाएं भी शामिल होंगी। इनके अलावा उत्पादों के विकास के लिए पारंपरिक कौशल को बढ़ावा देने के लिए स्थानीय शिल्प और हस्तशिल्प क्लस्टर का निर्माण किया जाएगा। राष्ट्रीय प्लेटफार्म पर शामिल होने के लिए एमएसएमई को प्रशिक्षण और सहायता प्रदान करने, डिजिटल मार्केटिंग, खरीदार-विक्रेता बैठक और राज्य अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनियों जैसी विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से लघु उद्योग प्रोत्साहन मिलेगा। प्रमुख पर्यटक स्थलों पर पर्यटकों के लिए परिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम, फिल्म समारोह, संगीत, खानपान आदि मनोरंजन गतिविधियां आयोजित की जाएगी। जिले के चयनित खेल के अनुसार खिलाड़ियों के उचित प्रशिक्षण के लिए आवश्यक उपकरण प्रदान किए जाएंगे। स्टेडियम, ट्रेनिंग सेंटर, हॉस्टल आदि का उन्नयन किया जाएगा। खेलों से संबंधित आवश्यक जानकारी ऑनलाइन और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध करवाई जाएगी।

संभाग स्तरीय आरोग्य मेलाः आयुर्वेद स्वास्थ्य चेतना रैली से दिया भागीदारी का संदेश

जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने दिखाई हरी झंडी

जयपुर टाइम्स

बीकानेर(निस)। संभाग स्तरीय आरोग्य मेले के मद्देनजर आयुर्वेद स्वास्थ्य चेतना रैली गुरुवार को निकाली गई। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सोहन लाल ने राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय बान्द्राबास से हरी झंडी दिखाकर इसे रवाना किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों का लाभ अधिक से अधिक लोगों को मिले, इसके मद्देनजर मेले का व्यापक प्रचार-प्रचार किया जाए। मेले के दौरान सभी व्यवस्थाएं प्रभावी रहें। रैली यहां से रवाना होकर गोगागेट, बड़ा बाजार, आचार्य चौक, मोहता चौक, बारह गुवाड़, नत्थूसर गेट होते हुए मेला स्थल एमएम ग्राउंड पहुंची। इसमें आयुर्वेद विभाग के चिकित्सक, कार्मिक तथा राजकीय आयुर्वेदिक महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने भागीदारी निभाई। रैली के दौरान ई-रिक्शा और पेम्प्लेट्स के माध्यम से आमजन को भागीदारी का आह्वान किया गया। आयुर्वेद विभाग के अतिरिक्त निदेशक डॉ. घनश्याम रामावत ने बताया कि चार दिवसीय मेले की शुरुआत 8 फरवरी को होगी। प्रतिदिन प्रातः 10 से सायं 7 बजे तक मिला आमजन के लिए खुला रहेगा। इसमें आयुर्वेद, यूनानी, होम्योपैथी, योग और प्राकृतिक चिकित्सा के विशेषज्ञों की चिकित्सा परामर्श सेवाएं, स्वास्थ्य परीक्षण और औषधि वितरण की निःशुल्क सुविधा रहेगी। उपनिदेशक डॉ. प्रभु दयाल जाट ने बताया कि मेले में पंचकर्म, क्षारसूत्र, योग तथा स्त्री रोग विशेषज्ञों की निःशुल्क सेवाएं रहेंगी। सौंदर्य विशेषज्ञ की ओर से सौंदर्य प्रसाधन की सुविधा भी मुहैया करवाई जाएगी। रैली की समाप्ति पर राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा ने आगंतुकों का आभार जताया। इस दौरान डॉ. सुधांशु व्यास, डॉ. जितेंद्र सिंह भाटी, डॉ. सुरेश सैनी और डॉ इरशाद रफीक आदि मौजूद रहे।

पंचायत राज संस्थाओं के रिक्त पदों पर उपचुनाव

मतदान दिवस को संबंधित क्षेत्र में रहेगा सार्वजनिक अवकाश

जयपुर टाइम्स

बीकानेर(निस)। जिले में पंचायती राज संस्थाओं के रिक्त पदों पर उपचुनाव के लिए संबंधित क्षेत्र में मतदान दिवस 14 फरवरी (शुक्रवार) को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है। जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि की ओर से इस संबंध में जारी आदेशानुसार जिला परिषद के वार्ड 8 के अलावा लूणकरणसर पंचायत समिति की ग्राम पंचायत रावांसर के वार्ड संख्या-2 एवं चक जोहड़ के वार्ड संख्या-5 और बीकानेर पंचायत समिति की ग्राम पंचायत बरसिंहसर के वार्ड संख्या-2 निर्वाचन क्षेत्र में 14 फरवरी को मतदान होगा। इसके मद्देनजर पराक्रम्य लिखित अधिनियम 1881 की धारा 14 के तहत 14 फरवरी को

मतदान दिवस के दिन सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है। आदेशानुसार संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों में ही मतदान दिवस को सार्वजनिक अवकाश रहेगा। जिले की किसी भी अन्य तहसील, पंचायत समिति, ग्राम पंचायत, वार्ड पर यह आदेश लागू नहीं होगा।

कुंड में डूबने से युवक की मौत

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। कुंड में पानी निकालते वक्त पैर फिसल जाने से एक व्यक्ति कुंड में गिर गया, जिससे उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार दुलिया बास में युवक के कुंड में गिर जाने की जानकारी मिली, जिस पर टीम हारे का सहारा संयोजक श्याम स्वर्णकार, एम्बुलेंस चालक शंकर बिजारणिया, कोतवाली पुलिस सुजानगढ़ के एएसआई तेजाराम मौके पर पहुंचे। कुंड में डूबे व्यक्ति को कुंड से बाहर निकालकर सुजानगढ़ सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहाँ चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं गुरूवार को सुबह रविशंकर पुत्र हरीराम नाई ने पुलिस को रिपोर्ट दी कि मेरा छोटा भाई नरेश नाई (45) निवासी दुलिया बास बुधवार की रात को करीब 9 बजे कुंड में से पानी निकाल रहा था। अचानक पैर फिल जाने से कुंड में गिर गया और पानी में डूब जाने से उसकी मौत हो गई। पुलिस ने आवश्यक कार्यवाही के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है।

दिव्यांगों को मिलेंगे कृत्रिम हाथ, पैर

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। प्रतिवर्ष की भांति 11 वें निशुल्क कृत्रिम हाथ, पैर कैलीपर शिविर का आयोजन मानव सेवा संस्थान व महावीर सेवा सदन कोलकाता के संयुक्त तत्वाधान में किया जा रहा है। शिविर का आयोजन 19 से 22 फरवरी तक स्थानीय मानव सेवा संस्थान लुहारा गाडा में होगा। मानव सेवा संस्थान व महावीर सेवा सदन कोलकाता के संयुक्त तत्वावधान में लगने वाले इस शिविर में पिछले सालों में अब तक 1000 से अधिक दिव्यांग भाई बहिन लाभान्वित हो चुके है। समन्वयक माणकचंद सराफ ने बताया कि इस बार अब तक कुल 151 दिव्यांग व्यक्तियों का रजिस्ट्रेशन किया जा चुका है और अभी रजिस्ट्रेशन का कार्य जारी है। कोई भी दिव्यांग भाई-बहन निःशुल्क शिविर का लाभ उठा सकते हैं।

लैंस प्रत्यारोपण व मोतियाबिंद जांच शिविर 9 को

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। कस्बे में मोतियाबिंद जांच व लैंस प्रत्यारोपण शिविर 9 फरवरी को आयोजित किया जाएगा। लायंस क्लब सरदारशहर डायमंड व अंधता निवारण समिति जयपुर के संयुक्त तत्वाधान में निशुल्क मोतियाबिंद जांच व लैंस प्रत्यारोपण शिविर 9 फरवरी को मानिकचंद, कौशल्या देवी कर्वा की स्मृति में कौशल्या देवी मानिकचन्द प्रदीप कर्वा चेरिटेबल ट्रस्ट के कुसुम रतनमोहन सारडा कोलकाता के स्थानीय सौजन्य से अर्जुन क्लब राजकीय शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक लगाया जाएगा। इसमें शंकरा आई हॉस्पिटल जयपुर के नेत्ररोग विशेषज्ञ की ओर से मरीज की जांच कर ऑपरेशन में चयनित मरीजों को जयपुर ले जाकर ऑपरेशन किया जाएगा। मीडिया प्रभारी अंजना भोजक ने बताया की सभी चयनित मरीजों को आने-जाने, दवाई, ऑपरेशन व जांच फ्री होगी। मरीज शिविर में आधार कार्ड की दो कॉपी व पूर्व में अगर किसी प्रकार की दवाई चल रही है वो भी जॉच रिपोर्ट साथ लेकर आए।

मलसीसर स्कूल में पेयजल टंकी व स्टेज का लोकार्पण

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। शहर के निकटवर्ती गांव मलसीसर के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में तोषनीवाल चेरिटेबल ट्रस्ट कोलकाता की ओर से दस हजार लीटर पेयजल के लिए टंकी व 1200 वर्ग फीट के स्टेज के फर्श और कुण्ड की मरम्मत के कार्य का विद्यालय के प्रधानाचार्य धर्मसिंह मीणा और विद्यालय स्टाफ ने शुभारम्भ किया। प्रधानाचार्य धर्मसिंह मीणा ने तोषनीवाल चेरिटेबल ट्रस्ट कोलकाता और प्रेरक रामगोपाल जाट व रामनिवास घोटिया का धन्यवाद ज्ञापित किया। जिनकी प्रेरणा से ट्रस्ट की ओर से अब तक विद्यालय में 1.50 लाख रूपये का कार्य करवाया गया है। ट्रस्ट की ओर से कार्य करवाने से 525 छात्रों के पीने के पानी की व्यवस्था हो पाई है तथा कार्यक्रमों के लिए मंच मिल पाया है। इस कार्य में अपना सक्रिय योगदान देने वाले अध्यापक रूघाराम का प्रधानाचार्य ने विशेष धन्यवाद ज्ञापित किया गया। कार्यक्रम में विकास कुमार, लिखमाराम मेघवाल, सुशीला मीणा, विमला, आरिफ, हसन राजा, रोहित कुमार, वेदप्रकाश जाट, राहुंल बुगालिया, मनोज कड़वासरा, लक्ष्मी पिलानिया, रतनी कुमारी सहित समस्त स्टाफ सदस्य मौजूद रहे।

स्वामी समाज करेगा प्रतिभाओं का सम्मान

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। स्थानीय दुलिया बास स्थित स्वामी समाज भवन में आगामी 9 फरवरी को सुजला स्वामी समाज प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन होगा। श्री धन्नावंशी बैरागी स्वामी समाज समिति सुजानगढ़ के अध्यक्ष विनोद भास्कर ने बताया कि सुजानगढ़, लाडनूं, बीदासर तहसील क्षेत्र में सत्र 2024 में 10-12वीं बोर्ड व उच्च शिक्षा में 80 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले व राजकीय सेवा में चयनित स्वामी समाज के होनहार युवा प्रतिभाओं का सम्मान किया जाएगा। भास्कर ने बताया कि सम्मेलन में अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी मंजूबाला स्वामी, संदीप स्वामी, कृष्ण स्वामी सहित अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों व श्री स्वामी समाज की नवगठित प्रदेश कार्यकारिणी का स्वागत समारोह भी किया जाएगा।

खेजड़ी से गिरकर अधेड़ की मौत

जयपुर टाइम्स

तारानगर(निस)। तारानगर के निकटवर्ती गाँव गोगटिया चारणान में खेजड़ी काटते समय पैर फिसलने से एक अधेड़ की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार मृतक हनुमान प्रसाद खेत में खेजड़ी काटने गया हुआ, खेजड़ी काटते समय हनुमानप्रसाद का पैर फिसल गया और वह नीचे गिर गया। हनुमान प्रसाद को तारानगर के सरकारी अस्पताल में लाया गया जहाँ चिकित्स्कों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

एक सौ कुंडीय द्वादश पुरुषचरनात्मक होमआत्मक यज्ञ में पुण्य आत्माओं की मुक्ति के लिए लगेगी आहुतियां

जयपुर टाइम्स

सालासर(निस)। अखिल भारत वर्षीय धर्म संघ स्वामी करपात्री फाउंडेशन व वैदिक कायाकल्प संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में विश्व का सबसे बड़े आयोजन तीर्थराज प्रयागराज में हो रहा पूर्ण महाकुंभ पर विशेष महायज्ञ किया जा रहा हैं। वैदिक कायाकल्प संस्थान के सचिव सुमित गुप्ता ने बताया कि महाकुंभ में प्रथम बार अलौकिक अद्वितीय, विलक्षण एक सौ कुड़िय द्वादश पुरुषचरनात्मक होमआत्मक गायत्री स्मारत महायज्ञ, राजराजेश्वरी महायज्ञ कोटी अर्चन, अष्टादस पुराण पारायण महायज्ञ, चतुर्वेद पारायण महायज्ञ 13 जनवरी से चालू है जो 12 फरवरी पर्यंत तक व श्रीमद् भागवत कथा व होमआत्मक श्री ईस्टी स्रोत महायज्ञ व कई अन्य दिव्य अनुष्ठान किए जा रहे हैं। इस अवसर पर तीर्थराज प्रयागराज में भगवान कोटेश्वर महादेव के सानिध्य में 3 करोड़ आहुति का एक मात्र महायज्ञ चल रहा है। जहां पर 451 वैदिक ब्राह्मण वेद माता गायत्री के होमात्मक महायज्ञ के माध्यम से आहुतियां दे रहे हैं। प्रयागराज से धर्मगुरु अनंत विभूषित धर्मावतार ब्रह्मानंद सरस्वती महाराज ने सबको महाकुंभ की हार्दिक

शुभकामनाएं देते हुए इस कल्पवास में आकर दर्शन करने का आह्वान करते हुए संपूर्ण भारतवर्ष में एक संदेश दिया कि मौनी अमावस्या के दिन ज्ञात अज्ञात जनहानि से जान गंवाने वाले देशवासी जो हम सभी के मित्र, रिश्तेदार ही हैं इसलिए उनकी आत्माओं की शांति के लिए एक जलांजलि अवश्य दें। माघ मेले में आने वाली पुण्य-तिथियों में किसी भी एक दिन एकादशी, चतुर्दशी या पूर्णिमा के दिन या आने वाली अमावस्या के दिन एक जलांजलि देकर पुण्य आत्माओं की शांति की प्रार्थना करें। तथा जहां तक हो सके यह संदेश जन-जन तक पहुंचाएं।

महायज्ञ की भूमि हैं प्रयागराज, चर्चा का विषय बनाने की बजाय श्रद्धा सुमन अर्पित करें

महाराज ने बताया कि सृष्टि कर्ता ब्रह्मा जी की ओर से सृष्टि का प्रथम यज्ञ तीर्थराज प्रयागराज में ही किया गया था। इस अवसर पर आयोजित हो रहे पूर्ण महाकुंभ में एक अद्भुत संयोग बना है। इस यज्ञ में देवताओं को प्रसन्न करके व मनुष्य अपने जीवन को सफल बनाकर चारित्रिक विकास, आध्यात्मिक उन्नति व स्वास्थ्य संरक्षण कर परम गति की प्राप्ति कर सकता है। महाराज जी ने निर्देश किया कि हमें इस महापर्व पर किसी भी प्रकार चर्चा का विषय ना बनाकर बल्कि अपनी श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए उन पुण्य आत्माओं के लिए कुछ अच्छे कर्म करना चाहिए जिससे उनको मोक्ष प्रदान हो।

दिवंगत आत्माओं शांति के लिए लगाएं यज्ञशाला की एक परिक्रमा

डॉक्टर रामविलास दास वेदांती भूतपूर्व सांसद व कार्यकारी अध्यक्ष राम सेवा न्यास समिति अयोध्या से आह्वान किया की यज्ञशाला की एक परिक्रमा उन दिवंगत आत्माओं के नाम से लगाए जिससे उनकी मोक्ष प्राप्त हो सके, क्योंकि यज्ञ कर्म सनातन धर्म में सबसे बड़ा कर्म है जिससे मोक्ष की प्राप्ति होती है।

मनुष्य जीवन में 16 संस्कारों के यज्ञ का बहुत महत्व

इस अवसर पर यज्ञ पीठाधीश्वर विद्या साधक डॉक्टर गुणप्रकाश चैतन्य महाराज ने महायज्ञ के महत्व के बारे में प्रकाश डालते हुए कहा कि 16 संस्कारों में यज्ञ का बहुत महत्व है और यज्ञ हमारे सनातन धर्म में आदि और अनंत है। इसीलिए यज्ञ से दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए एक आहुति अवश्य दें। उन्होंने कहा कि अगर आप यज्ञ में पहुंच पाने में असमर्थ हैं तो आप अपना गोत्र व नाम से एक आहुति ऑनलाइन निशुल्क इस लिंक पर रजिस्टर करे। वेबसाइट जिसमें 8, 9 व 10 फरवरी को 451 वैदिक ब्राह्मण यज्ञ नारायण भगवान के सामने आपके नाम से विधि विधान से एक आहुति देंगे। इस मौके पर सालासर धाम के पुजारी नागर महाराज ने महायज्ञ में अपनी तरफ से आहुति देकर यज्ञशाला की परिक्रमा लगाकर दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए अपनी एक आहुति ऑनलाइन रजिस्टर की और बालाजी महाराज के चरणों में दिवंगत आत्माओं के लिए प्रार्थना की।

खेल को आत्मविश्वास के साथ खेलें- महर्षि

विशेष आवश्यकता वाले बालक-बालिकाओं के लिए जिला-स्तरीय खेल गतिविधियां

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद जयपुर के निर्देशानुसार एडीपीसी समग्र शिक्षा चूरू की ओर से गुरुवार को जिला खेल स्टेडियम में विशेष आवश्यकता वाले बालक-बालिकाओं के लिए जिला-स्तरीय खेल गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ एडीपीसी संतोष कुमार महर्षि ने किया। इस अवसर पर जिला समन्वयक हवा सिंह ने विशेष आवश्यकता वाले बालक-बालिकाओं को खेल के उद्देश्य व खेल को खेल की भावना से खेलने का सम्बलन प्रदान किया। इसके साथ ही विशेष आवश्यकता वाले बालकों के तीन दिवसीय खेल व एक्सपोजर विजिट की जानकारी दी। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये एडीपीसी महर्षि ने बालकों को आत्मविश्वास के साथ खेलने के लिए प्रोत्साहित किया और समावेशी शिक्षा की विभिन्न गतिविधियों के बारे में निर्देश दिये। हवा सिंह ने बताया कि इन खेल गतिविधियों में जिले के 90 विशेष आवश्यकता वाले बालक-बालिकाओं व 45 अभिभावकों ने भाग लिया। कार्यक्रम में विभिन्न प्रकार की खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया

गया। जिसमें गुब्बारा फोड़, चित्रकला, जलेबी कूद, चम्मच दौड़, रूमाल झपट्टा, बैडमिन्टन आदि शामिल है। खेल गतिविधियों में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को प्रतीक चिन्ह् प्रदान कर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी विशेष बालकों को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। कार्यक्रम में जिला खेल अधिकारी सीताराम प्रजापत, कार्यक्रम अधिकारी इकबाल हसन गौरी, विशेष अध्यापक देवेन्द्र, महावीर सिंह, मंगलाराम, मनीष, कमल, नरेश, चंदा प्रजापत, नारायण सिंह व शारीरिक शिक्षक ओमन सिंह आदि ने सहयोगी भूमिका निभाई। जिला खेल अधिकारी सीताराम प्रजापत ने विजेता विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया।

कर्मचारियों का धरना प्रदर्शन आज, तैयारी को लेकर बैठक

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ के प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर अपनी 11 सूत्री मांगों को लेकर प्रदेश भर में शुक्रवार को प्रदेश के प्रत्येक जिला मुख्यालय पर आयोजित किए जाने वाले धरना प्रदर्शन को लेकर नेचर पार्क में बैठक की गई। महासंघ के जिलाध्यक्ष रिछपाल सिंह चारण ने बताया कि नेचर पार्क चूरू में कशुक्रवार को आयोजित होने वाले धरना प्रदर्शन को लेकर तैयारियां जोरों पर है और इसके लिए आज नेचर पार्क में बैठक हुई है। चारण ने बताया कि धरना प्रदर्शन कर जिला कलक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन दिया जाएगा और खेमराज समिति की रिपोर्ट की होली जलाई जाएगी। महासंघ के जिला महामंत्री फूलेसिंह बुरड़क ने बताया कि बैठक में अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ के प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर आपनी योजना चूरू स्थित जिला कलेक्ट्रेट कार्यालय के सामने 7 फरवरी को धरना प्रदर्शन किया जाएगा जिसको लेकर सफल बनाने

पर विचार विमर्श किया गया। महासंघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष बाबू खां, कमल वर्मा ने बताया कि महासंघ की 11 सूत्री मांगों को लेकर महासंघ से संबद्धता प्राप्त घटक संगठनों से धरने में शामिल होने की अपील की। संघ के प्रमोद शर्मा ने बताया कि 7 फरवरी को धरना प्रदर्शन के साथ ही 11 सूत्री मांगों पर चर्चा हुई। इस दौरान धरने को सफल बनाने के लिए पोस्टर का विमोचन किया गया। इस अवसर पर अरुण कुमार, सत्यनारायण व्यास, जोगेंद्र सिंह समुंदर सिंह, रणजीत सिंह सरवन कुमार सैनी, घनश्याम सिंह, गिरधारी लाल, गजेंद्र सिंह, संदीप कड़वासरा, कृष्णा साहू व विभिन्न संगठनों से जुड़े पदाधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

रबी 2022-23 फसल में शीत लहर से फसल खराबे की मुआवजा राशि स्वीकृत

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(निस)। जिला कलेक्टर रामावतार मीणा ने बताया कि आपदा प्रबंधन सहायता व नागरिक सुरक्षा विभाग राज. जयपुर के द्वारा रबी फसल 2022-23 में शीतलहर से हुए फसल खराबे के लिए अलग अलग श्रेणी वार खराबा राशि जारी की गई है। जिला कलेक्टर मीणा ने बताया कि 33%-50% खराबा वाले (लघु व सीमांत कृषकों को) को कृषि आदान अनुदान राशि तहसील वार वितरण करने करने की वित्तीय स्वीकृति जारी की है। इसके तहत प्राकृतिक विपति के कारण राहत, बाढ चकवात आदि, कृषि लागतों के क्रय के लिए किसानों की सहायता, लघु व सीमान्त कृषकों को फसल हानि पर कृषि आदान अनुदान, शीतलहर, सहायतार्थ अनुदान से संबंधित किसानों को लाभान्वित किया जाएगा। इस वर्ग में 7975 किसानों को 8 करोड़ 41 लाख 96 हजार 35 रुपए की राशि स्वीकृत की है। बुहाना के 223 कृषकों को 23,99,094 राशि का, चिड़ावा के 2525 किसानों को 2,75,55,495 राशि का, गुढा गौडजी के 1,961 किसानों को 2,50,24,339 राशि का, झुंझुनूं के 1,749 को 1,66,93,080 रुपए की राशि का, मलसीसर के 160 किसानों को 7,68,815 रुपए की राशि का, मंडावा के 392 किसानों को 25,78,317 राशि का, नवलगढ के 871 किसानों को 83,02225 राशि का, सुरजगढ के 94 किसानों को 8,74,670 राशि का मुआवजा (अनुदान) स्वीकृत किया गया या है। 75 से 100 प्रतिशत खराबे के तहत 3148 किसानों को 31057565 राशि स्वीकृत की गई है। बिसाऊ के 739 किसानों को 5918280 राशि का, बुहाना के 2057 को 22098147 राशि का, झुंझुनू के 278 को 2103940 राशि का, नवलगढ के 7 को 78098 राशि का, सुरजगढ के 67 को 859100 राशि का मुआवजा (अनुदान) स्वीकृत किया गया है। 50 से 75 प्रतिशत खराबे के तहत 11568 किसानों को 119011246 राशि स्वीकृत की गई है। बिसाऊ के 283 किसानों को 2,91,2923 राशि का, बुहाना के 492 को 25,63597 राशि का, गुढागोडजी के 325 को 36,60,263 राशि का, मलसीसर के 2825 को 1,99,11,981 राशि का, मंडावा के 1064 को 96,899,72 राशि का, नवलगढ के 2055 को 20959773 राशि का, पिलानी के 2220 को 2,89,33,793 राशि का, सुरजगढ के 2304 को 3,03,78,944 राशि का मुआवजा (अनुदान) स्वीकृत किया गया है।

कैरियर मेले के संबंध में बैठक आयोजित

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। विद्यार्थियों का स्थानीय स्तर पर रोजगार व व्यवसाय की जानकारी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी कार्यालय में बैठक का आयोजन हुआ। बैठक की अध्यक्षता कर रहे मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी ओमदत्त सारण ने विद्यार्थियों के हित में क्लस्टर विद्यालयों और पीएम श्री विद्यालयों में 10 फरवरी को आयोजित होने वाले कैरियर मेले की संपूर्ण व्यवस्था के लिए समिति गठित कर ब्लॉक के सभी पंचायत प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी और यूसीईईओ को निर्देश दिए और कहा कि इस मेले में अधिक से अधिक विद्यार्थी लाभान्वित हो। अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी विनय कुमार सोनी ने बताया कि कैरियर मेले में विद्यालय के शिक्षकों व अभिभावकों की टीमो का गठन, विभिन्न विषयवार कार्यक्षेत्र के अवसर, कैरियर विकल्पों, स्थानीय व्यवसायों के बारे मे विद्यार्थियों को जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही रोजगार के क्षेत्र में स्थानीय प्रतिभाओं के उद्बोधन से विद्यार्थियों को मार्गदर्शन दिया जाना है। आर पी श्याम सुंदर पुनिया ने कैरियर मेले के प्रचार प्रसार के लिए विभिन्न माध्यमों के बारे में बताया। नाकरासर पंचायत प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी भंवरलाल गुर्जर ने वर्तमान समय में सोलर व्यवस्था संबंधित जानकारी के बारे मे बताया। इस दौरान बैठक में ब्लॉक के सभी पंचायत प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी और यूसीईईओ उपस्थित रहे।

महेंद्र सैनी बने सहायक विधि परामर्शी

जयपुर टाइम्स

चूरू/झुंझुनूं(निस)। शिक्षा विभाग में वरिष्ठ विधि अधिकारी के पद पर पदस्थापित महेंद्र सैनी ने बुधवार को मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में बतौर सहायक विधि परामर्शी कार्यभार ग्रहण किया। उल्लेखनीय है कि मंगलवार रात्रि को विधि व विधिक कार्य विभाग के प्रमुख शासन सचिव बृजेन्द्र जैन की ओर से जारी आदेश के अनुसार महेंद्र सैनी सहित 74 वरिष्ठ विधि अधिकारियों को सहायक विधि परामर्शी पद पर पदोन्नत किया गया है। कनिष्ठ विधि अधिकारी के तौर पर अपना कैरियर शुरू करने वाले सैनी विभिन्न पदों पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं। महेंद्र सैनी मूलतः झुंझुनूं जिले के महनसर के निवासी हैं और विधि सत्संग के माध्यम से विधि व न्याय क्षेत्र के विद्यार्थियों के मार्गदर्शन के लिए जाने जाते हैं। इस दौरान वरिष्ठ विधि अधिकारी अयूब खान, कनिष्ठ विधि अधिकारी प्रियंका स्वामी, मंजू लेकरा, अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी सुनील जांगिड़, बिजेंद्र पूनिया, कनिष्ठ सहायक जनार्दन गहलोत, कनिष्ठ सहायक अमित शर्मा आदि मौजूद रहे। सैनी की पदोन्नति पर उनके शुभचिंतकों, मित्रों, परिजन व अधिकारियों ने प्रसन्नता जाहिर की है।

जिला स्तरीय समिति की बैठक 10 को

जयपुर टाइम्स

बीकानेर(निस)। विवाद व शिकायत निवारण तंत्र के तहत गठित जिला स्तरीय समिति की बैठक 10 फरवरी को सायं 4.30 बजे जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की जाएगी। जिला उद्योग व वाणिज्य केंद्र की महाप्रबंधक और समिति की सदस्य सचिव मंजू नैण गोदारा ने यह जानकारी दी।

10
राजस्थान जयपुर टाइम्स
चूरू शुक्रवार
07 फरवरी, 2025

पनपालिया की पंचायत बदलने का विरोध, मतदान बहिष्कार की दी चेतावनी

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। तहसील के पनपालिया गांव के ग्रामीणों ने एसडीएम कार्यालय में जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने एसडीएम डॉ दिव्या चौधरी को ज्ञापन सौंपकर मांग कि हैं कि उनके गांव को पुनः अड़सीसर ग्राम पंचायत में शामिल किया जाए। पूर्व में पनपालिया गांव अड़सीसर ग्राम पंचायत का हिस्सा था। जिससे इसकी दूरी मात्र 1.6 किलोमीटर थी। लेकिन पिछले परिसीमन में इसे घड़सीसर ग्राम पंचायत में शामिल कर दिया गया जो 11 किलोमीटर दूर है। इतना ही नहीं पनपालिया की तीन ढाणियां - रामकुमारजी, छत्रसालजी और बालूरामजी की दूरी घड़सीसर से 18, 14 और 14 किलोमीटर है। पूर्व सरपंच राजवीर सिंह राठौड़ ने आरोप लगाया कि राजनीतिक कारणों से यह बदलाव किया गया। इस फैसले के विरोध में ग्रामीणों ने पिछले तीन चुनावों में मतदान का बहिष्कार किया था। ग्रामीणों का कहना है कि वर्तमान व्यवस्था में उन्हें घड़सीसर जाने के लिए अड़सीसर होकर जाना पड़ता है जो पूरी तरह अव्यवहारिक है। प्रदर्शन में जितेंद्र सिंह राठौड़, माधव सिंह, हुकम सिंह, कृष्णा राम कालेरा, संपत सिंह, चुन्नीलाल सुथार और सहित अनेक ग्रामीण शामिल हुए। एसडीएम ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि उनकी मांगों को उच्च अधिकारियों तक पहुंचाया जाएगा।

महेंद्र सैनी बने सहायक विधि परामर्शी

जयपुर टाइम्स

चूरू/झुंझुनूं(निसं.)। शिक्षा विभाग में वरिष्ठ विधि अधिकारी के पद पर पदस्थापित महेंद्र सैनी ने बुधवार को मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में बतौर सहायक विधि परामर्शी कार्यभार ग्रहण किया। उल्लेखनीय है कि मंगलवार रात्रि को विधि एवं विधिक कार्य विभाग के प्रमुख शासन सचिव बृजेन्द्र जैन द्वारा जारी आदेश के अनुसार महेंद्र सैनी सहित 74 वरिष्ठ विधि अधिकारियों को सहायक विधि परामर्शी पद पर पदोन्नत किया गया है। कनिष्ठ विधि अधिकारी के तौर पर अपना कैरियर शुरू करने वाले सैनी विभिन्न पदों पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं। महेंद्र सैनी मूलतः झुंझुनूं जिले के महनसर के निवासी हैं और विधि सत्संग के माध्यम से विधि एवं न्याय क्षेत्र के विद्यार्थियों के मार्गदर्शन के लिए जाने जाते हैं। इस दौरान वरिष्ठ विधि अधिकारी अयूब खान, कनिष्ठ विधि अधिकारी प्रियंका स्वामी, मंजू लेकरा, अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी सुनील जांगिड़, बिजेंद्र पूनिया, कनिष्ठ सहायक जनार्दन गहलोत, कनिष्ठ सहायक अमित शर्मा आदि मौजूद रहे। सैनी की पदोन्नति पर उनके शुभचिंतकों, मित्रों, परिवारजन एवं अधिकारियों ने प्रसन्नता जाहिर की है।

छोटे भाई की सरकारी नौकरी लगी तो बड़े ने तनाव में आकर किया सुसाइड

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। छोटे भाई की सरकारी नौकरी लगने से बड़े भाई तनाव में आए बीटेक पास युवक ने सुसाइड कर लिया। युवक रात को खाना खाकर कमरे में सोया था। गुरुवार सुबह वह मां को पंखे पर फंदे से लटका मिला। युवक के छोटे भाई का हाल ही में कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर (चो) के पद पर चयन हुआ था। कोतवाली थाना के एएसआई राजेश कुमार ने बताया-वार्ड 51 निवासी राजेंद्र ने रिपोर्ट दी कि उनका बड़ा भाई नंदकिशोर (28) पुत्र सुभाष कानखेड़िया बीटेक पास था। वह काफी समय से सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहा था। नौकरी नहीं लगने और बेरोजगारी से परेशान होकर उसने घर के कमरे में फंदा लगा लिया। कमरे में लाइट जली देखकर पहुंची थी मां एएसआई राजेश कुमार ने बताया कि नंदकिशोर रात को खाना खाकर कमरे में सोया था। सुबह सुबह करीब साढ़े पांच बजे उसके कमरे की लाइट जली देखकर मां कमरे की तरफ गई। कमरे का दरवाजा खोलकर देखा और चिल्लाने लगी। इस पर छोटा भाई राजेंद्र कमरे में गया तो देखा कि नंदकिशोर पंखे के हुक पर लटका हुआ था। आसपास के लोगों को सूचना मिली तो वे उनके घर इकट्ठे हो गए। सूचना पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने घटना स्थल का मुआयना किया। परिजनों की सहायता से शव को नीचे उतरवाकर डीबी अस्पताल की मॉर्च्यूरी में रखवाया। इसके बाद पोस्टमॉर्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया।

भजनलाल सरकार ने किया राजस्थान को विकास के पथ पर अग्रसर : सहारण

जयपुर टाइम्स

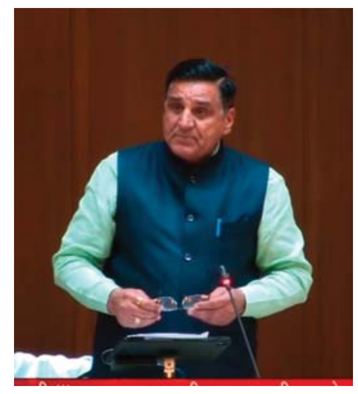

चूरू(निस)। राजस्थान विधानसभा में विधायक हरलाल सहारण ने राजस्थान के महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद भाषण देते हुए कहा कि वर्तमान भजनलाल शर्मा की सरकार ने प्रदेश में शानदार ऐतिहासिक निर्णय लेकर प्रदेश को विकास के रास्ते पर अग्रसर किया है। उन्होने कहा कि यह प्रदेश की पहली सरकार है जिसमें विश्व के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में चलकर प्रदेश को विकसित प्रदेश बनाने की और कदम बढ़ाया हैं। उन्होने कहा कि यह राजस्थान के निर्माण के बाद पहला अवसर है जब सरकार के कार्यकाल की प्रथम वर्षगांठ पर एक लाख ग्यारह हजार करोड़ रू. के विकास कार्यो की धोषणा की। उन्होने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार जताते हुए कहा जिन्होने अपने कार्यकाल में बेरोजगारो को रोजगार देने की घोषणा की है। इससे लगता है कि सरकार की कथनी और करनी में कोई फर्क नही है। उन्होने पिछली कांग्रेस सरकार पर अर्न्तकलह का आरोप लगाते हुए कहा कि पिछली कांग्रेस सरकार ने अपना पांच वर्ष का कार्यकाल कलह में और होटलो में बिताया उसने प्रदेश के लिए कुछ नही किया। उन्होने आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार अपने आप को किसान हितेषी बताती थी परन्तु उसने किसान को कुछ नही दिया जबकि प्रदेश में भाजपा सरकार बनते ही इस सरकार ने किसान सम्मान निधि में 2000 रू जोड़कर इसे 8000 कर दिया है। उन्होने कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं पर व्यंग्यात्मक टिप्पणी करते हुऐ कहा कि इनकी आपसी कलह अब धरातल पर दिखाई दे रही है। उन्होने प्रदेश की जनता का आभार व्यक्त करते हुऐ कहा कि प्रदेश की जनता ने उप चुनाव में अपना आर्शिवाद देकर प्रदेश की सरकार के प्रति अपना विश्वास व्यक्त किया। उन्होने इस अवसर पर पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ के 35 वर्षो के संसदीय कार्यकाल की चर्चा करते हुए कहा कि उन्होने जिस प्रकार प्रदेश के हितो के लिए सदन में अपनी आवाज उठाई। उन्होने कहा कि वे इस विधानसभा में लाईब्रेरी के नाम से जाने जाते है क्योंकि वो हर मुददे को समझ कर और परख कर उठाते थे। उन्होने कहा कि उनके योगदान से ही में आज यहां तक पहुंचा हॅू। उन्होने एक सामान्य किसान के बेटे को राजस्थान की सबसे बड़ी पंचायत में पहुचाने में अपना योगदान दिया है। उन्होने विपक्ष पर कटाक्ष करते हुऐ कहा कि आज विपक्ष के पास कोई मुददा नही है। क्योंकि यह सरकार हर व्यक्ति के हित के लिए कार्य कर रही है। मेरे निर्वाचन क्षेत्र सहित शेखावाटी के कई जिलो में यमुना जल समझौते से नया उत्साह जगा है और इस सरकार की इस लोकहितेषी कार्य से यहां का किसान व आमजन लाभावित होगा। उन्होने पिछली सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि उस सरकार ने एक भी ढाणी नही की जबकि उससे पूर्व भाजपा की सरकार ने ही इस संदर्भ में काम किया था परन्तु पिछली कांग्रेस सरकार ने इस संदर्भ में कोई भी कार्य नही किया। उन्होने प्रदेश सरकार की ओर से 3000 से अधिक ढाणियों की घोषणा करने पर प्रदेश सरकार का आभार जताया। उन्होने प्रदेश सरकार की ओर से किसानो को छः धंटे प्रतिदिन बिजली देने के लिए आभार व्यक्त करते हुऐ कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने घोषणा की है कि शीघ्र ही किसानो को दिन में बिजली दी जाएगी। उन्होने प्रदेश सरकार की ओर से विभिन्न योजनाओं की चर्चा करते हुऐ कहा कि कुसूम योजना से प्रदेश की जनता को विधुत के क्षेत्र में लाभ देने का काम किया है। उन्होने विपक्ष को कहा कि उन्हे तथ्यों की जानकारी नही है। कुछ विपक्षी सदस्य सामाजिक पेंशन का मुदा उठा रहे है जबकि पिछली सारी बकाया पेंशन राशि लोगो के बैक खातो में जमा करवा दी गई है। उन्होने पिछली कांग्रेस सरकार के दौरान किसानो पर हुए अत्याचारो की चर्चा करते हुए कहा कि पिछली सरकार ने किसानो की कर्जा माफी की घोषणा की थी। परन्तु वह धोषणा केवल कागजी साबित हुई जबकि वर्तमान सरकार ने किसानो को लाभान्वित किया है। उन्होने कहा कि इस सरकार ने हजारो किसानो को ऋण दिया है। इस अवसर पर उन्होने पूर्व मुख्यमंत्री भैरोसिंह शेखावत को याद करते हुए कहा कि उनकी ओर से अन्त्योदय जैसी योजनाए चलाई गई जो आज भी हम सब को प्रेरणा देती हैं। इस अवसर पर उन्होने कांग्रेस पर फुट डालो राज करो जैसी नीतियां अपनाने का आरोप लगाया।

चोरड़िया चेरिटेबल ट्रस्ट ने पेश की उल्लेखनीय नजीर

डेढ़ करोड़ की लागत से बने नव निर्मित विस्तार भवन का उदघाटन

जयपुर टाइम्स

बीदासर(निस)। कस्बे की धापूदेवी चौरड़िया राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में चोरडिया चेरिटेबल ट्रस्ट की ओर से एक करोड़ 50 लाख रुपये की लागत से नव निर्मित विस्तार भवन का उद्घाटन व धापू देवी चोरडिया की मूर्ति का अनावरण विद्यालय के ट्रस्टी लंदन प्रवासी माणकचंद चोरडिया की अध्यक्षता आयोजित किया गया। भवन शिलापट का उद्घाटन विधायक मनोज मेघवाल, पालिकाध्यक्ष सीताराम भोभरिया, प्रधान संतोष मेघवाल ने किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक मनोज मेघवाल ने कहा कि भामाशाह परिवार चाहे विदेश में रहे हैं पर अपने गांव की मिट्टी से आज भी जुड़े हुए हैं। चोरडिया परिवार ने बीदासर में एक से एक विकास कार्य करवाए है। उन्होंने कहा कि जिस समय बीदासर में पानी की कमी थी उस समय चोरडिया परिवार ने पीने के लिए पानी की टंकी का निर्माण करवाया। चोरडिया परिवार की ओर से कस्बे में करवाये गए कार्यो को आने वाली पीढ़ियां याद रखेगी। शिक्षा के क्षेत्र में आज बालिकाएं आगे बढ़ रही है। स्कूल कॉलेजों में आज बालकों से ज्यादा बालिकाओं के नामांकन बढ़ रहे हैं। प्रधान संतोष मेघवाल ने कहा कि बीदासर भामाशाह की धरती है। हमारे गांवों के लोग विदेशों में रहकर भी गांव से जुड़े हुए हैं। भामाशाह परिवार ने दस कमरों का निर्माण करवाकर बालिकाओं के लिए अनुकरणीय कार्य किया है। साध्वी श्री कार्तिकयशा ने कहा कि चोरडिया परिवार का बीदासर में धार्मिक, विकास और राजनीतिक में बड़ा योगदान रहा है। उन्होंने बालिकाओं को निरंतर शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में पालिकाध्यक्ष सीताराम भोभरिया, उपाध्यक्ष मेराज उल हसन छींपा, तेरापंथ सभा के अध्यक्ष सम्पतमल बेद आदि ने संबोधित किया। इस दौरान भामाशाह का मुस्लिम समाज व उतरादा बास गोगामेड़ी समिति के कार्यकर्ताओं की ओर से प्रशंसा पत्र साफा पहनाकर स्वागत किया गया। समारोह में शोभादेवी, नैना देवी, प्रतीक, दिलीप चोरडिया, भाजपा मंडल अध्यक्ष राजेश सोनी, नगर कांग्रेस अध्यक्ष जेठाराम यादव, विहिप जिला उपाध्यक्ष प्रहलाद सिंह राजपुरोहित, पूनमचंद बेद, दानमल बांठिया, मेघराज सांखला, राकेश गिड़िया, मालचंद दर्जी, विजय कुमार दर्जी, संचियालाल बेद, महावीर बेद, मालचंद कोठारी, रफीक ठेकेदार, गोपाल प्रजापत, एडवोकेट शाहिद सोलंकी आदि उपस्थित रहे। विद्यालय के प्रधानाचार्य प्रेमरत्न शर्मा ने ट्रस्टी का माला साफा पहनाकर अभिनन्दन किया। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक सुरेश कुमार ज्यानु ने किया।

अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी होशियार सिंह कस्वां का राष्ट्रीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता 2025 के लिए चयन

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग में कार्यरत अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी होशियार सिंह कस्वां का राष्ट्रीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता 2024-25 के लिए चयन हुआ है। उनके इस चयन से विभाग और खेल जगत में खुशी की लहर है। होशियार सिंह कस्वां की गिनती वॉलीबॉल के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों में होती है। वे पिछले कई वर्षों से इस खेल में सक्रिय हैं और अपने शानदार प्रदर्शन के चलते दूसरी बार राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में भाग लेने जा रहे हैं। इससे पहले भी उन्होंने राज्य और जिला स्तर पर बेहतरीन खेल दिखाकर अपनी टीम को कई अहम मुकाबलों में जीत दिलाई है। उनकी कड़ी मेहनत और खेल के प्रति समर्पण का यह परिणाम है कि उन्हें राष्ट्रीय प्रतियोगिता में फिर से अपना दमखम दिखाने का मौका मिला है।

खेल जगत में हर्ष, विभागीय अधिकारियों ने दी बधाई

होशियार सिंह कसवां के इस चयन पर विभागीय अधिकारियों और खेल प्रेमियों ने उन्हें बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। यह उपलब्धि न केवल उनके लिए बल्कि विभाग और पूरे राजस्थान के लिए गर्व का विषय है। अब सभी की निगाहें आगामी राष्ट्रीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता 2024-25 पर टिकी हैं, जहां होशियार सिंह कसवां अपने दमदार खेल प्रदर्शन से राज्य और विभाग का नाम रोशन करने के लिए तैयार हैं।

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमेन डेका ने सालासर बालाजी मंदिर में किए दर्शन

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमेन डेका ने गुरुवार को जिले के सालासर बालाजी मंदिर में हनुमानजी के दर्शन व पूजा-अर्चना कर देश-प्रदेश में खुशहाली के लिए कामना की। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने सालासर पहुंचने पर राज्यपाल डेका का स्वागत किया। इस अवसर पर जीतमल पुजारी, यशोदानंदन पुजारी, धर्मवीर पुजारी, मनोज पुजारी, कमल पुजारी, अजय पुजारी, मनीष पुजारी ने पूजा अर्चना करवाई और राज्यपाल डेका का बालाजी का चित्र व दुपट्टा भेंट कर अभिनंदन किया। इस दौरान सुनील शर्मा, सुजानगढ़ एडीएम मंगलाराम पूनिया, एएसपी दिनेश कुमार, एसडीएम ओमप्रकाश वर्मा, तहसीलदार राजू देवी, एसीडी से पंकज, सीओ दरजाराम, पुष्पेंद्र झाझड़िया, प्रवर्तन निरीक्षक संपत कुमार, नायब तहसीलदार अमरसिंह सहित अन्य मौजूद रहे।

गौशाला में गायों को खिलाया चारा

मंदिर दर्शन के बाद राज्यपाल ने श्रीबालाजी गौशाला संस्थान में गायों की पूजा कर चारा खिलाया तथा गौशाला की व्यवस्थाएं देखी। इस दौरान पूर्व केंद्रीय मंत्री सुभाष महरिया ने राज्यपाल का अभिनंदन किया। गौशाला अध्यक्ष रवि शंकर ने व्यवस्थाओं की जानकारी दी और राज्यपाल व अतिथियों का स्वागत किया। इस मौके पर प्रकाश शर्मा, जुगल किशोर, बेगाराम ढाका आदि मौजूद रहे।

24 वां कला मेला 19 मार्च से शिल्पग्राम जवाहर कला केन्द्र में होगा शुरू

जयपुर टाइम्स

जयपुर/ बीकानेर(कासं.)। राजस्थान ललित कला अकादमी की ओर से 24 वां कला मेला जवाहर कला केन्द्र के सहयोग से 19 से 23 मार्च तक शिल्पग्राम, जवाहर कला केन्द्र, जयपुर में आयोजित किया जाएगा। अकादमी सचिव डॉ. रजनीश हर्ष ने बताया कि इस मेले में अकादमी की ओर से लगभग 100 ऑक्टोनम स्टॉलों का निर्माण कराया जाएगा। इसमें राज्य के युवा, वरिष्ठ कलाकार और कला संस्थाएं अपने कला चित्रों का प्रदर्शन कर सकेंगी। कला मेले के लिए आवेदन पत्र, अकादमी की वेबसाईट से प्राप्त किए जा सकते हैं। कला मेला संयोजक डॉ. नाथूलाल वर्मा के अनुसार कला मेला के आवेदन मय शुल्क अकादमी कार्यालय में 5 मार्च, 2025 तक जमा कराए जा सकते हैं।

प्रत्येक किसान की बने फार्मर रजिस्ट्री, सरकार की योजनाओं का मिले लाभ: सुराणा

जिला कलक्टर ने नौरंगसर व उड़वाला में फॉर्मर रजिस्ट्री शिविर का किया अवलोकन

जयपुर टाइम्स

चूरू/सुजानगढ़ (निस)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने गुरुवार को जिले की सुजानगढ़ तहसील की नौरंगसर व बीदासर तहसील की उड़वाला ग्राम पंचायत में एग्रीस्टैक योजना अंतर्गत आयोजित फार्मर रजिस्ट्री शिविर का अवलोकन कर व्यवस्थाएं देखीं। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशानुरूप प्रत्येक किसान की फॉर्मर रजिस्ट्री आईडी बने और सरकार की योजनाओं का लाभ मिले। अधिकारी, कर्मचारी किसानों को शिविरों के बारे में समुचित जानकारी दें तथा किसान जागरूक होकर सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाएं। एग्रीस्टैक योजना अंतर्गत शिविरों में किसान अपनी फार्मर आईडी बनाएं ताकि विभिन्न योजनाओं का समुचित लाभ मिल सके। सुराणा ने कहा कि शिविरों में आने वाले किसानों का शत प्रतिशत फॉर्मर आईडी बनाई जाए। इसी के साथ पीएम किसान सम्मान निधि योजना में भी पात्र किसानों को इनरोल किया जाए। उन्होंने पशुपालकों से कहा कि मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना में आवेदन कर अपने पशुधन का बीमा करवाएं। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि शिविरों के दौरान आने वाले किसानों से उनकी समस्याएं भी सुनें व निस्तारण के प्रयास करें। उन्होंने ग्रामीणों को फार्मर रजिस्ट्री के उपयोग व महत्व, ठोस व तरल कचरा प्रबंधन, मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना, आभा आईडी आदि की जानकारी दी। एसडीएम ओमप्रकाश वर्मा ने व्यवस्थाओं की जानकारी देते हुए किसानों को शिविरों व योजना के बारे में किसानों को जागरूक किया। इस दौरान तहसीलदार राजू देवी, बीडीओ रवि कुमार, सरपंच भवानी सिंह, रतनलाल ढाका सहित अन्य अधिकारी, जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। उड़वाला में जिला कलक्टर ने ग्रामीण विकास योजनाओं, स्वच्छता, पीएम आवास योजना, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम सहित विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की। एसडीएम अमीलाल ने शिविर व्यवस्थाओं की जानकारी दी और किसानों को फार्मर रजिस्ट्री के बारे में जागरूक किया। इस दौरान तहसीलदार सुदेश, बीडीओ राजूराम, सरपंच रामेश्वर लाल सहित अन्य अधिकारी, जनप्रतिनिधि व किसान मौजूद रहे।

स्वात्वाधिकारी, कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक रामेश्वरलाल जाट द्वारा कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि., सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर में मुद्रित एवं पंकज शर्मा, राम मंदिर के पास, पूरानी सडक, चूरू -331001 से प्रकाशित।
सम्पादक : रामेश्वरलाल जाट, सी-588, 4सी स्कीम, न्यू लोहा मण्डी रोड, जयपुर-302013 मो. : 7014217770, E-Mail : jaipurtimes2007@gmail.com *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार, समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर।